CHAPTER 1

Early Childhood Care and Education
प्रारंभिक बाल्यावस्था की देखभाल और शिक्षा

Meaning / अर्थ

ECCE refers to providing care including health and nutrition as well as early learning opportunities to all young children. A protective and stimulating environment consisting of play-based and developmentally appropriate activities are vital for children's physical-motor, cognitive, socio-emotional and language development. / ECCE का तात्पर्य सभी छोटे बच्चों को स्वास्थ्य और पोषण के साथ-साथ प्रारंभिक सीखने के अवसर सहित देखभाल प्रदान करना है। खेल-आधारित और विकासात्मक रूप से उपयुक्त गतिविधियों से युक्त एक सुरक्षात्मक और उत्तेजक वातावरण बच्चों के शारीरिक-गत्यात्मक, संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक और भाषाई विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

The term ECCE comprises of three key terms:- **'Early Childhood', 'Care'** and **'Education'.** / ECCE शब्द में तीन प्रमुख शब्द शामिल हैं:- **'प्रारंभिक बाल्यावस्था', 'देखभाल'** और **'शिक्षा'**।

Early Childhood / प्रारंभिक बाल्यावस्था	• Early childhood is the period from birth to six years. This is the most important period of life characterized by rapid growth and development. / प्रारंभिक बाल्यावस्था जन्म से छह वर्ष तक की अवधि है। यह जीवन की सबसे महत्वपूर्ण अवधि है जिसमें तीव्र वृद्धि और विकास होता है।
Care / देखभाल	• Care mean providing love and affection and ensuring a healthy, hygienic, protective and stimulating environment for all children. / देखभाल से तात्पर्य प्यार और स्नेह प्रदान करना और सभी बच्चों के लिए एक स्वस्थ, स्वच्छ, सुरक्षात्मक और प्रेरक वातावरण सुनिश्चित करना है।
Education / शिक्षा	• Education is a process of acquiring knowledge, skills, attitudes and values through exploration, experimentation, observation, participation and interaction. All such experiences help children learn more about themselves and the world around them. / शिक्षा अन्वेषण, प्रयोग, अवलोकन, सहभागिता और अंत: क्रिया के माध्यम से ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और मूल्यों को गृहण करने की एक प्रक्रिया है। यह समस्त अनुभव बच्चों को अपने बारे में और अपने आस-पास की दुनिया के बारे में अधिक जानने में मदद करते हैं।

Note: According to the National Policy on ECCE, 2013, there are three sub-stages of early years, each with its own age-specific developmental priorities. These sub-stages are: / ECCE, 2013 पर राष्ट्रीय नीति के अनुसार, प्रारंभिक वर्षों के तीन उप-चरण हैं, जिनमें से प्रत्येक की अपनी आयु-विशिष्ट विकासात्मक प्राथमिकताएँ हैं। ये उप-अवस्थायें हैं:

(a) Conception to birth / गर्भधारण से जन्म
(b) Birth to three years / जन्म से तीन साल वर्ष
(c) Three to six years / तीन से छह साल वर्ष

Objectives of ECCE / ECCE के उद्देश्य

- Ensure that children feel safe, secure, accepted and respected. / यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चे सुरक्षित, सलामत, स्वीकार्य और सम्मानित महसूस करें।
- Ensure children have good and balanced nutrition. / सुनिश्चित किया जाए कि बच्चों को अच्छा और संतुलित पोषण प्राप्त हो।
- Inculcate healthy habits, hygiene practices and self-help skills among children. / बच्चों में स्वस्थ आदतें, स्वच्छता सम्बन्धी चलन और स्व-सहायता कौशल का विकास हो।
- Enable language development, skills of communication and expression. / भाषा विकास, सम्प्रेषण और अभिव्यक्ति के कौशल को सक्षम करें।
- Ensure optimum physical and motor development of children as per their potential. / बच्चों का उनकी संभाव्य क्षमता के अनुसार इष्टतम शारीरिक और गत्यात्मक विकास सुनिश्चित करें।
- Foster sensory and cognitive abilities of children by providing engaging, participative and stimulating activities. / सहभागिता पूर्ण उद्दीपक गतिविधियो में संलग्नता द्वारा बच्चो की संवेदी और संज्ञानात्मक क्षमताओं को पोषित किया जाए।

Components of ECCE / ECCE के घटक

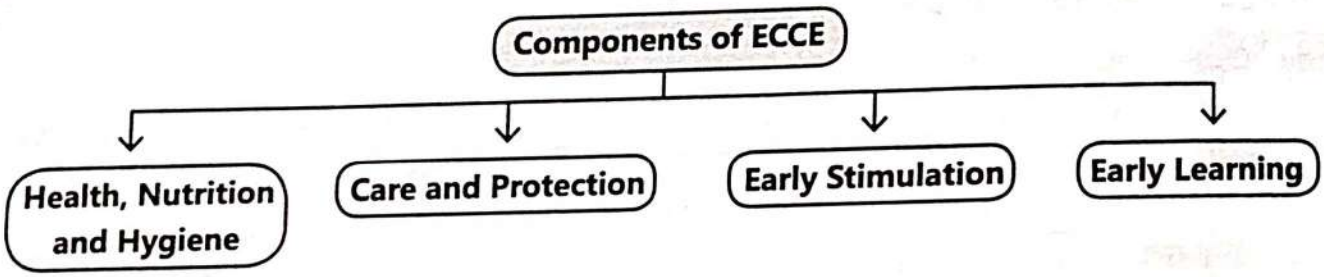

1. Health, Nutrition and Hygiene / स्वास्थ्य, पोषण और स्वच्छता

- This component consists of providing regular health interventions to both the mother and the child. It encompasses providing prenatal and postnatal care to the mother in terms of provision of healthy nutritious food, timely immunization of the pregnant mother, regular health checkups, stress-free environment and safe child birth at a hospital or a health centre. / इस घटक में माँ और बच्चे दोनों को नियमित स्वास्थ्य हस्तक्षेप प्रदान करना शामिल है। इसमें स्वस्थ पौष्टिक भोजन, गर्भवती मां का समय पर टीकाकरण, नियमित स्वास्थ्य जांच, तनाव मुक्त वातावरण और अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र में सुरक्षित बच्चे के जन्म के प्रावधान के संदर्भ में मां को प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल प्रदान करना शामिल है।

Care and Protection / देखभाल एवं संरक्षण

- It is essential for caregivers to ensure psychological and socio-emotional needs of children. It can be done by responding to their needs through appropriate stimulation, supportive and warm interaction and ensuring a healthy and safe environment. / देखभाल करने वालों के लिए बच्चों की मनोवैज्ञानिक और सामाजिक-भावनात्मक आवश्यकताओं को सुनिश्चित करना आवश्यक है। यह उचित उत्तेजना, सहायक और सुखद अंत: क्रिया के माध्यम से उनकी जरूरतों का जवाब देकर और एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करके किया जा सकता है।

3. Early Stimulation / प्रारंभिक उद्दीपन

- Early stimulation refers to providing appropriate stimulating inputs through seeing, hearing, touching, smelling and tasting to children especially during their first three years of life. The goal of the stimulation is to promote children's potential by enhancing positive interactions with parents or caregivers, and opportunities for exploring the environment. / प्रारंभिक उत्तेजना से तात्पर्य बच्चों को विशेष रूप से उनके जीवन के पहले तीन वर्षों के दौरान देखने, सुनने, छूने, सूंघने और चखने के माध्यम से उचित उद्दीपन इनपुट प्रदान करना है। प्रोत्साहन का लक्ष्य माता-पिता या देखभाल करने वालों के साथ सकारात्मक बातचीत और परिवेश की खोज के अवसरों को बढ़ाकर बच्चों की क्षमता को बढ़ावा देना है।

4. Early Learning / प्रारंभिक अधिगम

- Children in the age group of three to six years must be provided age- and developmentally appropriate learning experiences. It is important to ensure access to quality education comprising of play, concrete experiences, observation, manipulation and experimentation. / तीन से छह वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को आयु और विकासात्मक रूप से उपयुक्त सीखने के अनुभव प्रदान किए जाने चाहिए। खेल, मूर्त अनुभव, अवलोकन, हस्त कौशल और प्रयोग से युक्त गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना अत्यावश्यक है।

Early intervention / प्रारंभिक हस्तक्षेप

Developmental milestones are the age-specific acquisition of skills and competencies in each domain. Children under normal circumstances are expected to achieve the milestones in their respective domain i.e. it is expected that certain competencies would appear at particular age ranges. If children lag behind the normal pattern of growth, they may have **developmental delay.** / **विकासात्मक पड़ाव** प्रत्येक क्षेत्र में कौशल और दक्षताओं का आयु-विशिष्ट अधिग्रहण हैं। सामान्य परिस्थितियों में बच्चों से अपने संबंधित क्षेत्र में पड़ाव हासिल करने की उम्मीद की जाती है, यानी यह उम्मीद की जाती है कि विशेष आयु सीमा में कुछ योग्यताएं दिखाई देंगी। यदि बच्चे विकास के सामान्य पैटर्न से पीछे रह जाते हैं, तो उनके **विकासात्मक विलम्बन** हो सकती है।

Early intervention means taking necessary actions as early as possible to work on children's developmental and learning needs, thus reducing the effects of any developmental delay. It means introducing the right kind of interventions in children's life as early as possible when their mind is most receptive to learning new things. / **प्रारंभिक हस्तक्षेप** का अर्थ है बच्चों की विकासात्मक और अधिगम की आवश्यकताएँ पर काम करने के लिए जितनी शीघ्र हो सके आवश्यक जाँच करना, इस प्रकार किसी भी विकास विलम्बन के प्रभाव को कम करना। इसका मतलब है कि बच्चों के जीवन में यथाशीघ्र सही प्रकार का हस्तक्षेप शुरू करना, जब उनका दिमाग नई चीजें सीखने के लिए सबसे अधिक ग्रहणशील हो।

Regular health check-ups of children should be undertaken and a health record should be maintained. Health examination should include general appearance, body structure, recording of pulse, breathing rate, temperature, measurement of height, weight, chest and abdomen. Examination of neck, eyes, ears, nose, throat, teeth, skin, hair, nails, vision, hearing, mental responsiveness, movement of limbs, urine and stool examinations should also be done. This helps in early detection of defects. If any problem is diagnosed or reported early, it can then be immediately attended to. / बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच की जानी चाहिए और स्वास्थ्य रिकॉर्ड बनाए रखा जाना चाहिए। स्वास्थ्य परीक्षण में सामान्य उपस्थिति, शरीर की संरचना, नाड़ी की रिकॉर्डिंग, सांस लेने की दर, तापमान, ऊंचाई, वजन, छाती और पेट का

माप शामिल होना चाहिए। गर्दन, आंख, कान, नाक, गला, दांत, त्वचा, बाल, नाखून, दृष्टि, श्रवण, मानसिक प्रतिक्रिया, अंगों की गति, पेशाब और मल की जांच भी की जानी चाहिए। इससे दोषों का शीघ्र पता लगाने में मदद मिलती है। यदि प्रारम्भ में ही किसी समस्या को पहचाना जाता है, तो उस पर तत्काल ध्यान दिया जा सकता है।

ECCE in the Indian Context / भारतीय संदर्भ में ECCE

In India, the early pioneers of early childhood education include Gijubhai Badheka, Tarabai Modak, and Maria Montessori. / भारत में, प्रारंभिक बाल्यावस्था की शिक्षा के शुरुआती अग्रदूतों में गिजुभाई बधेका, ताराबाई मोदक और मारिया मोंटेसरी शामिल हैं।

- **Gijubhai Badheka** believed that good education is very important for the proper development of children. For this, he founded 'BalMandir', a preschool in Bhavnagar, Gujarat in 1920. / **गिजुभाई बधेका** का मानना था कि बच्चों के समुचित विकास के लिए अच्छी शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। इसके लिए उन्होंने 1920 में गुजरात के भावनगर में एक पूर्व प्राथमिक विद्यालय 'बालमंदिर' की स्थापना की।

- **Tarabai Modak** also made significant contributions in the field of preschool education in India. In 1926, she founded the Nutan Bal Shikshan Sangh in erstwhile Bombay, now Mumbai. Here, children from different backgrounds learnt through activities and real-life experiences. / **ताराबाई मोदक** ने भारत में पूर्व प्राथमिक विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। 1926 में, उन्होंने तत्कालीन बम्बई, अब मुंबई में नूतन बाल शिक्षण संघ की स्थापना की। यहां, विभिन्न पृष्ठभूमियों के बच्चों ने गतिविधियों और वास्तविक जीवन के अनुभवों के माध्यम से सीखते है।

- The Montessori Method founded by **Maria Montessori** is an approach to preschool education. It has had a profound influence on the lives of young children all over the world. It is intended to support the natural development of children in a well prepared environment. / **मारिया मोंटेसरी** द्वारा प्रतिपादित मोंटेसरी विधि पूर्व प्राथमिक विद्यालय शिक्षा के लिए एक दृष्टिकोण है। दुनिया भर में छोटे बच्चों के जीवन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा है। इसका उद्देश्य एक अच्छी तरह से तैयार वातावरण में बच्चों के प्राकृतिक विकास का समर्थन करना है।

The writings of great Indian educational thinkers such as **Mahatma Gandhi, Rabindranath Tagore and Zakir Hussain** have also drawn attention to the care and education of children during the formative years of life. They opined that education to children must be imparted in their mother tongue and should be closely connected to their social and cultural environment and the community in which children and their family live. / **महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर और जाकिर हुसैन** जैसे महान भारतीय शैक्षिक विचारकों के लेखन ने भी जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान बच्चों की देखभाल और शिक्षा पर ध्यान आकर्षित किया है। उनका मत था कि बच्चों को शिक्षा उनकी मातृभाषा में दी जानी चाहिए और यह उनके सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश तथा उस समुदाय से निकटता से जुड़ी होनी चाहिए जिसमें बच्चे और उनके परिवार रहते हैं।

ECCE in the Global Context / वैश्विक संदर्भ में ECCE

The importance of ECCE has been recognized globally as well. It started in 1989 with the **United Nations Convention on the Rights of the Child (UNCRC)** which is an international agreement for child rights. It intended to protect and promote the wellbeing of children in terms of their survival,

health, education and protection. / ECCE के महत्व को विश्व स्तर पर भी स्वीकारा गया है। इसकी शुरुआत 1989 में **यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन द राइट्स ऑफ़ द चाइल्ड (UNCRC)** से हुई, जो बाल अधिकारों के लिए एक अंतरराष्ट्रीय समझौता है। इसका उद्देश्य बच्चों के अस्तित्व, स्वास्थ्य, शिक्षा और संरक्षण के संदर्भ में उनकी भलाई की रक्षा करना और बढ़ावा देना है।

World Conference on Education for All held in Jomtien, Thailand in 1990 emphasized that 'learning begins at birth' and promoted early care and education as a must that needs to be provided through the involvement of families and communities. / 1990 में थाईलैंड के जोमटियन में आयोजित **सबके लिए शिक्षा विश्व सम्मेलन** में इस बात पर जोर दिया गया कि 'सीखना जन्म से शुरू होता है' और प्रारंभिक देखभाल और शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिसे परिवारों और समुदायों की भागीदारी के माध्यम से प्रदान किया जाने की जरूरत है।

World Education Forum held in Dakar, Senegal in April 2000 also reiterated the importance of ECCE. It reaffirmed that education is a fundamental human right, and set objectives for achieving Education For All (EFA) goals to ensure basic education for all children. / अप्रैल 2000 में डकार, सेनेगल में आयोजित **विश्व शिक्षा फोरम** ने भी ECCE के महत्व को दोहराया। इसमें फिर से पुष्टि की कि शिक्षा एक मौलिक मानव अधिकार है, और सभी बच्चों के लिए बुनियादी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी के लिए शिक्षा (EFA) लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उद्देश्य निर्धारित किए।

OOOOO

CHAPTER 2

Government Acts and Plans
सरकारी अभियान एवं योजनाएँ

1. Samagra Shiksha Abhiyan (SSA), 2018 / समग्र शिक्षा अभियान (SSA), 2018

- Samagra Shiksha Abhiyan (SSA) or Integrated Scheme for School Education is an overarching programme for the school education extending from pre school to class 12. / समग्र शिक्षा अभियान (SSA) या स्कूली शिक्षा के लिए एकीकृत योजना पूर्व प्राथमिक विद्यालय से लेकर कक्षा 12 तक की स्कूली शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम है।
- The vision of the Scheme is to ensure inclusive and equitable quality education from pre-school to senior secondary stage synchronized with the Sustainable Development Goal (SDG) for Education. / योजना का दृष्टिकोण शिक्षा के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के साथ समन्वयित पूर्व प्राथमिक विद्यालय से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना है।
- It subsumes three schemes: Sarva Shiksha Abhiyan (SSA), Rashtriya Madhyamik Shiksha Abhiyan (RMSA) and Teacher Education (TE). The scheme visualizes the 'school' as a continuum from pre-school, primary, upper primary, secondary to senior secondary levels. / इसमें तीन योजनाएं शामिल हैं: सर्व शिक्षा अभियान (SSA), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) और शिक्षक शिक्षा (TE)। यह योजना 'स्कूल' को पूर्व प्राथमिक विद्यालय, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक एक निरंतरता के रूप में देखती है।

2. National Minimum Guidelines for Setting up and Running Creches under Maternity Benefit Act, 2017 / मातृत्व लाभ अधिनियम, 2017 के अंतर्गत क्रेच की स्थापना और संचालन के लिए राष्ट्रीय न्यूनतम दिशानिर्देश

- Ministry of Women and Child Development (MWCD) has released National Minimum Guidelines for setting up and running creches in 2018 under Maternity Benefit Act, 2017 mandating that "every establishment having 50 or more employees shall have the facility of creche". / महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MWCD)) ने मातृत्व लाभ अधिनियम, 2017 के तहत 2018 में क्रेच स्थापित करने और चलाने के लिए राष्ट्रीय न्यूनतम दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिसमें कहा गया है कि "50 या अधिक कर्मचारियों वाले प्रत्येक संस्थान में क्रेच की सुविधा होगी"।
- These guidelines are meant to facilitate the employer in establishing and managing creche facility for their employees having children mainly from 6 months to 6 years against key parameters such as location, timings, infrastructure, equipment, health and nutrition practices, safety trained human resource, parent's engagement and others, to ensure holistic development care of every child at the creche. / ये दिशानिर्देश नियोक्ता को स्थान, समय, बुनियादी रूपरेखा, उपकरण, स्वास्थ्य और पोषण प्रथाओं, सुरक्षा प्रशिक्षित मानव जैसे क्रेच में प्रत्येक बच्चे की समग्र विकास देखभाल सुनिश्चित करने के लिए संसाधन, माता-पिता की भागीदारी और अन्य प्रमुख मापदंडों के आधार पर अपने कर्मचारियों के लिए क्रेच सुविधा स्थापित करने और प्रबंधित करने में सुविधा प्रदान करने के लिए हैं, जिनके मुख्य रूप से 6 महीने से 6 साल तक के बच्चे हैं।

3. The Maternity Benefit (Amendment) Act, 2017 / मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017

- The Maternity Benefit (Amendment) Act 2017 has increased the duration of paid maternity leave available for female employees from 12 weeks to 26 weeks. / मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम 2017 ने महिला कर्मचारियों के लिए उपलब्ध वेतन सहित मातृत्व अवकाश की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दिया है।
- The act extends the benefit to adopting and commissioning mothers and provides a woman who adopts a child will be given 12 weeks of paid leave from the date of adopting the child. / यह अधिनियम गोद लेने वाली और सरोगेसी माताओं को लाभ प्रदान करता है और यह प्रावधान करता है कि बच्चे को गोद लेने वाली महिला को बच्चे को गोद लेने की तारीख से 12 सप्ताह का सवैतनिक अवकाश दिया जाएगा।
- The amended Act has mandated creche facility for every establishment employing 50 or more employees. The women employees should be permitted to visit the creche. The Act has introduced a provision of "work from home" that can be exercised after the expiry of 26 weeks' leave period. Depending upon the nature of work, a woman can avail of this provision on such terms that are mutually agreed with the employer. / संशोधित अधिनियम में 50 या अधिक कर्मचारियों को रोजगार देने वाले प्रत्येक प्रतिष्ठान के लिए क्रेच सुविधा अनिवार्य कर दी गई है। महिला कर्मचारियों को क्रेच में जाने की अनुमति दी जानी चाहिए। अधिनियम में "घर से काम" का प्रावधान पेश किया गया है जिसका प्रयोग 26 सप्ताह की छुट्टी की अवधि समाप्त होने के बाद किया जा सकता है। काम की प्रकृति के आधार पर, एक महिला नियोक्ता के साथ पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर इस प्रावधान का लाभ उठा सकती है।

4. Child Labour (Prohibition and Regulation) Amendment Act, 2016 / बाल श्रम (निषेध एवं नियमन) संशोधन अधिनियम, 2016

- Child Labour (Prohibition and Regulation) Act, 1986 prohibits the employment of children below the age of 14 years in hazardous occupations identified in a list by the law and to regulate the services of children in non-hazardous occupations. / बाल श्रम (निषेध और नियमन) अधिनियम, 1986 कानून द्वारा सूची में पहचाने गए खतरनाक व्यवसायों में 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है और गैर-खतरनाक व्यवसायों में बच्चों की सेवाओं को नियमित करता है।

5. The Rights of Persons with Disabilities (RPWD) Act, 2016 / दिव्यांग अधिकार अधिनियम (RPWD), 2016

- The Rights of Persons with Disabilities Act was enacted in 2016. It promotes and protects the right to equality, life with dignity and respect for integrity equally with others in various aspects of life such as educational, social, legal, economic, cultural and political. / दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 में अधिनियमित किया गया था। यह शैक्षिक, सामाजिक, कानूनी, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक जैसे जीवन के विभिन्न पहलुओं में दूसरों के साथ समान रूप से समानता, गरिमा के साथ जीवन और अखंडता के सम्मान को बढ़ावा देता है और इसकी रक्षा करता है।

- The types of disabilities has been increased from 7 (The Persons with Disabilities Act, 1995) to 21, with power to the Central Government to add more. / दिव्यांगता के प्रकार 7 (दिव्यांग व्यक्ति अधिनियम, 1995) से बढ़ाकर 21 कर दिए गए हैं, केंद्र सरकार को और अधिक जोड़ने की जिम्मेदारी दी गई है।

6. National Plan of Action for Children, 2016 / बच्चों के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना, 2016

- The National Plan of Action for Children, 2016 is committed to provide equal opportunities for all children and protect their rights. / बच्चों के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना, 2016 सभी बच्चों को समान अवसर प्रदान करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- Objectives of NPAC under each priority area / प्रत्येक प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत एनपीएसी के उद्देश्य:
  - Survival, Health and Nutrition / उत्तरजीविता, स्वास्थ्य और पोषण
  - Education and Development / शिक्षा और विकास
  - Protection / सुरक्षा
  - Participation / सहभागिता

7. Beti Bachao Beti Padhao Scheme, 2015 / बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, 2015

- Beti Bachao-Beti Padhao Scheme was launched in 2015 to address gender imbalance and discrimination against the girl child. / लिंग असंतुलन और बालिकाओं के प्रति भेदभाव को दूर करने के लिए 2015 में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना शुरू की गई थी।
- The objectives are prevention of gender-biased sex-selective elimination, ensuring survival and protection of the girl child, and ensuring education and participation of the girl child. / इसका उद्देश्य लिंग-पक्षपातपूर्ण लिंग-चयनात्मक उन्मूलन की रोकथाम, बालिकाओं के अस्तित्व और सुरक्षा को सुनिश्चित करना और बालिकाओं की शिक्षा और भागीदारी सुनिश्चित करना है।

8. The Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 / किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015

- The Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015 creates a robust legal framework for the protection of the rights of all children whether alleged or found to be in conflict with law or children in need of care and protection, by catering to their basic needs through proper care, protection, development, treatment, social re-integration, by adopting a child- friendly approach in the adjudication and disposal of matters in the best interest of children and for their rehabilitation through processes provided, and institutions and bodies established therein which will adopt child friendly processes. / किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 सभी बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए एक मजबूत कानूनी रूपरेखा बनाता है, चाहे वे कथित हों या कानून के साथ संघर्ष में पाए गए हों या देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले बच्चों की देखभाल करके। उचित देखभाल, सुरक्षा, विकास, उपचार, सामाजिक पुन: एकीकरण के माध्यम से बुनियादी आवश्यकताएं, बच्चों के सर्वोत्तम हित में मामलों के निर्णय और निपटान में बाल-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाकर और प्रदान की गई प्रक्रियाओं के माध्यम से उनके पुनर्वास के लिए, और संस्थानों और निकायों की स्थापना की जाती है। जिसमें बाल मैत्रीपूर्ण प्रक्रियाओं को अपनाया जाएगा।

9. **Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act, 2012 / यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012**

- Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act, 2012 was enacted by the Government of India to provide an extremely strong legal framework for the protection of children from offences of sexual assault, sexual harassment and pornography, while safeguarding the interest of the child at every stage of the judicial process, by incorporating child-friendly mechanisms for reporting, recording of evidence, investigation and speedy trial of offences through designated Special Courts. / यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम, 2012 भारत सरकार द्वारा बच्चों के हितों की रक्षा करते हुए यौन आक्रमण, यौन उत्पीड़न और अश्लील साहित्य के अपराधों से बच्चों की सुरक्षा के लिए एक अत्यंत मजबूत कानूनी रूपरेखा प्रदान करने के लिए अधिनियमित किया गया था। न्यायिक प्रक्रिया के हर चरण में, नामित विशेष न्यायालयों के माध्यम से रिपोर्टिंग, साक्ष्यों की रिकॉर्डिंग, जांच और अपराधों की त्वरित सुनवाई के लिए बाल-अनुकूल तंत्र को शामिल करके।

10. **Right to Free and Compulsory Education Act (RTE), 2009 / निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम (RTE), 2009**

- The Constitution of India provides free and compulsory education to all children in the age group of 6 to 14 years. 'Free education' means that no child shall be liable to pay any kind of fee or charges or expenses which may prevent her/ him from pursuing and completing elementary education. / भारत का संविधान 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करता है। 'निःशुल्क शिक्षा' का अर्थ है कि कोई भी बच्चा किसी भी प्रकार की फीस या शुल्क या खर्च का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो उसे प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने और पूरा करने से रोक सकता है।
- 'Compulsory education' means it is the responsibility of the appropriate Government and local authorities to provide free elementary education and ensure admission, attendance and completion of elementary education by all children in this age group. / 'अनिवार्य शिक्षा' का अर्थ है कि यह यथोचित सरकार और स्थानीय अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे मुफ्त प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करें और इस आयु वर्ग के सभी बच्चों के लिए प्रवेश, उपस्थिति और प्रारंभिक शिक्षा पूरी करना सुनिश्चित करें।

11. **Integrated Child Protection Scheme (ICPS), 2009 / एकीकृत बाल संरक्षण योजना (ICPS), 2009**

- The Integrated Child Protection Scheme (ICPS) is a centrally sponsored scheme launched in 2009. It aimed at ensuring protective environment for children in difficult circumstances, and other vulnerable children. / एकीकृत बाल संरक्षण योजना (ICPS) एक केंद्र प्रायोजित योजना है जो 2009 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य कठिन परिस्थितियों में बच्चों और अन्य कमजोर बच्चों के लिए सुरक्षात्मक वातावरण सुनिश्चित करना है।
- ICPS brings together multiple existing child protection schemes of the Ministry under one comprehensive umbrella, and integrates additional interventions for protecting children and preventing harm. / ICPS मंत्रालय की कई मौजूदा बाल संरक्षण योजनाओं को एक साथ लाता है, और बच्चों की सुरक्षा और नुकसान को रोकने के लिए अतिरिक्त हस्तक्षेपों को एकीकृत करता है।

12. The Prohibition of Child Marriage Act, 2006 / बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006

- The Prohibition of Child Marriage Act, 2006 came into force in 2007. The object of the Act is to prohibit solemnization of child marriage and connected and incidental matters. / 2007 बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 में लागू हुआ। अधिनियम का उद्देश्य बाल विवाह और उससे जुड़े और आकस्मिक मामलों पर रोक लगाना है।
- To ensure that child marriage is eradicated from society, the Government of India enacted the Prevention of Child Marriage Act 2006 by replacing the earlier legislation of Child Marriage Restraint Act 1929. / यह सुनिश्चित करने के लिए कि समाज से बाल विवाह का उन्मूलन हो, भारत सरकार ने बाल विवाह निरोधक अधिनियम 1929 के पुराने कानून को प्रतिस्थापित करके बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 लागू किया।

13. Pre-Conception & Pre-Natal Diagnostic Techniques Act, 1994 / गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994

- Pre-Conception & Pre-Natal Diagnostic Techniques Act, 1994 (amended in 2002) was passed to stop female foeticide and control the declining sex ratio in the country. The Act banned the use of sex selection techniques before and after conception. / कन्या भ्रूण हत्या को रोकने और देश में घटते लिंगानुपात को नियंत्रित करने के लिए पूर्व गर्भधारण और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 (2002 में संशोधित) पारित किया गया था। अधिनियम ने गर्भधारण से पहले और बाद में लिंग चयन तकनीकों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया।
- The Act also bans advertisement related to pre-conception and pre-natal determination of sex. There is strong emphasis on changing mindset through training, sensitization and raising awareness. / यह अधिनियम पूर्व गर्भधारण और प्रसव पूर्व लिंग निर्धारण से संबंधित विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगाता है। प्रशिक्षण, संवेदीकरण और जागरूकता बढ़ाने के माध्यम से मानसिकता बदलने पर जोर दिया जा रहा है।

OOOOO

CHAPTER

3

ECCE Policies and Programme
ECCE की नीतियाँ एवं कार्यक्रम

1. The National Policy on Education (NPE), 1986 / राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE), 1986

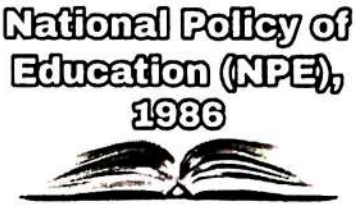

- The Government of India had formulated the National Policy on Education (NPE) in 1986 to promote education for the welfare of all its citizens. / भारत सरकार ने अपने सभी नागरिकों के कल्याण के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 1986 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE) तैयार की थी।
- It stresses on promoting a child-centred and play-based ECCE programme. It discourages the use of formal methods and introduction of the 3Rs at an early stage. / यह बाल-केंद्रित और खेल-आधारित ECCE कार्यक्रम को बढ़ावा देने पर बल देती है। यह औपचारिक तरीकों के उपयोग और प्रारंभिक चरण में 3R की शुरूआत को हतोत्साहित करता है।

2. National Nutrition Policy, 1993 / राष्ट्रीय पोषण नीति, 1993

- Adequate and healthy nutrition is vital for holistic development of children. / बच्चों के समग्र विकास के लिए पर्याप्त और स्वस्थ पोषण महत्वपूर्ण है।
- The policy was formulated by the Government of India to tackle the problem of under nutrition and malnutrition in the country, thereby aiming to improve the nutritional status across society. / यह नीति भारत सरकार द्वारा देश में अल्प पोषण और कुपोषण की समस्या से निपटने के लिए बनाई गई थी, जिसका उद्देश्य पूरे समाज में पोषण की स्थिति में सुधार करना था।

3. The National Policy for Children (NPC), 2013 / राष्ट्रीय बाल नीति (NPC), 2013

- The Government of India adopted the first National Policy for Children (NPC) in 1974 as one of the major initiatives for the wellbeing of children. / भारत सरकार ने बच्चों के कल्याण हेतु एक प्रमुख पहल के रूप में 1974 में पहली राष्ट्रीय बाल नीति (NPC) को अपनाया।
- The policy declared children as, "supremely important asset" for the nation. The NPC, 1974 was revised in 2013, reaffirming commitment to healthy development and protection of all children. / नीति ने बच्चों को राष्ट्र के लिए "अत्यधिक महत्वपूर्ण परिसंपत्ति" घोषित किया। NPC, 1974 को 2013 में संशोधित किया गया था, जिसमें सभी बच्चों के स्वस्थ विकास और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई थी।

4. National Early Childhood Care and Education Policy, 2013 / राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा नीति, 2013

- The Policy framework also includes the National ECCE Curriculum Framework and Quality Standards for ECCE. / नीति रूपरेखा में राष्ट्रीय ECCE पाठ्यक्रम रूपरेखा और ECCE के लिए गुणवत्ता मानक भी शामिल हैं।

- The vision of the policy is to, "achieve holistic development and active learning capacity of all children below six years of age by promoting free, universal, inclusive, equitable, joyful and contextualised opportunities for laying foundation and attaining full potential." / नीति का दृष्टिकोण है, "नींव रखने और पूर्ण क्षमता प्राप्त करने के लिए नि:शुल्क, सार्वभौमिक, समावेशी, समतामूलक, आनंददायक और प्रासंगिक अवसरों को बढ़ावा देकर छह साल से कम उम्र के सभी बच्चों के समग्र विकास और सक्रिय सीखने की क्षमता को बढ़ावा देना।"

5. **The National Health Mission (NHM) / राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM)**

- The National Health Mission was launched in 2013. / राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन 2013 में आरम्भ किया गया था।
- The NHM envisages achievement of universal access to equitable, affordable and quality health care services that are accountable and responsive to people's needs. / एनएचएम समतामूलक, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच की उपलब्धि की परिकल्पना करता है जो लोगों की जरूरतों के प्रति जवाबदेह और उत्तरदायी हो।

6. **India Newborn Action Plan (INAP), 2014 / भारत शिशु नवजात कार्य योजना (INAP), 2014**

- The India Newborn Action Plan (INAP) was launched in 2014 to reduce preventable newborn deaths and stillbirths in the country with strategic interventions. It defines six pillars of interventions: / रणनीतिक हस्तक्षेप के साथ देश में रोकथाम योग्य नवजात मृत्यु और मृत जन्म को कम करने के लिए 2014 में भारत नवजात कार्य योजना (INAP) शुरू की गई थी। यह हस्तक्षेप के छह स्तंभों को परिभाषित करता है:
  - Pre-conception and antenatal care / पूर्व गर्भधारण और प्रसवपूर्व देखभाल
  - Care during labour and childbirth / प्रसव और प्रसव के दौरान देखभाल
  - Immediate newborn care / तत्काल नवजात देखभाल
  - Care of healthy newborn / स्वस्थ नवजात शिशु की देखभाल
  - Care of small and sick newborn / छोटे और बीमार नवजात शिशु की देखभाल
  - Care beyond newborn survival / उत्तरजीविता से परे नवजात शिशु की देखभाल

7. **National Plan of Action for Children (NPAC), 2016 / बच्चों के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (NPAC), 2016**

- The National Plan of Action for Children 2016 succeeds the Plan of Action adopted in 2005. NPAC, 2016 focuses to reach and serve the 'Last Child First'. / बच्चों के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना 2016, वर्ष 2005 में अपनाई गई कार्य योजना का स्थान लेती है। NPAC, 2016 'अंतिम बच्चे को पहले' तक पहुँचने और उसकी सेवा करने पर केंद्रित है।
- It commits to give first rank to children who are most vulnerable due to gender, socio-cultural and economic or geographic exclusion, including other vulnerable children such as street children, children of migrant workers, sex workers and those suffering from HIV/AIDS or other diseases. / यह उन बच्चों को प्रथम स्थान देने के लिए प्रतिबद्ध है जो लिंग, सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक या भौगोलिक बहिष्कार के कारण सबसे अधिक असुरक्षित हैं, जिनमें अन्य असुरक्षित बच्चे जैसे सड़क पर रहने वाले बच्चे, प्रवासी कामगारों के बच्चे, यौनकर्मी और एचआईवी/एड्स या अन्य रोग से पीड़ित लोग शामिल हैं।

8. National Health Policy (NHP), 2017 / राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (NHP), 2017

NATIONAL HEALTH POLICY 2017

- The National Health Policy (NHP) was formulated in 1983 and 2002. The latest NHP was launched in 2017. The main aim of this policy is to shape health systems in this area such as investments in health, organization of healthcare services, prevention of diseases and promotion of good health. / राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (NHP) 1983 और 2002 में तैयार की गई थी। नवीनतम NHP 2017 में लॉन्च की गई थी। इस नीति का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में स्वास्थ्य प्रणालियों को आकार देना है जैसे स्वास्थ्य में निवेश, स्वास्थ्य सेवाओं का संगठन, बीमारियों की रोकथाम और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।
- The policy aims the attainment of the highest possible level of health and wellbeing for all at all ages and universal access to good quality health care services. / इस नीति का लक्ष्य सभी उम्र के लोगों के लिए स्वास्थ्य और कल्याण के उच्चतम संभावित स्तर की प्राप्ति और अच्छी गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच है।

9. National Nutrition Mission (POSHAN Abhiyan), 2018 / राष्ट्रीय पोषण मिशन (पोषण अभियान), 2018

POSHAN Abhiyaan

- POSHAN Abhiyan was launched in Jhunjhunu, Rajasthan in March 2018 with a vision to ensure India is free of malnutrition by 2022. It aims: / पोषण अभियान मार्च 2018 में झुंझुनू, राजस्थान में शुरू किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत 2022 तक कुपोषण से मुक्त हो जाए। इसका उद्देश्य है:
- To reduce the level of under-nutrition and other related problems by ensuring convergence of various nutrition related schemes. / विभिन्न पोषण संबंधी योजनाओं का अभिसरण सुनिश्चित करके अल्प-पोषण और अन्य संबंधित समस्याओं के स्तर को कम करना।
- Prevent stunting, under-nutrition, anaemia (among young children, women and adolescent girls) and low birth rate. / अल्प विकास, अल्पपोषण, एनीमिया (छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोर लड़कियों में) और निम्न जन्म दर को रोकें।

ECCE Programmes and Scheme / ECCE के कार्यक्रम और योजना

1. Integrated Child Development Services (ICDS) Scheme, 1975 / एकीकृत बाल विकास सेवा योजना, (ICDS) 1975

Integrated Child Development Services

- It is a unique programme and one of the world's largest for early childhood care and development. It encompasses all children in the age group of 0-6 years. / यह एक अनूठा कार्यक्रम है और बाल्यावस्था की देखभाल और विकास के लिए दुनिया के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक है। इसमें 0-6 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बच्चे शामिल हैं।
- It also caters to the needs of pregnant women and lactating mothers. The scheme covers six services, namely: / यह गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की जरूरतों को भी पूरा करता है। इस योजना में छह सेवाएँ शामिल हैं, अर्थात्:

(i) Supplementary nutrition / पूरक पोषण
(ii) Pre-school non-formal education / पूर्व प्राथमिक विद्यालयी अनौपचारिक शिक्षा

(iii) Nutrition and health education / पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा
(iv) Immunization / टीकाकरण
(v) Health check-up / स्वास्थ्य जांच
(vi) Referral services / निर्देशपरक सेवाएँ

2. **Mid Day Meal Scheme (MDMS), 1995 / मध्याह्न भोजन योजना (MDMS), 1995**

- It aims at enhancing enrolment, retention and attendance and simultaneously improving nutritional levels among children. In October 2007, the Scheme was extended to cover children of upper primary classes i.e. class VI to VIII as well. / इसका उद्देश्य नामांकन, प्रतिधारण और उपस्थिति को बढ़ाना और साथ ही बच्चों के बीच पोषण स्तर में सुधार करना है। अक्टूबर 2007 में, इस योजना को उच्च प्राथमिक कक्षाओं यानी छठी से आठवीं कक्षा के बच्चों तक भी शामिल करने के लिए बढ़ा दिया गया था।

3. **Janani SurakshaYojana (JSY) / जननी सुरक्षा योजना (JSY)**

- Janani SurakshaYojana (JSY) was launched on 12 April 2005. It is a safe motherhood intervention under the National Health Mission. It aims to reduce maternal and neonatal mortality by promoting institutional delivery among poor pregnant women. / जननी सुरक्षा योजना (JSY) 12 अप्रैल 2005 को शुरू की गई थी। यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एक सुरक्षित मातृत्व हस्तक्षेप है। इसका उद्देश्य निर्धन गर्भवती महिलाओं के बीच संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करना है।

4. **Janani Shishu Suraksha Karyakram (JSSK) / जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम ((JSSK)**

- The Government of India launched Janani Shishu Suraksha Karyakram in 2011to provide completely free and cashless services to pregnant women and sick newborns in government health institutions in both rural and urban areas. / भारत सरकार ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं और बीमार नवजात शिशुओं को पूरी तरह से मुफ्त और कैशलेस सेवाएं प्रदान करने के लिए 2011 में जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम शुरू किया।

5. **Rashtriya Bal Swasthya Karyakram (RBSK) / राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK)**

- The Government of India launched the Rashtriya Bal Swasthya Karyakram (RBSK), an innovative initiative under the National Health Mission. / भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एक अभिनव पहल, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) शुरू की।

- It envisages Child Health Screening and Early Intervention Services, which is a systemic approach of early identification and link to care, support and treatment. / इसमें बाल स्वास्थ्य जांच और प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवाओं की परिकल्पना की गई है, जो प्रारंभिक पहचान और देखभाल, सहायता और उपचार से जुड़ने का एक प्रणालीगत दृष्टिकोण है।
- It includes early detection and management of a set of 30 health conditions prevalent in children less than 18 years of age. These conditions are broadly: Defects at birth, Diseases in

children, Deficiency conditions and Developmental delays including Disabilities or the 4Ds. / इसमें 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में प्रचलित 30 स्वास्थ्य स्थितियों का शीघ्र पता लगाना और प्रबंधन शामिल है। ये स्थितियां मोटे तौर पर हैं: जन्म के समय दोष, बच्चों में रोग, कमी की स्थिति और दिव्यांगता या 4डी सहित विकासात्मक देरी।

6. Rajiv Gandhi National Creche Scheme for the Children of Working Mothers / कामकाजी माताओं के बच्चों के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशुगृह योजना

- Rajeev Gandhi National Creche Scheme for the Children of Working Mothers was launched by the Government of India to help establish crechesand provide quality daycare facilities for children of working mothers among all socio economic groups in both in the organized and unorganised sectors. It offers care and education services for children below six years of age. / कामकाजी माताओं के बच्चों के लिए राजीव गांधी राष्ट्रीय शिशुगृह योजना भारत सरकार द्वारा संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों में सभी सामाजिक आर्थिक समूहों के बीच कामकाजी माताओं के बच्चों के लिए शिशुगृह स्थापित करने और गुणवत्तापूर्ण डेकेयर सुविधाएं प्रदान करने में मदद करने के लिए शुरू की गई थी। यह छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए देखभाल और शिक्षा सेवाएं प्रदान करता है।

Curriculum Frameworks / पाठ्यचर्या की रूपरेखा

1. National Curriculum Framework (NCF), 2005 / राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF), 2005

- National Curriculum Framework (NCF) which provides the framework for curriculum development and teaching practices for school education programmes in India. / पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCF) जो भारत में स्कूली शिक्षा कार्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम विकास और शिक्षण प्रथाओं के लिए रूपरेखा प्रदान करती है।
- In the context of ECCE, the framework advocates that young children be provided care, opportunities and experiences for their holistic development including physical, cognitive, social and emotional. / ECCE के संदर्भ में, रूपरेखा इस बात की समर्थ करती है कि छोटे बच्चों को शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और भावनात्मक सहित उनके समग्र विकास के लिए देखभाल, अवसर और अनुभव प्रदान किया जाना चाहिए।

2. National Early Childhood Care and Education Curriculum Framework (ECCE), 2013 / राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पाठ्यक्रम रूपरेखा (ECCE), 2013

- National Early Childhood Care and Education Curriculum Framework 2013 is a significant and comprehensive guiding document. / राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा पाठ्यचर्या रूपरेखा 2013 एक महत्वपूर्ण और व्यापक मार्गदर्शक दस्तावेज है।
- It aims to promote quality and excellence in early childhood care and education throughout the country. / इसका उद्देश्य पूरे देश में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है।
- It intends to provide rich early stimulation and quality learning experiences to all children from birth to pre-primary years. / इसका उद्देश्य जन्म से लेकर पूर्व-प्राथमिक वर्षों तक सभी बच्चों को समृद्ध प्रारंभिक उत्तेजना और गुणवत्तापूर्ण सीखने का अनुभव प्रदान करना है।

Factors Influencing Children's Health
बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक

1. **Hygiene (Personal and Environmental) / स्वच्छता (व्यक्तिगत एवं पर्यावरण)**
   - Hygiene is the practice of keeping oneself and the surroundings clean to prevent illness or spread of disease. / स्वच्छता बीमारी या रोग के प्रसार को रोकने के लिए स्वयं को और आसपास के वातावरण को साफ रखने का अभ्यास है।
     - **Personal hygiene** includes washing hands after using the toilet, brushing teeth twice daily, bathing, washing hair, wearing clean clothes, cutting nails, covering the mouth while coughing, covering the nose while sneezing etc. / **व्यक्तिगत स्वच्छता** में शौचालय का उपयोग करने के बाद हाथ धोना, दिन में दो बार दाँत साफ करना, स्नान करना, बाल धोना, साफ कपड़े पहनना, नाखून काटना, खांसते समय मुंह ढंकना, छींकते समय नाक ढंकना आदि शामिल हैं।
     - **Environmental hygiene**, we must ensure there is no stagnant water and drinking water is covered at home, in school or in the work place. / **पर्यावरणीय स्वच्छता** के लिए हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पानी जमा न हो और घर, स्कूल या कार्यस्थल पर पीने का पानी ढककर रखा जाए।

2. **Sanitation Practices / स्वच्छता सम्बन्धी मान्यताएं**
   - Sanitation refers to public health conditions related to water and adequate treatment and disposal of excreta and sewage. Sanitation systems aim to protect human health by providing a clean environment that will stop the transmission of disease. / स्वच्छता का तात्पर्य पानी से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थितियों और मल-मूत्र के पर्याप्त उपचार और निपटान से है। स्वच्छता प्रणालियों का उद्देश्य एक स्वच्छ वातावरण प्रदान करके मानव स्वास्थ्य की रक्षा करना है जो बीमारी के संचरण को रोक देगा।

3. **Nutrition / पोषण**
   - Food is needed to perform daily routine body functions, for its growth, fighting diseases, healing and maintenance. In case, there is nutritional deficiency for longer periods of time, it may affect the health and growth of the child. / शरीर के दैनिक कार्यों को करने, उसके विकास, बीमारियों से लड़ने, उपचार और रखरखाव के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। यदि लंबे समय तक पोषण की कमी रहती है, तो यह बच्चे के स्वास्थ्य और विकास को प्रभावित कर सकता है।

4. **Immunization / प्रतिरक्षण**
   - Immunization, also popularly called vaccination, helps to protect us from getting any infectious disease. It helps us in controlling and eliminating infections. / प्रतिरक्षण, जिसे लोकप्रिय रूप से टीकाकरण भी कहा जाता है, हमें किसी भी संक्रामक बीमारी से बचाने में मदद करता है। यह संक्रमण को नियंत्रित करने और ख़त्म करने में हमारी मदद करता है।

5. **Maternal Health / मातृ स्वास्थ्य**
   - Maternal health affects children's health as healthy children are born to healthy mothers. Infants are dependent on mothers for complete diet in the first six months by intake of breast milk. / मातृ स्वास्थ्य बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है क्योंकि स्वस्थ माताओं से स्वस्थ बच्चे पैदा होते हैं। शिशु पहले छह महीनों में संपूर्ण आहार के लिए मां के दूध पर निर्भर होते हैं।

CHAPTER 4

Issue and Directions in ECCE
ECCE में मुद्दे और दिशा-निर्देश

Early childhood is a significant period which sets the base for later learning and development. During this time, the experiences and opportunities provided to children influence their development, especially that of the brain. So, ensuring access to quality and equitable early care and education becomes imperative. / प्रारंभिक बाल्यावस्था ऐसी महत्वपूर्ण अवधि है जो बाद की शिक्षा और विकास के लिए आधार तैयार करती है। इस दौरान बच्चों को मिलने वाले अनुभव और अवसर उनके विकास को प्रभावित करते हैं, खासतौर पर मस्तिष्क के विकास को। इसलिए, गुणवत्तापूर्ण और समतामूलक प्रारंभिक देखभाल और शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना अनिवार्य हो जाता है।

Issues in ECCE / ECCE में मुद्दे

1. Process of Admission / प्रवेश की प्रक्रिया

- There is not much clarity and transparency on the process of admission of children in ECCE centres in terms of date of admission, age for admission and correct admission procedure. / प्रवेश की तारीख, प्रवेश की उम्र और सही प्रवेश प्रक्रिया के संदर्भ में ECCE केंद्रों में बच्चों के प्रवेश की प्रक्रिया पर बहुत स्पष्टता और पारदर्शिता नहीं है।
- This is being practiced perhaps due to the large number of applicants seeking admission in preschools. Such practices lead to rejection of children which may destroy their self-confidence and self-esteem at this tender age. / ऐसा संभवतः पूर्व प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश चाहने वाले आवेदकों की बड़ी संख्या के कारण किया जा रहा है। इस तरह की प्रथाओं से बच्चों को अस्वीकार कर दिया जाता है जो इस कच्ची उम्र में उनके आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान को नष्ट कर सकता है।

2. Infrastructure, Material and Classroom Environment / बुनियादी ढाँचा, सामग्री और कक्षा का वातावरण

- ECCE centres are lacking in age and developmentally appropriate equipment and play materials. Mostly, these are inadequate for the number of children enrolled in ECCE centres. / ECCE केंद्रों में आयु और विकास की दृष्टि से उपयुक्त उपकरण और खेल सामग्री का अभाव है। अधिकांशतः, ये ECCE केंद्रों में नामांकित बच्चों की संख्या के लिए अपर्याप्त हैं।
- The play material provided does not meet the criteria prescribed and are also not well maintained. / प्रदान की गई खेल सामग्री निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करती है और उसका रख-रखाव भी ठीक से नहीं किया जाता है।

3. Teachers / शिक्षक

- Qualified and well - trained teachers are vital for the successful implementation of an ECCE programme. Issues with the teachers pertain to their qualification, appointment, salary and training/ capacity building. / ECCE कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए योग्य और अच्छी तरह से प्रशिक्षित शिक्षक महत्वपूर्ण हैं। शिक्षकों के मुद्दे उनकी योग्यता, नियुक्ति, वेतन और प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण से संबंधित हैं।

- They may be possessing Nursery Teachers Training (NTT) or Bachelors in Education (B.Ed.). Pre-service training courses such as NTT, diploma/ certificate courses are being run by the unregulated institutions mushrooming everywhere. / उनके पास नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग (NTT) या बैचलर्स इन एजुकेशन (B.Ed.) हो सकता है। NTT, डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम जैसे सेवा-पूर्व प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हर जगह तेजी से उभर रहे अनियमित संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे हैं।

4. Teaching Learning Process / शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

- Children learn best in their mother tongue. Despite knowing this, most ECCE centres use English to teach and interact with children. Due to this, children hardly find the opportunity to interact and express themselves freely. / बच्चे अपनी मातृभाषा में ही सबसे अच्छा सीखते हैं। यह जानने के बावजूद, अधिकांश ECCE केंद्र बच्चों को पढ़ाने और उनके साथ बातचीत करने के लिए अंग्रेजी का उपयोग करते हैं। इसके कारण, बच्चों को खुलकर बातचीत करने और खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर मुश्किल से मिलता है।
- Huge, boring and age-inappropriate homework provided by the preschools that burdens children is another significant issue. Children become pressurised and this practice robs the freedom of a child at home. Sometimes, this pressure is transferred to the parents as well. / पूर्व प्राथमिक विद्यालयों द्वारा प्रदान किया जाने वाला विशाल, उबाऊ और उम्र-अनुचित होमवर्क जो बच्चों पर बोझ डालता है, एक और महत्वपूर्ण मुद्दा है। बच्चे दबावग्रस्त हो जाते हैं और यह स्थिति घर में बच्चे की आज़ादी छीन लेती है। कभी-कभी यह दबाव माता-पिता पर भी स्थानांतरित हो जाता है।

5. The Curriculum / पाठ्यक्रम

- The curriculum consists of all kinds of experiences planned to be organised for young children keeping in mind their characteristics, needs and development. / पाठ्यक्रम में छोटे बच्चों की विशेषताओं, आवश्यकताओं और विकास को ध्यान में रखते हुए उनके लिए आयोजित किए जाने वाले सभी प्रकार के अनुभवों को शामिल किया गया है।
- Presently, there is no set curriculum for ECCE. However, Ministry of Women and Child Development (MWCD) has developed a curriculum framework for ECCE which places children at the centre of teaching learning process and has suggested the play way approach for organising learning experiences of young children. / वर्तमान में, ECCE के लिए कोई निर्धारित पाठ्यक्रम नहीं है। हालाँकि, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MWCD) ने ECCE के लिए एक पाठ्यक्रम रूपरेखा विकसित किया है जो बच्चों को शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया के केंद्र में रखता है और छोटे बच्चों के सीखने के अनुभवों को व्यवस्थित करने के लिए खेल विधि आधारित उपागम का सुझाव दिया है।

6. Inclusion and Gender Equality / समावेशन और लैंगिक समानता

- Inclusion and gender equality are issues which need to be addressed at an early stage of life. An inclusive preschool environment consists of an equitable and respectable environment for all children despite the existing differences among them. / समावेशन और लैंगिक समानता ऐसे मुद्दे हैं जिन पर जीवन के प्रारंभिक चरण में ही ध्यान देने की आवश्यकता है। एक समावेशी पूर्व प्राथमिक विद्यालय वातावरण में सभी बच्चों के बीच मौजूदा मतभेदों के बावजूद उनके लिए एक समतामूलक और सम्मानजनक वातावरण होता है।

7. Administrative/ Management Issues / प्रशासनिक/प्रबंधन संबंधी मुद्दे

- Administrative/ management issues are critical to the development and sustainability of an ECCE centre. These issues encompass the following: / ECCE केंद्र के विकास और स्थिरता के लिए प्रशासनिक/प्रबंधन मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। इन मुद्दों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- Monitoring and Supervision / निगरानी और पर्यवेक्षण
- Regulatory Framework / नियामक रूपरेखा
- Convergence/Coordination / सम्मिलन/सामन्वय

Directions to Resolve Issues / मुद्दों के निराकरण हेतु दिशा-निर्देश

1. Process of Admission / प्रवेश की प्रक्रिया

- The date of admission, age of admission and process of enrolling children in a preschool differ from state to state. / प्रवेश की तारीख, प्रवेश की उम्र और पूर्व प्राथमिक विद्यालय में बच्चों के नामांकन की प्रक्रिया अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होती है।
- Children are ready to enter a preschool programme on completion of three years of age by 31 March of an academic year. / शैक्षणिक वर्ष के 31 मार्च तक तीन वर्ष की आयु पूरी करने पर बच्चे पूर्व प्राथमिक विद्यालय कार्यक्रम में प्रवेश के लिए तैयार होते हैं।

2. Infrastructure, Material and Classroom Environment / बुनियादी ढाँचा, सामग्री और कक्षाकक्ष का वातावरण

- The preschool centres must ensure safe and adequate indoor and outdoor space. A minimum of 300/450 sq. meters of outdoor space and 35 sq meters indoor space should be provided for a group of 25 children. / पूर्व प्राथमिक विद्यालय केंद्रों को सुरक्षित और पर्याप्त आंतरिक और बाह्य स्थान सुनिश्चित करना चाहिए। 25 बच्चों के समूह के लिए न्यूनतम 300/450 वर्ग मीटर का बाहरी स्थान और 35 वर्ग मीटर का आंतरिक स्थान उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
- The space must be equipped with adequate number of age and developmentally appropriate teaching learning material. / स्थान पर्याप्त संख्या में आयु और विकास की दृष्टि से उपयुक्त शिक्षण अधिगम सामग्री से सुसज्जित होना चाहिए।

3. Teachers, Qualification, Capacity Building and Salary / शिक्षक, योग्यता, क्षमता निर्माण और वेतन

- A teacher who has passed class XII and has a two year diploma in preschool education recognized by the National Council for Teacher Education (NCTE) must be appointed as a preschool teacher. / एक शिक्षक जिसने बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की है और उसके पास राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त पूर्व प्राथमिक विद्यालय शिक्षा में दो साल का डिप्लोमा है, उसे पूर्व प्राथमिक विद्यालय शिक्षक के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिए।
- All State Council of Educational Research and Training (SCERTs) and District Institute of Education and Training (DIETs) must start pre-service and in-service teacher training programmes in all the states/ UTs. / सभी राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (SCERTs) और जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (DIETs) को सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में सेवा-पूर्व और सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना चाहिए।

4. Teaching Learning Process / शिक्षण अधिगम प्रक्रिया

- **Creating learning environment / अधिगम वातावरण का सृजन**

  A conducive classroom environment catering to the needs and interest of young children is an important factor leading to their engagement in the ECCE programmes and activities. / छोटे बच्चों की जरूरतों और रुचि को पूरा करने वाला एक अनुकूल कक्षा वातावरण ECCE कार्यक्रमों और गतिविधियों में उनकी भागीदारी के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है।

- **Method of teaching and instruction / शिक्षण एवं अनुदशन हतु**

  All the teaching learning process should be child -centred. The preschools must avoid formal system of teaching learning and thus should discourage rote memorisation. / समस्त शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया बाल-केन्द्रित होनी चाहिए। पूर्व प्राथमिक विद्यालयों को शिक्षण अधिगम की औपचारिक प्रणाली से बचना चाहिए और इस प्रकार रटकर याद करने को हतोत्साहित करना चाहिए।

- **Language of instruction / अनुदेशन की भाषा**

  Language of instruction in an ECCE centre must be the mother tongue. / ECCE केंद्र में शिक्षा की भाषा मातृभाषा होनी चाहिए।

- **Homework / गृहकार्य**

  Any kind of homework, especially written work, must be discouraged at the preschool level and at the early primary stage (classes I and II). / किसी भी प्रकार का होमवर्क, विशेष रूप से लिखित कार्य, को पूर्व प्राथमिक विद्यालय स्तर पर और प्रारंभिक प्राथमिक चरण (कक्षा I और II) में हतोत्साहित किया जाना चाहिए।

- **Assessment / आकलन**

  Children's progress should be assessed in a non-threatening manner on a regular and comprehensive basis through daily observation, play activities, interactions and anecdotes. / बच्चों की प्रगति का मूल्यांकन दैनिक अवलोकन, खेल गतिविधियों, बातचीत और उपाख्यानों के माध्यम से नियमित और व्यापक आधार पर गैर-धमकी भरे तरीके से किया जाना चाहिए।

5. Curriculum / पाठ्यक्रम

- Curriculum must be play- based, ensure continuous learning, provide opportunities for interaction, ensure involvement of children and promote use of indigenous material; and offer pedagogy covering all domains of development. / पाठ्यक्रम खेल-आधारित होना चाहिए, निरंतर सीखना सुनिश्चित करना चाहिए, बातचीत के अवसर प्रदान करना चाहिए, बच्चों की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए और स्वदेशी सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए; और विकास के सभी क्षेत्रों को समाहित करने वाली शिक्षाशास्त्र की पेशकश करता है।

6. Inclusion and Gender Equality / समावेशन और लैंगिक समानता

- Diversity in the classroom must be respected to promote equality. Efforts should be made to facilitate education of children with special needs. The preschool environment should be made accessible in terms of infrastructure and provision of required teaching learning material. / समानता को बढ़ावा देने के लिए कक्षा में विविधता का सम्मान किया जाना चाहिए। विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा को सुविधाजनक बनाने के प्रयास किये जाने चाहिए। पूर्व प्राथमिक विद्यालय वातावरण को बुनियादी रूपरेखा और आवश्यक शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रावधान के संदर्भ में सुलभ बनाया जाना चाहिए।

7. Administrative/ Management / प्रशासनिक/प्रबंधन

- Monitoring and supervision must focus on finding out the issues concerning ECCE and devising solutions to the identified problems. / निगरानी और पर्यवेक्षण को ECCE से संबंधित मुद्दों का पता लगाने और पहचानी गई समस्याओं के समाधान तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- A standard regulatory mechanism for institutions offering ECCE programmes and teacher training is vital. / यह मानकों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक समर्पित एजेंसी के गठन और मानकों को मापने के लिए मूल्यांकन उपकरण विकसित करके किया जा सकता है।

CHAPTER

5

Planning of ECCE Curriculum
ECCE पाठ्यक्रम की योजना

Planning is the backbone for a high quality ECCE programme. / उच्च गुणवत्ता वाले ECCE कार्यक्रम के लिए योजना मुख्य आधार है।

Planning for young children means, thinking ahead. The curriculum needs to be flexible and at many times, spontaneous. However, to reach ECCE goals and objectives, children need to be amidst enriched age- and developmentally appropriate experiences and activities that flow in a loosely organized manner. / छोटे बच्चों के लिए योजना बनाने का मतलब है, आगे की सोचना। पाठ्यक्रम को लचीला और कई बार सहज होना चाहिए। हालाँकि, ECCE लक्ष्यों और उद्देश्यों तक पहुँचने के लिए, बच्चों को समृद्ध उम्र और विकास की दृष्टि से उपयुक्त अनुभवों और गतिविधियों के बीच रहने की आवश्यकता है जो शिथिल रूप से व्यवस्थित तरीके से प्रवाहित होती हैं।

A high quality ECCE programme or curriculum provides a balanced daily schedule through different activities and experiences based on domains i.e. physical-motor, cognitive, language, socio-emotional and art and aesthetic appreciation. / एक उच्च गुणवत्ता वाला ECCE कार्यक्रम या पाठ्यक्रम शारीरिक-गत्यात्मक, संज्ञानात्मक, भाषा, सामाजिक-भावनात्मक और कला और सौंदर्य संबंधी प्रशंसा जैसे क्षेत्रों पर आधारित विभिन्न गतिविधियों और अनुभवों के माध्यम से एक संतुलित दैनिक कार्यक्रम प्रदान करता है।

Therefore, planning according to age, needs, interests and development has to provide for the different needs of children. / इसलिए, आयु, आवश्यकताओं, रुचियों और विकास के अनुसार योजना बनाकर बच्चों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करना होगा।

Need and Importance of Contextualisation of ECCE Curriculum / ECCE पाठ्यक्रम के संदर्भीकरण की आवश्यकता और महत्व

- While planning a programme for young children, it must be borne in mind that apart from being age and developmentally appropriate, the programme must relate to the context of children's social and cultural lives. / छोटे बच्चों के लिए कार्यक्रम की योजना बनाते समय, यह ध्यान में रखना चाहिए कि कार्यक्रम उम्र और विकास की दृष्टि से उपयुक्त होने के अलावा, बच्चों के सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के संदर्भ से संबंधित होना चाहिए।
- Local language and simple language appeal to children. / स्थानीय भाषा और सरल भाषा बच्चों को आकर्षित करती है।
- Concepts need to relate to real-life concrete experiences and then gradually move to abstract. / अवधारणाओं को वास्तविक जीवन के मूर्त अनुभवों से संबंधित होना चाहिए और फिर धीरे-धीरे अमूर्त की ओर बढ़ना चाहिए।
- Using multiple methods make ECCE programmes and theme teaching more interesting and contextualized. / कई तरीकों का उपयोग ECCE कार्यक्रमों और थीम शिक्षण को अधिक रोचक और प्रासंगिक बनाता है।

- Address children's social realities and not expect responses to curricular content to emerge only in a specific direction. / बच्चों की सामाजिक वास्तविकताओं पर ध्यान देना चाहिए और पाठ्यचर्या सामग्री पर केवल एक विशिष्ट दिशा में प्रतिक्रिया की उम्मीद न करें।

Principles of Quality ECCE Planning / गुणवत्तापूर्ण ECCE योजना के सिद्धांत

According to the developmental characteristics, all children are naturally motivated to learn and are capable of learning. Young children learn when they have opportunity to: / विकासात्मक विशेषताओं के अनुसार, सभी बच्चे स्वाभाविक रूप से सीखने के लिए प्रेरित होते हैं और सीखने में सक्षम होते हैं। छोटे बच्चे तब सीखते हैं जब उन्हें अवसर मिलता है:

- Play / खेल
- Observe and express / अवलोकन एवं अभिव्यक्ति
- Form familiar and new experiences / परिचित और नए अनुभव
- Participate, engage and communicate / सहभागिता, संलग्नता और सम्प्रेषन
- Experiment and explore / प्रयोग और अन्वेषण
- Ask questions / प्रश्न पूछना
- Imitate, enact and perform / अनुकरण, अभिनय और प्रदर्शन
- Feel physically and emotionally safe / शारीरिक और भावनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस करना

Keeping in view the objectives of ECCE and developmental characteristics of pre-school children,the **MWCD, in its Curriculum Framework(2013)** has talked about the following Principles of Programme Planning: / ECCE के उद्देश्यों और पूर्व प्राथमिक विद्यालय बच्चों की विकास संबंधी विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए, **MWCD** ने **अपने पाठ्यक्रम रूपरेखा (2013)** में कार्यक्रम योजना के निम्नलिखित सिद्धांतों के बारे में बात की है:

- The activities should be age appropriate and developmentally appropriate. / गतिविधियां उम्र के अनुरूप और विकास की दृष्टि से उपयुक्त होनी चाहिए।
- Activities fostering all domains of development should be appropriately planned. / विकास के सभी क्षेत्रों को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों की उचित योजना बनाई जानी चाहिए।
- The attention span of young children is 15-20 minutes. / छोटे बच्चों की ध्यान अवधि 15-20 मिनट होती है।
- There should be a balance between structured and unstructured; active and quiet; outdoor and indoor. / संरचित और असंरचित के बीच संतुलन होना चाहिए; सक्रिय और शांत; बाह्य और आंतरिक।
- The learning experiences and activities should progress from simple to complex. / सीखने के अनुभवों और गतिविधियों को सरल से जटिल की ओर बढ़ना चाहिए।
- A wide range of individual and group experiences should be planned. / व्यक्तिगत और समूह अनुभवों की एक विस्तृत श्रृंखला की योजना बनाई जानी चाहिए।
- Routine fosters a sense of security in children. / दिनचर्या बच्चों में सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देती है।
- The ECCE programme should never be rigid. It needs to be flexible. / ECCE कार्यक्रम कभी भी कठोर नहीं होना चाहिए। इसे लचीला बनाने की जरूरत है।
- The duration of pre-school programmes should be three to four hours. / पूर्व प्राथमिक विद्यालय कार्यक्रमों की अवधि तीन से चार घंटे होनी चाहिए।
- The programme should provide for some rest period. / कार्यक्रम को कुछ विश्राम अवधि प्रदान करनी चाहिए।

Planning and Designing an ECCE Programme
ECCE कार्यक्रम की योजना बनाना एवं रूपरेखा

Planning is usually organized over three different time scales, which are linked and follow on from each other. They are:- / योजना मुख्यतः तीन अलग-अलग समय के पैमाने पर आयोजित की जाती है, जो एक-दूसरे से जुड़े होते हैं और अनुसरण करती हैं। वे हैं:-

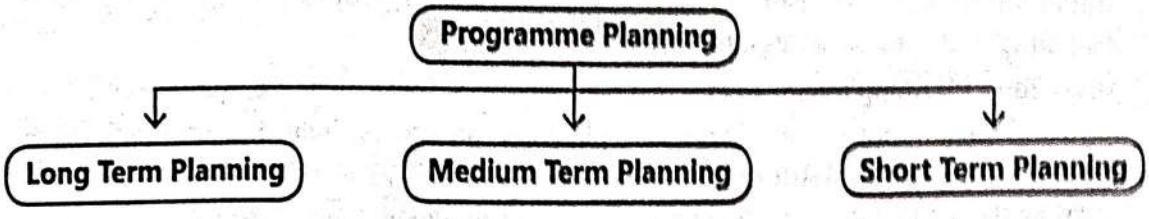

Broadly, there are two types of planning viz. Long Term Planning and Short Term Planning. Medium Term Planning is a part of Long Term Planning. / विस्तृत रूप में, योजना दो प्रकार की होती है: दीर्घावधि योजना और अल्पकालिक योजना। मध्यम अवधि की योजना दीर्घावधि योजना का एक हिस्सा है।

1. **Long Term Planning** means drawing up a plan for the whole year. At the beginning of each academic year, it is decided as to what to teach and how to teach for the next twelve months. This planning includes: / **दीर्घावधि योजना** का अर्थ है पूरे वर्ष के लिए एक योजना बनाना। प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में यह तय किया जाता है कि अगले बारह महीनों तक क्या पढ़ाना है और कैसे पढ़ाना है। इस योजना में शामिल हैं:
   - Learning experiences and curriculum i.e. what children need to achieve during the preschool years. / सीखने के अनुभव और पाठ्यक्रम अर्थात पूर्व प्राथमिक विद्यालय वर्षों के दौरान बच्चों को क्या हासिल करने की आवश्यकता है।
   - Identification of skills and concepts. / कौशल और संप्रत्ययों की पहचान।
   - Teaching strategies to be used. / उपयोग की जाने वाली शिक्षण प्रणाली।
   - Selection of themes for the whole year. / पूरे वर्ष के लिए थीम का चयन।
   - Development of schedules/calendar of activities on selected themes. / चयनित विषयों पर गतिविधियों के समय सारणी/कैलेंडर का विकास।
   - Play equipment and Teaching Learning Material (TLM) to be resourced. / खेल उपकरण और शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) का संसाधन किया जाएगा।
   - Strategies to note progress in the learning. / सीखने में प्रगति को नोट करने की रणनीतियाँ।
   - Budgeting and allocation of funds for various expenditures, events, activities, repairs and maintenance. / विभिन्न व्ययों, आयोजनों, गतिविधियों, मरम्मत और रखरखाव के लिए बजट और राशि निर्धारित करना।
2. **Medium Term Planning** means monthly and term planning. After long term planning, monthly planning to decide themes and concepts need to be identified. Themes and concepts using child oriented methods and strategies benefit children. / **मध्यावधि योजना** का मतलब एवं सत्र अवधि की योजना से है। दीर्घावधि योजना के बाद, विषयों और अवधारणाओं को तय करने के लिए मासिक योजना की पहचान करने की आवश्यकता है। बाल उन्मुख तरीकों और रणनीतियों का उपयोग करने वाले विषयों और अवधारणाओं से बच्चों को लाभ होता है।

Monthly planning also assists in reflecting on how children engage and respond with space to modify strategies and improve the quality of the programme. Monthly planning contributes to mid-term planning with the aim of noting the progress made by the children. Term-wise planning is based on identifying themes and concepts that promote children's exploration and development in different domains. / **मासिक योजना** यह प्रतिबिंबित करने में भी सहायता करती है कि बच्चे रणनीतियों को संशोधित करने और कार्यक्रम की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए किस प्रकार संलग्न होते हैं और प्रतिक्रिया देते हैं। मासिक नियोजन बच्चों द्वारा की गई प्रगति को नोट करने के उद्देश्य से मध्यावधि नियोजन में योगदान देता है। अवधि-वार योजना उन विषयों और अवधारणाओं की पहचान पर आधारित है जो विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों की खोज और विकास को बढ़ावा देते हैं।

3. **Short Term Planning** means weekly and daily planning. These plans are more specific than long term and medium term plans. Short term planning can address individual children's needs and interests. / **लघु अवधि योजना** का अर्थ है साप्ताहिक एवं दैनिक नियोजन। ये योजनाएँ दीर्घावधि और मध्यम अवधि की योजनाओं की तुलना में अधिक विशिष्ट हैं। अल्पकालिक योजना व्यक्तिगत बच्चों की जरूरतों और रुचियों को संबोधित कर सकती है।

   In preparing short term plans, points to be decided are: / अल्पावधि योजनाएँ तैयार करते समय निम्नलिखित बिन्दओं पर निर्णय लिया जाना चाहिए:

   - What resources are needed ? / किन संसाधनों की आवश्यकता है ?
   - How to change and adapt the play environment ?/ खेल के माहौल को कैसे बदलें और अनुकूलित करें?
   - What time in the day particular activities will take place ?/ दिन में किस समय विशेष गतिविधियाँ होंगी?
   - Who will be there and what her/his role might be ?/ वहां कौन होगा और उसकी भूमिका क्या हो सकती है?
   - How the learning will be assessed ?/ सीखने का मूल्यांकन कैसे किया जाएगा?

   Weekly Planning: It is a part of short term planning. As themes involve planning for over a week or over a longer period, it may be better to identify sub-themes for different days of the week and then decide on the activities as per the daily programme /schedule to explore different aspects of the theme. / **साप्ताहिक योजना:** यह लघु अवधि का एक भाग है। चूंकि विषयों में एक सप्ताह से अधिक या लंबी अवधि के लिए योजना शामिल होती है, इसलिए सप्ताह के विभिन्न दिनों के लिए उप-विषयों की पहचान करना और फिर विषय के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने के लिए दैनिक कार्यक्रम/शेड्यूल के अनुसार गतिविधियों पर निर्णय लेना बेहतर हो सकता है।

   Daily Plan/Schedule: This is often drawn up by the teacher to provide a systematic guide to activities during the day. / **दैनिक योजना/अनुसूची:** इसे अक्सर शिक्षक द्वारा दिन के दौरान गतिविधियों के लिए एक व्यवस्थित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए तैयार किया जाता है।

OOOOO

CHAPTER 6

Theme Based ECCE Programme
थीम आधारित ECCE कार्यक्रम

Theme Based Planning / थीम आधारित योजना

Integrated themes and projects form the core content of the ECCE programme or curriculum. These themes should be developed in a suitable manner so that it enables children to make meaningful connections among the different concepts and develop holistic understanding of the world around them. / एकीकृत विषय और परियोजनाएं ECCE कार्यक्रम या पाठ्यक्रम की मुख्य सामग्री बनाती हैं। इन विषयों को उपयुक्त तरीके से विकसित किया जाना चाहिए ताकि यह बच्चों को विभिन्न अवधारणाओं के बीच सार्थक संबंध बनाने और उनके आसपास की दुनिया की समग्र समझ विकसित करने में सक्षम बनाए।

The preschool curriculum should be flexible and responsive to the needs of the children. It is to be ensured that the theme based ECCE programme is constructed to suit the diverse social, cultural and linguistic contexts in the country. / पूर्व प्राथमिक विद्यालय पाठ्यक्रम लचीला और बच्चों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि थीम आधारित ECCE कार्यक्रम देश में विविध सामाजिक, सांस्कृतिक और भाषाई संदर्भों के अनुरूप बनाया जाए।

Steps in Theme Based Planning / थीम आधारित योजना के चरण

(a) Identify a Theme / थीम की पहचान करें

The first step is to identify a theme and related sub-themes. / पहला कदम किसी विषय और संबंधित उप-विषयों की पहचान करना है।

(b) Think and create activities, ideas and experiences for different themes / विभिन्न विषयों के लिए गतिविधियां, विचार और अनुभव सोचें और बनाएं

The second step involves brainstorming ideas for activities for each theme. It is often helpful to include children's ideas. Watching children during free play in school or in parks often provides ideas that will naturally appeal to children. / दूसरे चरण में प्रत्येक विषय के लिए गतिविधियों के लिए विचारों पर विचार-मंथन शामिल है। बच्चों के विचारों को शामिल करना अक्सर सहायक होता है। स्कूल या पार्कों में बच्चों को मुफ्त खेलते हुए देखने से अक्सर ऐसे विचार मिलते हैं जो स्वाभाविक रूप से बच्चों को पसंद आएंगे।

(c) Planning a Theme Web / थीम वेब की योजना बनाना

This web takes a thematic approach but still focuses on areas. The chosen theme is 'Animals'. The teacher has to decide what s/he wants to include in the activity areas to allow the theme to be explored further. The activity areas need to have specific activities and learning material related to the theme. The purpose of webbing is to brainstorm ideas for the theme. / यह वेब विषयगत दृष्टिकोण अपनाता है लेकिन फिर भी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है। चुनी गई थीम 'जानवर' है। शिक्षक को यह तय करना होगा कि वह गतिविधि क्षेत्रों में क्या शामिल करना चाहता है ताकि विषय को और अधिक खोजा जा सके। गतिविधि क्षेत्रों में विषय से संबंधित विशिष्ट गतिविधियाँ और शिक्षण सामग्री की आवश्यकता होती है। वेबबिंग का उद्देश्य विषय के लिए विचारों पर विचार-मंथन करना है।

Activities for children in the three to four year age group / तीन से चार वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए गतिविधियाँ

- **Free conversation:** From free conversation teacher may proceed towards structured conversation related to water which will help children pick up more information about the uses of water and develop their vocabulary related to water. / **स्वतंत्र वार्तालाप:** स्वतंत्र वार्तालाप से शिक्षक पानी से संबंधित संरचित वार्तालाप की ओर आगे बढ़ सकते हैं जिससे बच्चों को पानी के उपयोग के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने और पानी से संबंधित उनकी शब्दावली विकसित करने में मदद मिलेगी।
- **Songs and rhyme:** Singing songs and rhymes related to the use of water promoting language development, conducting music and movement and creative and aesthetic development activities. / **गीत और कविताएँ:** पानी के उपयोग से संबंधित गीत और तुकबंदी गाना, भाषा विकास को बढ़ावा देना, संगीत और आंदोलन और रचनात्मक और सौंदर्य विकास गतिविधियों का संचालन करना।
- **Outdoor activity:** Showing children a gardener watering plants, centre assistants mopping floor, water in the washroom being used by everyone for washing hands, water being used in the school kitchen, making tea using water, etc. / **बाह्य गतिविधि**: बच्चों को माली द्वारा पौधों को पानी देते हुए, केंद्र सहायकों को फर्श पर पोंछा लगाते हुए, शौचालय में हर किसी द्वारा हाथ धोने के लिए पानी का उपयोग करते हुए, स्कूल की रसोई में पानी का उपयोग करते हुए, पानी का उपयोग करके चाय बनाते हुए, आदि दिखाना।
- **Water play:** Letting children play with a small tub of water freely with containers of different shapes and sizes, some with holes, so that the water drips from them. / **पानी के खेल:** बच्चों को पानी के एक छोटे टब के साथ स्वतंत्र रूप से खेलने देना, जिसमें अलग-अलग आकार और आकार के कंटेनर हों, कुछ में छेद हों, ताकि उनमें से पानी टपकता रहे।
- **Field trip:** Taking children out to observe a pond or lake, if it is nearby. Rhymes and songs related to water for developing vocabulary. / **क्षेत्रीय भ्रमण:** बच्चों को तालाब या झील का निरीक्षण करने के लिए बाहर ले जाना, यदि वह पास में है। शब्दावली विकसित करने के लिए पानी से संबंधित कविताएँ और गीत।

Activities for children in the four to six year age group / चार से छह वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए गतिविधियाँ

- **Guided conversation:** Guided conversation related to water. Using audio-video material, picture books with pictures of common uses of water can be used. / **निर्देशित बातचीत:** जल से संबंधित निर्देशित बातचीत। ऑडियो-वीडियो सामग्री का उपयोग करके, पानी के सामान्य उपयोग के चित्रों वाली चित्र पुस्तकों का उपयोग किया जा सकता है।
- **Role play:** Encouraging children to think about uses of water. Getting children to dramatise different uses of water, each child can act out one use and the others can guess what it is. / **भूमिका निभाना:** बच्चों को पानी के उपयोग के बारे में सोचने के लिए प्रोत्साहित करना। बच्चों को पानी के विभिन्न उपयोगों का नाटकीय रूप देने से, प्रत्येक बच्चा एक उपयोग का अभिनय कर सकता है और अन्य अनुमान लगा सकते हैं कि यह क्या है।
- **Fine motor skills:** Children can colour the pictures, do free hand drawing related to common uses of water. / **सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल:** बच्चे चित्रों में रंग भर सकते हैं, पानी के सामान्य उपयोग से संबंधित स्वतंत्र रूप से हस्त चित्र बना सकते हैं।

Identifying Developmental Variations and Interventions / विकासात्मक विविधताओं और हस्तक्षेपों की पहचान करना

Behaviour variations / व्यवहार भिन्नता	Domain / डोमेन	Nature of intervention / हस्तक्षेप की प्रकृति
Delayed milestones / विलंबित पड़ाव	Physical and motor / शारीरिक और गत्यात्मक	Nutrition, sensory stimulation, activity / पोषण, संवेदी उत्तेजना, गतिविधि
Quiet and aloof / शांत और अलग	Socio-emotional / सामाजिक-भावनात्मक	Art, drama, movement and conversation / कला, नाटक, आंदोलन और बातचीत
High level of energy / ऊर्जा का उच्च स्तर	Socio-emotional or physical / सामाजिक-भावनात्मक या शारीरिक	Sit down with slow activities such as colouring / रंग भरने जैसी धीमी गतिविधियों के साथ बैठें
Resistance to others or outdoor play / दूसरों का विरोध या बाहरी खेल	Socio-emotional or can be physical / सामाजिक-भावनात्मक या शारीरिक भी हो सकता है	Encouraging art, expression, conversations / कला, अभिव्यक्ति, बातचीत को प्रोत्साहित करना

OOOOO

CHAPTER 7

Needs and Rights of Children
बच्चों की आवश्यकताएँ एवं अधिकार

Needs and 'rights' are mutually interdependent. 'Right' is a recognition of children's entitlement to have their 'needs' fulfilled. This, in turn, places specific obligations on adults at all levels of society to take the necessary action to ensure that those rights are implemented for every child. / आवश्यकताएँ और 'अधिकार' परस्पर अन्योन्याश्रित हैं। 'अधिकार' बच्चों के उनकी 'ज़रूरतों' को पूरा करने के अधिकार की मान्यता है। यह, बदले में, समाज के सभी स्तरों पर वयस्कों पर विशिष्ट दायित्व डालता है कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें कि उन अधिकारों को हर बच्चे के लिए लागू किया जाए।

Needs of Children / बच्चों की जरूरतें

1. Psychological Needs / मनोवैज्ञानिक आवश्यकताएँ

(i) **Security, safety and protection:** For this, it is essential that children grow up in an environment where they feel physically, psychologically and emotionally safe and secure. / **सुरक्षा, सलामती और संरक्षण:** इसके लिए यह जरूरी है कि बच्चे ऐसे माहौल में बड़े हों जहां वे शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस करें।

(ii) **Love and affection:** Every child needs to be loved. The need for love and affection is the foundation for developing healthy relations and establishing trust with others. Children brought up in a caring and loving environment grow up to be confident and socially well-adjusted individuals. / **प्यार और स्नेह:** प्रत्येक बच्चे को प्यार करने की जरूरत है। प्यार और स्नेह की आवश्यकता स्वस्थ संबंधों को विकसित करने और दूसरों के साथ विश्वास स्थापित करने की नींव है। देखभाल और प्यार भरे माहौल में पले-बढ़े बच्चे बड़े होकर आत्मविश्वासी और सामाजिक रूप से अच्छी तरह से समायोजित व्यक्ति बनते हैं।

(iii) **Understanding and acceptance:** Understanding and acceptance of the child by the parents and caregivers is another psychological need of children. A feeling of being valued, boosts the confidence of children. / **समझ और स्वीकृति:** माता-पिता और देखभालकर्ताओं द्वारा बच्चे को समझना और स्वीकार करना बच्चों की एक और मनोवैज्ञानिक आवश्यकता है। मूल्यवान होने की भावना बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाती है।

. Play, Early Stimulation and Learning Needs / खेल, प्रारंभिक उद्दीपन और अधिगम की आवश्यकताएँ

Children must be exposed to an enriching learning environment that provides opportunities for various age-appropriate activities and learning material. Free conservation, storytelling and rhymes contribute immensely in developing language, creativity and imagination which are essential for learning. / बच्चों को एक समृद्ध सीखने के माहौल से अवगत कराया जाना चाहिए जो विभिन्न आयु-उपयुक्त गतिविधियों और सीखने की सामग्री के अवसर प्रदान करता है। मुक्त वार्तालाप, कहानी सुनाना और कविताएँ भाषा, रचनात्मकता और कल्पना को विकसित करने में बहुत योगदान देती हैं जो सीखने के लिए आवश्यक हैं।

3. Health needs / स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएँ

A healthy and happy childhood is the basis for a stable and strong adulthood. Foundation of good health is laid during the early years of life. Physical health is influenced by many factors, such as biology/genes, and environmental factors like nutrition, immunisation, and opportunities for physical activities and exercise. / एक स्वस्थ और प्रसन्न बाल्यावस्था एक स्थिर और दृढ वयस्कता का आधार है। अच्छे स्वास्थ्य की नींव जीवन के शुरुआती वर्षों में रखी जाती है। शारीरिक स्वास्थ्य कई कारकों से प्रभावित होता है, जैसे जीव विज्ञान/जीन, और पर्यावरणीय कारक जैसे पोषण, टीकाकरण, और शारीरिक गतिविधियों और व्यायाम के अवसर।

Rights of Children / बच्चों के अधिकार

According to the United Nations Convention on the Rights of the Child (UNCRC), 'children's rights' are the human rights of children primarily pertaining to the rights of protection and care to the minor. / बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूएनसीआरसी) के अनुसार, 'बाल अधिकार' बच्चों के मानवाधिकार हैं, जो मुख्य रूप से नाबालिगों की सुरक्षा और देखभाल के अधिकारों से संबंधित हैं।

On 20 November 1989, the United Nations (UN) General Assembly adopted the Convention on the Rights of the Child or United Nations Convention on the Rights of the Child (UNCRC). / 20 नवंबर 1989 को, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासभा ने बाल अधिकारों पर कन्वेंशन या बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन (यूएनसीआरसी) को अपनाया।

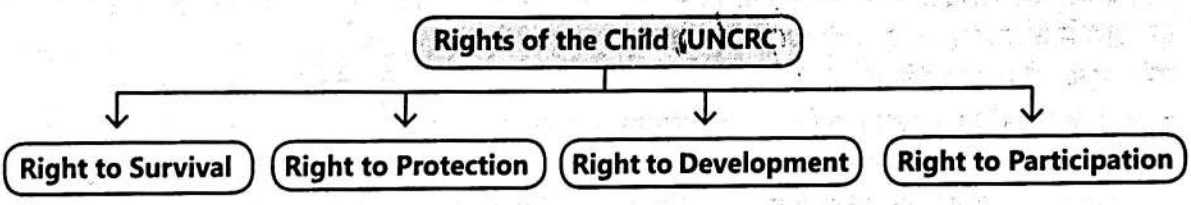

- **Right to Survival:** The right to survival includes the right to life, the best attainable standards of health, nutrition and an adequate standard of living. It also includes the right to registration of birth, name and nationality. / **उत्तरजीविता का अधिकार:** जीवित रहने के अधिकार में जीवन का अधिकार, स्वास्थ्य के सर्वोत्तम प्राप्य मानक, पोषण और जीवन स्तर का पर्याप्त मानक शामिल है। इसमें जन्म, नाम और राष्ट्रीयता के पंजीकरण का अधिकार भी शामिल है।
- **Right to Protection:** The right includes freedom from all forms of exploitation, abuse, inhuman and degrading treatment including the right to special protection in the situations of emergency and armed conflicts. Protection against drug abuse, disease and disability and protection to children on the other side of the law also is an integral part of the right to protection. / **सुरक्षा का अधिकार:** इस अधिकार में आपातकालीन और सशस्त्र संघर्षों की स्थितियों में विशेष सुरक्षा के अधिकार सहित सभी प्रकार के शोषण, दुर्व्यवहार, अमानवीय और अपमानजनक व्यवहार से मुक्ति शामिल है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग, बीमारी और दिव्यांगता से सुरक्षा और कानून के दूसरी तरफ बच्चों की सुरक्षा भी सुरक्षा के अधिकार का एक अभिन्न अंग है।
- **Right to Development:** It consists of the right to be educated, to receive support for development and care during early childhood and to social security. It also includes the right to leisure, to recreation and to cultural activities. / **विकास का अधिकार:** इसमें शिक्षित होने, प्रारंभिक बाल्यावस्था के दौरान विकास और देखभाल के लिए सहायता प्राप्त करने और सामाजिक सुरक्षा का अधिकार शामिल है। इसमें अवकाश, मनोरंजन और सांस्कृतिक गतिविधियों का अधिकार भी सम्मिलित है।

- **Right to Participation:** The right to participation accords the child access to appropriate information and the freedom of thought and expression, conscience and religion. / **सहभागिता का अधिकार:** सहभागिता अधिकार बच्चे को उचित जानकारी और विचार और अभिव्यक्ति, विवेकशीलता एवं धार्मिकता की स्वतंत्रता तक पहुंच प्रदान करता है।

Indian Constitution and Provisions / भारतीय संविधान और प्रावधान

The Constitution of India came into force on 26 January 1950. The Constitution establishes the basic rights and duties of the citizens of the nation. / भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। संविधान देश के नागरिकों के मूल अधिकारों और कर्तव्यों को स्थापित करता है।

Fundamental Rights / मौलिक अधिकार

- **Article 14:** ...shall not deny to any person equality before the law or the equal protection of the laws within the territory of India. / **धारा 14:** ...भारत के क्षेत्र के भीतर किसी भी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता या कानूनों के समान संरक्षण से वंचित नहीं किया जाएगा।
- **Article 15:** ... shall not discriminate against any citizen on grounds only of religion, race, caste, sex, place of birth or any of them. (3) Nothing in this article shall prevent the State from making any special provision for women and children. (4) Nothing ... shall prevent the State from making any special provision for the advancement of any socially and educationally backward classes of citizens or for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes. / **धारा 15:** ... किसी भी नागरिक के साथ केवल धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग, जन्म स्थान या इनमें से किसी के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। (3) इस धारा में कुछ भी राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए कोई विशेष प्रावधान करने से नहीं रोकेगा। (4) कुछ भी नहीं...राज्य को नागरिकों के किसी भी सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग की उन्नति के लिए या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए कोई विशेष प्रावधान करने से नहीं रोकेगा।
- **Article 17:** "Untouchability" is abolished and its practice in any form is forbidden. ... / **धारा 17:** "अस्पृश्यता" को समाप्त कर दिया गया है और किसी भी रूप में इसका अभ्यास निषिद्ध है। ...
- **Article 19:** All citizens shall have the right – (a) to freedom of speech and expression; (b) to assemble peaceably and without arms; (c) to form associations or unions; (d) to move freely throughout the territory of India; (e) to reside and settle in any part of the territory of India. / **धारा 19:** सभी नागरिकों को अधिकार होगा - (a) बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का; (b) शांतिपूर्वक और बिना हथियारों के इकट्ठा होना; (c) संघ या यूनियन बनाने के लिए; (d) भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए; (e) भारत के क्षेत्र के किसी भी हिस्से में निवास करना और बसना।
- **Article 21:** No person shall be deprived of his life or personal liberty except according to procedure established by law. / **धारा 21:** किसी भी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जाएगा।
- **Article 21 A** ... shall provide free and compulsory education to all children of the age of six to fourteen years... / **धारा 21 A** ... छह से चौदह वर्ष की आयु के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगा...
- **Article 24** Prohibition of employment of children in factories, etc. No child below the age of fourteen years shall be employed to work in any factory or mine or engaged in any other hazardous employment. / **धारा 24** कारखानों आदि में बच्चों के रोजगार पर प्रतिबंध। चौदह वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे को किसी कारखाने या खदान में काम करने के लिए नियोजित नहीं किया जाएगा या किसी अन्य खतरनाक रोजगार में नहीं लगाया जाएगा।

Directive Principles of State Policy / राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत

- **Article 39** ... the tender age of children are not abused... are not forced by economic necessity to enter avocations unsuited to their age or strength; (f) that children are given opportunities and facilities to develop in a healthy manner and in conditions of freedom and dignity and that childhood and youth are protected against exploitation and against moral and material abandonment. / **धारा 39**... बच्चों की कच्ची उम्र का दुरुपयोग नहीं किया जाता है... आर्थिक आंवश्यकता के कारण उन्हें उनकी उम्र या ताकत के लिए अनुपयुक्त व्यवसायों में प्रवेश करने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है; (f) कि बच्चों को स्वस्थ तरीके से और स्वतंत्रता और गरिमा की स्थितियों में विकसित होने के अवसर और सुविधाएं दी जाएं और बाल्यावस्था और युवावस्था को शोषण और नैतिक और भौतिक परित्याग से बचाया जाए।
- **Article 42** The State shall make provision for securing just and humane conditions of work and for maternity relief (Children are also benefited by this statutory provision). / **धारा 42** राज्य काम की उचित और मानवीय स्थितियों को सुरक्षित करने और मातृत्व राहत के लिए प्रावधान करेगा (इस वैधानिक प्रावधान से बच्चों को भी लाभ होता है)।
- **Article 45** The state shall endeavor to provide within a period of ten years from the commencement of this constitution, for free and compulsory Education for All children until they complete the age of fourteen years. / **धारा 45** राज्य इस संविधान के प्रारंभ से दस वर्ष की अवधि के भीतर, चौदह वर्ष की आयु पूरी करने तक सभी बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करेगा।
- **Article 46** ...shall promote with special care the educational and economic interests of the weaker sections of the people, and in particular, of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes,... / **धारा 46** ... लोगों के कमजोर वर्गों और विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को विशेष ध्यान से बढ़ावा देगा...
- **Article 47** ...raising of the level of nutrition and the standard of living of its people and the improvement of public health... / **धारा 47** ...अपने लोगों के पोषण स्तर और जीवन स्तर को ऊपर उठाना और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करना...
- **Article 51A** ... parent or guardian to provide opportunities for education to his child or, as the case may be, ward between the age of six and fourteen years. / **धारा 51A** ... माता-पिता या अभिभावक छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच अपने बच्चे या, जैसा भी मामला हो, प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करेंगे।

OOOOO

CHAPTER 8

Methods of Child Study
बाल अध्ययन के तरीके

The transformation of an infant, totally dependent on adults, into an independent person with complex abilities has always attracted much attention. There are many early accounts, recorded as Baby Biographies by different scholars, of how children learn. Charles Darwin, working on biological diversity, wrote a book 'On the Origin of Species' and also documented his son's acquisition of language. / एक शिशु में होने वाले परिवर्तन पूर्णरूप से वयस्को पर निर्भर होते है। शिशु को जटिल योग्यताओ के साथ स्वतंत्र रूप में विकसित करने हेतु बहुत ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता होती है। बच्चे कैसे सीखते हैं, इसके बारे में कई प्रारंभिक विवरण हैं, जिन्हें विभिन्न विद्वानों द्वारा बेबी बायोग्राफीज़ के रूप में दर्ज किया गया है। चार्ल्स डार्विन ने जैविक विविधता पर काम करते हुए एक किताब 'ऑन द ओरिजिन ऑफ स्पीशीज़' लिखी और अपने बेटे के भाषा अधिग्रहण का दस्तावेजीकरण भी किया।

Many years later, Piaget provided a deep understanding of emergence of thought and language in children by observing and keeping detailed of his children. He later talked to many children at play to understand development of morality in childhood. / कई वर्षों बाद, पियाजे ने अपने बच्चों का अवलोकन करके और उनका विवरण रखकर बच्चों में विचार और भाषा के उद्भव की गहरी समझ प्रदान की। बाद में उन्होंने बाल्यावस्था में नैतिकता के विकास को समझने के लिए खेल-खेल में कई बच्चों से बात की।

Research and Study of Human Development / मानव विकास का अनुसंधान एवं अध्ययन

Research with children builds our understanding of their behaviour, nature of responses and ways in which they learn or why they ask questions. We may believe children behave in a particular manner but in our interactions with them in varied situations, we may be surprised to find that they are different from what we had thought. / बच्चों के साथ शोध करने से उनके व्यवहार, प्रतिक्रियाओं की प्रकृति और उनके सीखने के तरीकों या वे प्रश्न क्यों पूछते हैं, के बारे में हमारी समझ विकसित होती है। हम यह मान सकते हैं कि बच्चे एक विशेष तरीके से व्यवहार करते हैं, लेकिन विभिन्न स्थितियों में उनके साथ हमारी बातचीत में, हमें यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि वे जो हमने सोचा था उससे भिन्न हैं।

Types of Research Design / शोध अभिकल्प के प्रकार

- **Cross Sectional Research:** It is a way of collecting data from a group of people of different ages at a particular time. This group is matched for all features such as socio-economic status and educational background. This type of research is quick as the data is gathered at one point of time. / **क्रॉस सेक्शनल रिसर्च:** एक विशेष समय में विभिन्न उम्र के लोगों के समूह से डेटा एकत्र करने का एक तरीका है। यह समूह सामाजिक-आर्थिक स्थिति और शैक्षिक पृष्ठभूमि जैसी सभी विशेषताओं से मेल खाता है। इस प्रकार का शोध त्वरित होता है क्योंकि आंकड़े एक समय पर एकत्र किया जाता है।
- **Longitudinal Research:** It is a study of research issues collecting information from a set of people at different intervals of time over a decided period. To study the selected problem, the sample is followed over time and data is gathered from the same set of participants at different points of time. Even though rich and useful information is gathered, such studies are expensive

and difficult to sustain. / **अनुदैर्ध्य अनुसंधान:** एक निश्चित अवधि में समय के विभिन्न अंतरालों पर लोगों के एक समूह से जानकारी एकत्र करने वाले अनुसंधान मुद्दों का अध्ययन है। चयनित समस्या का अध्ययन करने के लिए, समय के साथ नमूने का पालन किया जाता है और अलग-अलग समय पर प्रतिभागियों के एक ही समूह से डेटा एकत्र किया जाता है। भले ही समृद्ध और उपयोगी जानकारी एकत्र की गई हो, ऐसे अध्ययन महंगे हैं और इन्हें कायम रखना मुश्किल है।

- **Case Study:** It is an in-depth study of individuals, groups or institutions. This kind of study is done using several techniques. In the Case Study approach, both standardized as well as other techniques of study can be used. / **व्यक्तिगत अध्ययन:** यह व्यक्तियों, समूहों या संस्थानों का गहन अध्ययन है। इस प्रकार का अध्ययन कई तकनीकों का उपयोग करके किया जाता है। केस स्टडी दृष्टिकोण में, मानकीकृत और अध्ययन की अन्य तकनीकों दोनों का उपयोग किया जा सकता है।
- **Experimental Design:** It is a research design in which two or more groups are compared under similar conditions where each group may get a different treatment (intervention).For example, in the experimental design involving two groups, the group which receives the intervention is called the control group and the other group under study which does not receive the intervention is called the experimental group. / **प्रायोगिक अभिकल्प:** यह एक शोध डिजाइन है जिसमें दो या दो से अधिक समूहों की तुलना समान परिस्थितियों में की जाती है जहां प्रत्येक समूह को एक अलग उपचार (हस्तक्षेप) मिल सकता है। उदाहरण के लिए, दो समूहों को शामिल करने वाले प्रयोगात्मक डिजाइन में, जो समूह हस्तक्षेप प्राप्त करता है वह है नियंत्रण समूह कहा जाता है और अध्ययन के तहत दूसरा समूह जिसे हस्तक्षेप प्राप्त नहीं होता है उसे प्रायोगिक समूह कहा जाता है।

Tools and Techniques of Study / अध्ययन के उपकरण और तकनीकें

1. Selecting a Tool / उपकरण का चयन करना

Once the basic design is decided, the next step is to identify the method for data collection. This method would be decided keeping in mind the age, educational background and the nature of the research problem. / एक बार मूल अभिकल्प तय हो जाने के बाद, अगला कदम डेटा संग्रह की विधि की पहचान करना है। यह विधि उम्र, शैक्षिक पृष्ठभूमि और शोध समस्या की प्रकृति को ध्यान में रखकर तय की जाएगी।

A good tool must possess certain characteristics discussed below. / एक अच्छे उपकरण में नीचे चर्चा की गई कुछ विशेषताएं होनी चाहिए:

- **Reliability:** Implies that on repeated use, tools should give consistent or stable results. For example, the results obtained from the tool should remain the same regardless of the time of administration of the tool and the researcher. / **विश्वसनीयता:** तात्पर्य यह है कि बार-बार उपयोग करने पर, उपकरण को लगातार या स्थिर परिणाम देना चाहिए। उदाहरण के लिए, उपकरण से प्राप्त परिणाम उपकरण और शोधकर्ता के प्रशासन के समय की परवाह किए बिना समान रहना चाहिए।
- **Validity:** This refers to the fact that the tool should assess or measure what it is supposed to measure, and not something else. For example, a test of intelligence, should be meaningful for intelligence and not some other quality. / **वैधता:** यह इस तथ्य को संदर्भित करता है कि उपकरण को जो मापना चाहिए उसका आकलन या माप करना चाहिए, न कि किसी और चीज़ का। उदाहरण के लिए, बुद्धि का परीक्षण, बुद्धि के लिए सार्थक होना चाहिए न कि किसी अन्य गुण के लिए।
- **Standardisation:** It is a process of establishing the reliability and validity of the tool by administering it on a large population.This means that the test has to be administered and scored in a consistent manner for the entire population. / **मानकीकरण:** यह एक बड़ी आबादी पर

उपकरण का संचालन करके उसकी विश्वसनीयता और वैधता स्थापित करने की एक प्रक्रिया है। इसका मतलब है कि परीक्षण को पूरी आबादी के लिए एक सुसंगत तरीके से प्रशासित और स्कोर किया जाना है।

2. Observation / अवलोकन

Observation being directly observing behaviour with the purpose of describing, it helps in recording changes to discuss with parents or write reports on children. / वर्णन करने के उद्देश्य से अवलोकन सीधे तौर पर व्यवहार का अवलोकन करता है, यह माता-पिता के साथ चर्चा करने या बच्चों पर रिपोर्ट लिखने के लिए परिवर्तनों को रिकॉर्ड करने में मदद करता है।

In observations, it is important to plan the procedure before-hand to ensure good results. Some examples of methods of observation and recording include: / अवलोकनों में, अच्छे परिणाम सुनिश्चित करने के लिए प्रक्रिया की पहले से योजना बनाना महत्वपूर्ण है। अवलोकन और रिकॉर्डिंग के तरीकों के कुछ उदाहरणों में शामिल हैं:

- **Time-Sampling:** It requires taking short and uniform time periods to observe to note down children's behaviour. For example, taking observation of the bahaviour under study after a gap of every 15 minutes. / **काल प्रतिदर्श चयन:** बच्चों के व्यवहार को नोट करने के लिए छोटी और समान समयावधि की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, प्रत्येक 15 मिनट के अंतराल के बाद अध्ययनाधीन व्यवहार का अवलोकन करना।
- **Event Sampling:** It can be used for noting only specific behaviours like language or aggression. / **घटना प्रतिदर्श चयन:** इसका उपयोग केवल भाषा या आक्रामकता जैसे विशिष्ट व्यवहारों को नोट करने के लिए किया जा सकता है।
- **Checklist:** A list of parameters on which the teacher (or parent or other adult) checks the behaviours or traits observed during the period of observation. An observer may observe an activity or an event and then complete a checklist on whether or not key behaviours occurred. / **चैक लिस्ट:** मापदंडों की एक सूची जिस पर शिक्षक (या माता-पिता या अन्य वयस्क) अवलोकन की अवधि के दौरान देखे गए व्यवहार या लक्षणों की जांच करते हैं। एक पर्यवेक्षक किसी गतिविधि या घटना का निरीक्षण कर सकता है और फिर प्रमुख व्यवहार हुए या नहीं, इस पर एक चेकलिस्ट पूरी कर सकता है।
- **Specimen Description:** When using specimen description, the observer records children's behaviour and all events that are before and subsequent to the behaviour. The observer may write on everything that happens in his or her presence. Audio-visual devices may also be used for recording the observations. / **नमूना विवरण:** नमूना विवरण का उपयोग करते समय, पर्यवेक्षक बच्चों के व्यवहार और व्यवहार से पहले और बाद की सभी घटनाओं को रिकॉर्ड करता है। प्रेक्षक अपनी उपस्थिति में होने वाली हर चीज़ पर लिख सकता है। अवलोकनों को रिकॉर्ड करने के लिए दृश्य-श्रव्य उपकरणों का भी उपयोग किया जा सकता है।

There are two types of observations which are: / अवलोकन दो प्रकार के होते हैं जो इस प्रकार हैं:

1. Participant and Non-Participant Observations / सहभागी और गैर-सहभागी टिप्पणियाँ

Participant observation takes place when an observer participates with children and in the events being observed. / सहभागी अवलोकन तब होता है जब एक पर्यवेक्षक बच्चों के साथ और देखी जा रही घटनाओं में भाग लेता है।

Non-participant observation occurs when an observer observes events without interacting with the children being observed. / गैर-सहभागी अवलोकन तब होता है जब एक पर्यवेक्षक देखे जा रहे बच्चों के साथ बातचीत किए बिना घटनाओं का अवलोकन करता है।

2. Structured and Unstructured Observations / संरचित और असंरचित अवलोकन

Structured observation is a technique in which an observer observes events using a guide that has been planned in advance. / संरचित अवलोकन एक ऐसी तकनीक है जिसमें एक पर्यवेक्षक एक मार्गदर्शिका का उपयोग करके घटनाओं का अवलोकन करता है जिसकी पहले से योजना बनाई गई है।

Unstructured observation is a technique in which an observer observes and record behaviour in a holistic way without the use of pre-determined categories or guide. Everything that happens on the setting is recorded. / असंरचित अवलोकन एक ऐसी तकनीक है जिसमें एक पर्यवेक्षक पूर्व-निर्धारित श्रेणियों या मार्गदर्शिका के उपयोग के बिना समग्र तरीके से व्यवहार को देखता है और रिकॉर्ड करता है। सेटिंग पर जो कुछ भी होता है वह रिकॉर्ड किया जाता है।

Advantages of the Observation Method / अवलोकन विधि के लाभ

- It provides direct information about behavior of individuals and groups. / यह व्यक्तियों और समूहों के व्यवहार के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करता है।
- It is possible to obtain information where laboratory experiments cannot be conducted. / ऐसी जानकारी प्राप्त करना संभव है जहां प्रयोगशाला प्रयोग नहीं किए जा सकते।
- It helps to develop a holistic perspective. / यह समग्र परिदृश्य प्रस्तुत करने में सहायक है।

Disadvantages of the Observation Method / अवलोकन विधि के नुकसान

- It is expensive and time-consuming / यह खर्चीला और समय लेने वाला है।
- Selective perception of observer may distort data. / पर्यवेक्षक की चयनात्मक धारणा डेटा को विकृत कर सकती है।

3. Interview / साक्षात्कार

It is a technique that simply uses direct conversation with children to gather data. One person (Interviewer) questions the other (Interviewee) on certain issues and then draws conclusions from these conversations. / यह एक ऐसी तकनीक है जो डेटा इकट्ठा करने के लिए बच्चों के साथ सीधी बातचीत का उपयोग करती है। एक व्यक्ति (साक्षात्कारकर्ता) दूसरे (जिसका साक्षात्कार होना है) से कुछ मुद्दों पर सवाल करता है और फिर इन वार्तालापों से निष्कर्ष निकालता है।

It is a detailed, in-depth conversation that is guided by certain objectives. The interview schedule is the list of questions used for interviewing. / यह एक विस्तृत, गहन बातचीत है जो कुछ उद्देश्यों द्वारा निर्देशित होती है। साक्षात्कार अनुसूची साक्षात्कार के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रश्नों की सूची है।

The steps in constructing and conducting an interview are: / साक्षात्कार के निर्माण और संचालन के चरण हैं:

- Decide on an issue that you want to study and look for a suitable title. / उस मुद्दे पर निर्णय लें जिसका आप अध्ययन करना चाहते हैं और एक उपयुक्त शीर्षक की तलाश करें।
- List out the areas on this issue that are important to investigate. / इस मुद्दे पर उन क्षेत्रों की सूची बनाएं जिनकी जांच करना महत्वपूर्ण है।
- Write down the questions; word them carefully and simply. / प्रश्न लिखें; उन्हें ध्यानपूर्वक और सरलता से लिखें।
- Arrange the identified questions from simple to more complex. / पहचाने गए प्रश्नों को सरल से अधिक जटिल की ओर व्यवस्थित करें।
- Prepare an introductory passage for the respondent to explain your purpose. / अपना उद्देश्य समझाने के लिए प्रतिवादी के लिए एक परिचयात्मक धारा तैयार करें।

The different types of interviews are: / साक्षात्कार के विभिन्न प्रकार हैं:

1. **Structured:** A structured interview involves the researcher asking the children a list of predetermined questions with a predefined set of answers about a carefully-selected topic. / **संरचित:** एक संरचित साक्षात्कार में शोधकर्ता बच्चों से सावधानीपूर्वक चयनित विषय के बारे में उत्तरों के पूर्वनिर्धारित सेट के साथ पूर्वनिर्धारित प्रश्नों की एक सूची पूछता है।
2. **Semi-structured:** Interviews are conducted with a fairly open framework which allow for focused, conversational, two-way communication. They can be used both to give and receive information. It contains a set of flexible questions that can be used as a guide. / **अर्द्ध-संरचित:** साक्षात्कार काफी खुले रूपरेखा के साथ आयोजित किए जाते हैं जो केंद्रित, संवादात्मक, दो-तरफा संचार की अनुमति देते हैं। इनका उपयोग सूचना देने और प्राप्त करने दोनों के लिए किया जा सकता है। इसमें लचीले प्रश्नों का एक सेट है जिसका उपयोग एक मार्गदर्शक के रूप में किया जा सकता है।
3. **Unstructured:** An informal discussion that has no strict guidelines, allowing the discussion to be open and not necessarily concise in its nature. / **असंरचित:** एक अनौपचारिक चर्चा जिसमें कोई सख्त दिशानिर्देश नहीं हैं, जिससे मुक्त चर्चा हो और जरूरी नहीं कि उसकी प्रकृति संक्षिप्त हो।

Advantages of Interview / साक्षात्कार के लाभ

- Interview is a powerful technique for studying in-depth issues. / मुद्दों का गहन अध्ययन करने के लिए साक्षात्कार एक सशक्त तकनीक है।
- Questions can be re-worded or repeated in case these are not understood correctly. / यदि प्रश्न सही ढंग से समझ में नहीं आते हैं तो उन्हें दोबारा लिखा जा सकता है या दोहराया जा सकता है।
- The interviewer and interviewee can proceed at their own speed. / साक्षात्कारकर्ता देने और लेने वाला अपनी गति से आगे बढ़ सकते हैं।
- Doubts can be clarified and further questioning can proceed in case the need arises. / संदेहों को स्पष्ट किया जा सकता है और आवश्यकता पड़ने पर आगे की पूछताछ जारी रखी जा सकती है।
- It can be used with illiterate participants quite easily. / इसका उपयोग अशिक्षित प्रतिभागियों के साथ काफी आसानी से किया जा सकता है।

Disadvantages of Interview / साक्षात्कार के नुकसान

- Intensive training is required to conduct interviews. / साक्षात्कार आयोजित करने के लिए गहन प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है।
- Sometimes the face-to-face conversation can make children uncomfortable especially when the questions are intimate in nature. / कभी-कभी आमने-सामने की बातचीत बच्चों को असहज कर सकती है, खासकर जब प्रश्न अंतरंग प्रकृति के हों।
- Sometimes writing and recording can make children feel conscious. / कभी-कभी लिखने और रिकॉर्ड करने से बच्चे सचेत महसूस कर सकते हैं।

1. Questionnaire / प्रश्नावली

The questionnaire is a tool that uses questioning as a strategy to gather responses. It consists of a set of written questions which calls for responses on the part of individual(s) or the subject(s). / प्रश्नावली एक उपकरण है जो प्रतिक्रियाएँ एकत्र करने की रणनीति के रूप में प्रश्न पूछने का उपयोग करता है। इसमें लिखित प्रश्नों का एक सेट होता है जो व्यक्ति(यों) या विषय(यों) से प्रतिक्रिया मांगता है।

Types of Questionnaire / प्रश्नावली के प्रकार

- **Closed ended Questionnaire:** It consists of a list of pre-decided questions with forced choices. The respondent is required to choose one of choices from the set of multiple

options provided. / **बंद प्रश्नावली:** इसमें जबरन विकल्पों के साथ पूर्व-निर्धारित प्रश्नों की एक सूची होती है। उत्तरदाता को दिए गए अनेक विकल्पों में से किसी एक विकल्प को चुनना आवश्यक है।

- **Open Ended Questionnaire:** It consists of list of pre decided questions where there is a scope to provide descriptive and subjective responses. / **खुली प्रश्नावली:** इसमें पूर्व निर्धारित प्रश्नों की सूची होती है जहां वर्णनात्मक और व्यक्तिपरक प्रतिक्रिया प्रदान करने की गुंजाइश होती है।

Advantages of Questionnaire / प्रश्नावली के लाभ

- Administering questionnaires involves low cost and is less time-consuming. / प्रश्नावली का प्रबंधन करने में कम लागत आती है और इसमें कम समय लगता है।
- Information can be collected from a large number of individuals in a relatively short period of time / अपेक्षाकृत कम समय में बड़ी संख्या में व्यक्तियों से जानकारी एकत्र की जा सकती है
- Each respondent receives the same set of questions phrased in exactly the same way. / प्रत्येक उत्तरदाता को बिल्कुल एक ही तरीके से लिखे गए प्रश्नों का एक ही सेट प्राप्त होता है।

Disadvantages of Questionnaire / प्रश्नावली के नुकसान

- It can only be conducted with literate respondents. / इसे केवल साक्षर उत्तरदाताओं के साथ ही संचालित किया जा सकता है।
- There is no scope to clarify meanings or explain the questions and the responses. / अर्थ स्पष्ट करने या प्रश्नों और उत्तरों को स्पष्ट करने की कोई गुंजाइश नहीं है।
- There is no scope for follow-up questions. / अनुवर्ती प्रश्नों की कोई गुंजाइश नहीं है।

5. ART as a form of Communication / संचार के रूप में कला

Artistic forms of expression such as role play and drawings can be used with children to elicit their responses. These can serve as tools to gather meaningful data on children's behaviors and thought. Let us study more about these art forms: / अभिव्यक्ति के कलात्मक रूपों जैसे रोल प्ले और चित्रांकन का उपयोग बच्चों के साथ उनकी प्रतिक्रियाएँ प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है। ये बच्चों के व्यवहार और सोच पर सार्थक डेटा इकट्ठा करने के लिए उपकरण के रूप में काम कर सकते हैं। आइए इन कला रूपों के बारे में और अधिक अध्ययन करें:

(i) Role Play / रोल प्ले

Role Play is a method in which different individuals assume a role, playing themselves or another person in a given situation or scenario, based on the objectives. / रोल प्ले एक ऐसी विधि है जिसमें अलग-अलग व्यक्ति उद्देश्यों के आधार पर किसी स्थिति या परिदृश्य में स्वयं या किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका निभाते हैं।

It is a method for exploring the issues involved in complex social situations. / यह जटिल सामाजिक स्थितियों में शामिल मुद्दों की खोज करने की एक विधि है।

(ii) Drawings as Sources of Conversation / बातचीत के स्रोत के रूप में चित्र

Children from a young age like to scribble with crayons. They may use particular colours or strokes on paper. The drawings may have no concrete shape or resemblance to reality. When teachers or mothers have asked children about what they have created, there is often a meaningful narrative. / छोटी उम्र से ही बच्चों को क्रेयॉन से लिखना पसंद होता है। वे कागज पर विशेष रंगों या स्ट्रोक का उपयोग कर सकते हैं। चित्रों का कोई मूर्त आकार या वास्तविकता से समानता नहीं हो सकती है। जब शिक्षकों या माताओं ने बच्चों से पूछा कि उन्होंने क्या बनाया है, तो अक्सर एक सार्थक कहानी होती है।

6. Reporting Children's Progress / बच्चों की प्रगति का प्रतिवेदन

(i) Anecdotal Records / उपाख्यानात्मक अभिलेख

Anecdotal records are detailed description of important episodes which are written and maintained on a daily basis to record children's progress over a period of time. / उपाख्यानात्मक अभिलेख महत्वपूर्ण प्रसंगों का विस्तृत विवरण है जो समय की अवधि में बच्चों की प्रगति को रिकॉर्ड करने के लिए दैनिक आधार पर लिखा और बनाए रखा जाता है।

The anecdotal records provide important periodic information of children's lives. Records may encompass many aspects of children's development such as their behaviour, interaction, interests, likes, dislikes etc. / उपाख्यानात्मक अभिलेख बच्चों के जीवन की महत्वपूर्ण आवधिक जानकारी प्रदान करते हैं। अभिलेख में बच्चों के विकास के कई पहलू शामिल हो सकते हैं जैसे उनका व्यवहार, बातचीत, रुचियां, पसंद, नापसंद आदि।

ii. Portfolio / पोर्टफोलियो

A portfolio is a collection of children's work which reflects their development and progress. It includes children's writing, drawings, art and craft work, activity sheets, photographs, videos, etc. / पोर्टफोलियो बच्चों के कार्यों का एक संग्रह है जो उनके विकास और प्रगति को दर्शाता है। इसमें बच्चों का लेखन, चित्र, कला और शिल्प कार्य, गतिविधि पत्रक, तस्वीरें, वीडियो आदि शामिल हैं।

It is an evidence of children's growth, development and learning providing a rich and comprehensive picture of a children's lives. / यह बच्चों की वृद्धि, विकास और सीखने का एक प्रमाण है जो बच्चों के जीवन की एक समृद्ध और व्यापक तस्वीर प्रदान करता है।

CHAPTER 9

Profile of an ECCE Centre
ECCE केन्द्र का प्रोफाइल

Identification of Location / स्थान की पहचान

Since surroundings have such a powerful influence on pre-schoolers, there are few things you need to keep in mind when locating an ECCE centre/pre-school. The location of the centre should have: / चूँकि परिवेश का पूर्व प्राथमिक विद्यालयर्स पर इतना शक्तिशाली प्रभाव होता है, इसलिए कुछ चीजें हैं जिन्हें आपको ECCE केंद्र/पूर्व प्राथमिक विद्यालय स्थापित करते समय ध्यान में रखना होगा। केंद्र का स्थान होना चाहिए:

- Easy accessibility. / पहुंचना आसान हो।
- Cleanliness and hygiene and pollution-free environment / सफाई एवं स्वच्छता हो तथा प्रदूषण मुक्त वातावरण
- Safety and security. / बचाव और सुरक्षा।
- Barrier-free environment for differently-abled children. / दिव्यांग बच्चों के लिए बाधा मुक्त वातावरण।

Infrasturucture/Physical Facilities / बुनियादी रूपरेखा/भौतिक सुविधाएं

Physical facilities in an ECCE centre include both outdoor as well as indoor facilities. In this section, besides outdoor and indoor facilities, we shall also discuss the importance of water and toilet facilities in an ECCE centre. / ECCE केंद्र में भौतिक सुविधाओं में बाह्य और आंतरिक दोनों सुविधाएं शामिल हैं। इस खंड में, बाह्य और आंतरिक सुविधाओं के अलावा, हम ECCE केंद्र में पानी और शौचालय सुविधाओं के महत्व पर भी चर्चा करेंगे।

1. Outdoor Facilities / बाह्य सुविधाएं

Outdoor play is an integral part of the natural activity of children. The elements that make the outdoor space an engaging learning environment are sufficient space, opportunities to explore, use of imagination and creativty. / बाह्य खेल बच्चों की प्राकृतिक गतिविधि का एक अभिन्न अंग है। वे तत्व जो बाहरी स्थान को एक आकर्षक सीखने का माहौल बनाते हैं, वे हैं पर्याप्त स्थान, अन्वेषण के अवसर, कल्पना का उपयोग और रचनात्मकता।

The outdoor facilities include playground, sandpit, grass covered area,etc. / बाहरी सुविधाओं में खेल का मैदान, रेत का गड्ढा, घास से ढका क्षेत्र आदि शामिल हैं।

(a) Playgrounds: All playgrounds should incorporate three kinds of areas, which can generally be categorised as open, quiet and active. / **खेल के मैदान:** सभी खेल के मैदानों में तीन प्रकार के क्षेत्र शामिल होने चाहिए, जिन्हें आम तौर पर खुले, शांत और सक्रिय के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

- Open area to run and play comprising of playground, lawn, concrete paths (for cycling) and shed. But if we do not have enough space in the centre premises, the teacher can take children to nearby park or open ground, whenever possible. / दौड़ने और खेलने के लिए खुला क्षेत्र जिसमें खेल का मैदान, लॉन, कंक्रीट के रास्ते (साइकिल चलाने के लिए) और शेड शामिल हैं। लेकिन अगर हमारे पास केंद्र परिसर में पर्याप्त जगह नहीं है, तो शिक्षक, जब भी संभव हो, बच्चों को पास के पार्क या खुले मैदान में ले जा सकते हैं।

- There should be quiet areas also like areas of low vegetation, trees, landscaping, vegetable garden, sand area, etc. / शांत क्षेत्र भी होने चाहिए जैसे कम वनस्पति वाले क्षेत्र, पेड़-पौधे, भू-दृश्य, वनस्पति उद्यान, रेत क्षेत्र आदि।
- Active area includes swings, see-saw, jungle gyms, slides, rope ladders etc..for development of gross motor skills in children. Low cost/waste items like tyres can also be used to make swings. Provision for a small grass covered area to play could promote the health of children. / सक्रिय क्षेत्र में बच्चों में सकल गत्यात्मक कौशल के विकास के लिए झूले, सी-सॉ, जंगल जिम, स्लाइड, रस्सी सीढ़ी आदि शामिल हैं। झूले बनाने के लिए टायर जैसी कम लागत/बेकार वस्तुओं का भी उपयोग किया जा सकता है। खेलने के लिए घास से ढके छोटे क्षेत्र का प्रावधान बच्चों के स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है।

(b) Sandpit: The sandpit is generally considered an important part of outside activity. Its size should be adequate for the number of children who will be using it at any one given time. The sand should be filled to a suitable depth, clean, washed and non-staining. / **रेत के गड्ढ़े:** रेत के गड्ढे को आम तौर पर बाहरी गतिविधि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। इसका आकार किसी भी समय इसका उपयोग करने वाले बच्चों की संख्या के लिए पर्याप्त होना चाहिए। रेत उपयुक्त गहराई तक भरी जानी चाहिए, साफ, धुली हुई और दाग रहित होनी चाहिए।

2. Indoor Facilities / आंतरिक सुविधाएं

The indoor space, properly arranged plays a key role in supporting and developing children's learning and development. / उचित ढंग से व्यवस्थित आंतरिक स्थान बच्चों की शिक्षा और विकास में सहायता और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

It should provide children with stimulation and challenge, and encourage their creativity and imagination. At the same time, it should also encourage independence and help children to develop a positive attitude towards learning. / इसे बच्चों को उत्तेजना और चुनौती प्रदान करनी चाहिए, और उनकी रचनात्मकता और कल्पना को प्रोत्साहित करना चाहिए। साथ ही, इसे स्वतंत्रता को भी प्रोत्साहित करना चाहिए और बच्चों को सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करनी चाहिए।

Indoor facilities in an ECCE centre includes well lit ventilated rooms, storage space, safe floor covering, etc. / ECCE केंद्र में आंतरिक सुविधाओं में अच्छी रोशनी वाले हवादार कमरे, भंडारण स्थान, सुरक्षित फर्श कवरिंग आदि शामिल हैं।

- Ventilation / हवादार
- Lighting / प्रकाश
- Storage space / स्टोरेज की जगह
- Floor covering / फर्श का प्रावरण
- Walls and roofs / दीवारें और छतें

3. Safety of an ECCE Centre: Disaster Management and First Aid Facility / ECCE केंद्र की सुरक्षा: आपदा प्रबंधन और प्राथमिक चिकित्सा सुविधा

Disaster planning or crisis management is about anticipating things that may go wrong, and ensuring safety of the children and staff and preventing avoidable damage. / आपदा योजना या संकट प्रबंधन उन चीजों की आशंका के बारे में है जो गलत हो सकती हैं, और बच्चों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और टालने योग्य क्षति को रोकना है।

Plans to set up an ECCE centre must include a map of effective procedures to manage emergency situations. ECCE centres should be equipped with arrangements such as fire extinguishers, sand

buckets, provision for first-aid etc. / ECCE केंद्र स्थापित करने की योजना में आपातकालीन स्थितियों के प्रबंधन के लिए प्रणाली प्रक्रियाओं का एक मानचित्र शामिल होना चाहिए। ECCE केंद्रों को अग्निशामक यंत्र, रेत की बाल्टी, प्राथमिक चिकित्सा के प्रावधान आदि जैसी व्यवस्थाओं से सुसज्जित किया जाना चाहिए।

Equipment and Learning Materials / उपकरण एवं अधिगम सामग्री

Young children continuously grow and learn. With their imagination, they can transform a match box into a car, a twig into a tree or a piece of stone into an animal. They do not need expensive toys and equipment to learn. All they need is developmentally appropriate play equipment and learning materials with appropriate guidance. It provides them the opportunity to understand themselves and the world in which they live. / छोटे बच्चे लगातार बढ़ते और सीखते हैं। वे अपनी कल्पना से माचिस की डिब्बी को कार, एक टहनी को पेड़ या पत्थर के टुकड़े को जानवर बना सकते हैं। उन्हें सीखने के लिए महंगे खिलौनों और उपकरणों की जरूरत नहीं है। उन्हें बस उचित मार्गदर्शन के साथ विकास-उपयुक्त खेल उपकरण और शिक्षण सामग्री की आवश्यकता है। यह उन्हें स्वयं को और जिस दुनिया में वे रहते हैं उसे समझने का अवसर प्रदान करता है।

Let us learn more about equipment and learning materials required for children in an ECCE centre. / आइए ECCE केंद्र में बच्चों के लिए आवश्यक उपकरण और शिक्षण सामग्री के बारे में अधिक जानें।

1. Types of Equipment and Learning Materials / उपकरण और शिक्षण सामग्री के प्रकार

The equipment at the centre are broadly classified as indoor equipment and outdoor equipment. / केंद्र के उपकरणों को मोटे तौर पर आंतरिक उपकरण और बाह्य उपकरण के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

(a) Indoor Equipment and Learning Materials: It consists of blocks, toy utensils and other materials for pretend play. It also includes puzzles, manipulative toys/games, materials for art activities etc. / **आंतरिक उपकरण और शिक्षण सामग्री:** इसमें नाटक के लिए ब्लॉक, खिलौने के बर्तन और अन्य सामग्रियां शामिल हैं। इसमें पहेलियाँ, जोड़-तोड़ वाले खिलौने/खेल, कला गतिविधियों के लिए सामग्री आदि भी शामिल हैं।

(b) Outdoor Equipment and Learning Materials: It includes climbers, slides, swings, jungle-gym, see-saw, balls (variety of sizes and textures), sports equipment (child-size basket ball hoop, plastic bats, hockey sticks), wheel toys (wagons, push/ pull toys, wheelbarrows, scooters), riding toys (variety of sizes with and without pedals, for use by one or two children), tumbling mats, jump ropes, wooden twigs, sand boxes, sandpit, measuring cups/ spoons, variety of containers/pails, plastic bottles, things that sinkor float, natural items such as shells, pieces of wood, rocks etc. / **बाह्य उपकरण और शिक्षण सामग्री:** इसमें पर्वतारोही, स्लाइड, झूले, जंगल-जिम, सी-सॉ, गेंदें (विभिन्न आकार और बनावट), खेल उपकरण (बच्चों के आकार की बास्केट बॉल घेरा, प्लास्टिक के बल्ले, हॉकी स्टिक) शामिल हैं। , पहिया खिलौने (वैगन, पुश/पुल खिलौने, व्हीलबारो, स्कूटर), सवारी खिलौने (एक या दो बच्चों के उपयोग के लिए पैडल के साथ और बिना पैडल के विभिन्न आकार), टंबलिंग मैट, कूद रस्सी, लकड़ी की टहनियाँ, रेत के बक्से, सैंडपिट, मापने के कप/चम्मच, विभिन्न प्रकार के कंटेनर/ बाल्टी, प्लास्टिक की बोतलें, जो चीजें सिंक या तैरती हैं, प्राकृतिक वस्तुएं जैसे सीपियां, लकड़ी के टुकड़े, चट्टानें आदि।

Selection of Equipment and Learning Materials / उपकरण और शिक्षण सामग्री का चयन

- **Age-appropriateness:** All the learning materials and equipment should be relevant for the age group of the children for whom they are selected for promoting their language, cognitive and socio-emotional development. / **आयु-उपयुक्तता:** सभी शिक्षण सामग्री और उपकरण उन बच्चों के आयु

समूह के लिए प्रासंगिक होने चाहिए जिनके लिए उन्हें उनकी भाषा, संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक विकास को बढ़ावा देने के लिए चुना गया है।

- **Multiple Uses:** Children can use sand, water or play dough in a variety of ways, depending on their ability, past experience with the material and interest. / **एकाधिक उपयोग:** बच्चे अपनी क्षमता, सामग्री के साथ पिछले अनुभव और रुचि के आधार पर विभिन्न तरीकों से रेत, पानी या आटे का उपयोग कर सकते हैं।
- **Adequacy:** Since the curriculum includes indoor/outdoor, individual/group activities, so the learning materials and equipment should be adequate in terms of quantity and proportion to ensure access to all children for all types of activities planned in the curriculum. / **पर्याप्तता:** चूंकि पाठ्यक्रम में आंतरिक/बाह्य, व्यक्तिगत/समूह गतिविधियां शामिल हैं, इसलिए पाठ्यक्रम में नियोजित सभी प्रकार की गतिविधियों तक सभी बच्चों की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सीखने की सामग्री और उपकरण मात्रा और अनुपात के मामले में पर्याप्त होने चाहिए।
- **Variety:** It is essential that there should be a large range and variety of equipment and materials in the centre to suit the needs, abilities and interests of all children. / **विविधता:** यह आवश्यक है कि केंद्र में सभी बच्चों की आवश्यकताओं, क्षमताओं और रुचियों के अनुरूप उपकरणों और सामग्रियों की एक बड़ी श्रृंखला और विविधता होनी चाहिए।
- **Safety:** Equipment should be appropriate and safe to use by children. They should be of low height and light with smooth edges/finishes. Finishes and dyes should be non-toxic and meet all safety standards. / **सुरक्षा:** उपकरण बच्चों द्वारा उपयोग के लिए उपयुक्त और सुरक्षित होना चाहिए। वे कम ऊंचाई के और चिकने किनारों/परिष्करण के साथ हल्के होने चाहिए। फ़िनिश और रंग गैर विषैले होने चाहिए और सभी सुरक्षा मानकों को पूरा करने चाहिए।
- **Diversity and Flexibility:** It is important to ensure that the equipment in an ECCE centre reflects the community in which it is located. All the materials and equipment should be selected with consideration to encourage acceptance of diversity such as race, culture etc. / **विविधता और लचीलापन:** यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि ECCE केंद्र के उपकरण उस समुदाय को दर्शाते हैं जिसमें वह स्थित है। नस्ल, संस्कृति आदि जैसी विविधता की स्वीकृति को प्रोत्साहित करने के लिए सभी सामग्रियों और उपकरणों का चयन इस बात को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।
- **Natural Material:** A large range of natural materials can be used at the ECCE centre like pebbles, seed pods, sand, water, leaves and twigs, or plants. This would also avoid large expenditure on buying expensive equipment and toys. For example, inexpensive material like rope can be used to make swings, ladders or hammocks. / **प्राकृतिक सामग्री:** ECCE केंद्र में कंकड़, बीज की फली, रेत, पानी, पत्तियां और टहनियाँ, या पौधे जैसी प्राकृतिक सामग्रियों की एक बड़ी श्रृंखला का उपयोग किया जा सकता है। इससे महंगे उपकरण और खिलौने खरीदने पर होने वाले बड़े खर्च से भी बचा जा सकेगा। उदाहरण के लिए, रस्सी जैसी सस्ती सामग्री का उपयोग झूले, सीढ़ी या झूला बनाने के लिए किया जा सकता है।

Recruitment of ECCE Personnel / ECCE कार्मिकों की नियुक्ति

Well-trained and qualified ECCE personnel are essential for facilitating and providing optimal learning opportunities to children. Selecting and recruiting well qualified and skilled ECCE personnel is an important aspect for quality early childhood education. / बच्चों को सुविधा प्रदान करने और सर्वोत्तम सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित और योग्य ECCE कर्मी आवश्यक हैं। अच्छी तरह से योग्य और कुशल ECCE कर्मियों का चयन और भर्ती गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है।

Types of ECCE Personnel / ECCE कार्मियों के प्रकार

- **ECCE Teacher:** The ECCE teacher is the key person who is responsible for conducting activities and programmes in a classroom setting. A skilled and passionate teacher plays an important role in the lives of young children. / **ECCE शिक्षक:** ECCE शिक्षक वह प्रमुख व्यक्ति है जो कक्षा वातावरण में गतिविधियों और कार्यक्रमों के संचालन के लिए जिम्मेदार है। एक कुशल और जुनूनी शिक्षक छोटे बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- The teacher needs to have sound theoretical knowledge and be able to apply this in practical ways when interacting with young children. / शिक्षक को मूर्त सैद्धांतिक ज्ञान होना चाहिए और छोटे बच्चों के साथ बातचीत करते समय इसे व्यावहारिक तरीकों से लागू करने में सक्षम होना चाहिए।
- **ECCE Helper:** ECCE helper provides care and supervision to children under the guidance of the teacher. The helper helps and supports the teacher in conducting different activities as planned. / **ECCE सहायक:** ECCE हेल्पर शिक्षक के मार्गदर्शन में बच्चों की देखभाल और पर्यवेक्षण प्रदान करता है। सहायक योजना के अनुसार विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने में शिक्षक की सहायता और समर्थन करता है।

Criteria for Selection of Staff / कर्मचारियों के चयन के लिए मानदंड

Working with pre-schoolers requires certain skills and competencies. As early childhood is an important period, we need to employ personnel who are accordingly skilled and competent. / पूर्व प्राथमिक विद्यालयर्स के साथ काम करने के लिए कुछ कौशल और दक्षताओं की आवश्यकता होती है। चूंकि प्रारंभिक बाल्यावस्था एक महत्वपूर्ण अवधि है, इसलिए हमें ऐसे कर्मियों को नियुक्त करने की आवश्यकता है जो तदनुसार कुशल और सक्षम हों।

Even the government and the related ministries have laid down some important and mandatory skills and qualification as important for preschool teachers. / यहां तक कि सरकार और संबंधित मंत्रालयों ने पूर्व प्राथमिक विद्यालय शिक्षकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण और अनिवार्य कौशल और योग्यताएं निर्धारित की हैं।

Hence, the ECCE personnel employed must comply with the prescribed norms and qualifications. / इसलिए, नियोजित ECCE कर्मियों को निर्धारित मानदंडों और योग्यताओं का पालन करना होगा।

Professional Experience: Persons who are not trained can be provided with the necessary orientation in the initial stages and frequent refresher courses can also be organized for them. / व्यावसायिक अनुभव: जो व्यक्ति प्रशिक्षित नहीं हैं उन्हें प्रारंभिक चरण में आवश्यक अभिविन्यास प्रदान किया जा सकता है और उनके लिए बार-बार पुनश्चर्या पाठ्यक्रम भी आयोजित किए जा सकते हैं।

The teacher/personnel must know how to: / शिक्षक/कार्मिक को पता होना चाहिए कि कैसे:

- Promote child development and learning by creating learning environments based on a deep understanding of children's needs and development. / बच्चों की जरूरतों और विकास की गहरी समझ के आधार पर सीखने का माहौल बनाकर बाल विकास और सीखने को बढ़ावा देना।
- Build relationships with family and community that support and involve them in children's education. / परिवार और समुदाय के साथ संबंध बनाएं जो उनका समर्थन करें और उन्हें बच्चों की शिक्षा में शामिल करें।
- Systematically employ observation, documentation and assessment to positively influence children's development and learning. / बच्चों के विकास और सीखने पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए व्यवस्थित रूप से अवलोकन, दस्तावेज़ीकरण और मूल्यांकन को नियोजित करें।

- Promote learning and development by integrating knowledge of relationships with children and families; a wide array of effective educational approaches; content knowledge in each area of young children's learning; and how to plan and implement developmentally appropriate curriculum. / बच्चों और परिवारों के साथ संबंधों के ज्ञान को एकीकृत करके सीखने और विकास को बढ़ावा देना; प्रभावी शैक्षिक दृष्टिकोणों की एक विस्तृत श्रृंखला; छोटे बच्चों के सीखने के प्रत्येक क्षेत्र में सामग्री का ज्ञान; और विकासात्मक रूप से उपयुक्त पाठ्यक्रम की योजना और कार्यान्वयन कैसे करें।
- ECCE personnel with pleasant personality are suitable for working with young children. They need to have patience and a sense of responsibility, enthusiasm, creativity, sensitivity and spontaneity. / सुखद व्यक्तित्व वाले ECCE कर्मी छोटे बच्चों के साथ काम करने के लिए उपयुक्त हैं। उनमें धैर्य और जिम्मेदारी की भावना, उत्साह, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और सहजता होनी चाहिए।

Stakeholders in ECCE / ECCE में हितधारक

Stakeholders refers to any group that is affected by the working and policies of an organization. A stakeholder in education is anyone who is concerned and interested in the success of a school or school system. / हितधारकों से तात्पर्य किसी ऐसे समूह से है जो किसी संगठन के कामकाज और नीतियों से प्रभावित होता है। शिक्षा में हितधारक वह व्यक्ति है जो स्कूल या स्कूल प्रणाली की सफलता में चिंतित और रुचि रखता है।

There are four categories of stakeholders. / हितधारकों की चार श्रेणियां हैं।

1. Users / उपयोगकर्ता

Users are those who will use the products of the project or a programme. They are the beneficiaries of the output. For example, in an ECCE programme, the users are children and their parents. / उपयोगकर्ता वे हैं जो किसी प्रोजेक्ट या प्रोग्राम के उत्पादों का उपयोग करेंगे। वे आउटपुट के लाभार्थी हैं। उदाहरण के लिए, एक ECCE कार्यक्रम में, उपयोगकर्ता बच्चे और उनके माता-पिता हैं।

2. Governance stakeholders / शासन हितधारक

Auditors, regulators, health and safety executives are some examples of people who can be categorised as governance stakeholders. They are people who have an interest in how things are managed in the programme. / लेखा परीक्षक, नियामक, स्वास्थ्य और सुरक्षा अधिकारी ऐसे लोगों के कुछ उदाहरण हैं जिन्हें शासन हितधारकों के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। वे ऐसे लोग हैं जिनकी रुचि इस बात में है कि कार्यक्रम में चीज़ों का प्रबंधन कैसे किया जाता है।

3. Influencers / प्रभावित करने वाले हितधारक

The rules, regulation, policies of the government and specific needs of the family and community among others, influence what they need for their children. They are people who have the ability to change the programme being run by the preschool. / सरकार के नियम, विनियम, नीतियां और परिवार तथा समुदाय की विशिष्ट ज़रूरतें इस बात को प्रभावित करती हैं कि उन्हें अपने बच्चों के लिए क्या चाहिए। ये वे लोग हैं जो पूर्व प्राथमिक विद्यालय द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम को बदलने की क्षमता रखते हैं।

4. Providers / प्रदाता

It is evident that it is the school which provides the structured facilities for promoting learning and development of children. Providers include the management, staff and anyone else contributing to the services that benefit children. / यह स्पष्ट है कि यह स्कूल ही है जो बच्चों के सीखने और विकास को बढ़ावा देने के लिए संरचित सुविधाएं प्रदान करता है। प्रदाताओं में प्रबंधन, कर्मचारी और बच्चों को लाभ पहुंचाने वाली सेवाओं में योगदान देने वाला कोई भी अन्य व्यक्ति शामिल है।

CHAPTER 10 Administration & Management of ECCE Centre / ECCE केन्द्र का प्रशासन और प्रबंधन

Management refers to the organization and coordination of all activities being carried out in the enterprise in order to achieve its objectives. / प्रबंधन का तात्पर्य अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए उद्यम में की जाने वाली सभी गतिविधियों के संगठन और समन्वय से है।

The coordination encompasses activities like creating policies and organizing, planning, controlling and directing the organization's resources to achieve the objectives of policy of the organization. / समन्वय में संगठन की नीति के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए नीतियां बनाने और संगठन के संसाधनों को व्यवस्थित करने, योजना बनाने, नियंत्रित करने और निर्देशित करने जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

A preschool's management is typically responsible for: / पूर्व प्राथमिक विद्यालय का प्रबंधन आमतौर पर इसके लिए उत्तरदायी होता है:

- The direction and supervision of the work of all staff. / स्टाफ के काम का निर्देशन और पर्यवेक्षण।
- Recruitment, induction, training, development and performance management of staff. / स्टाफ की भर्ती, प्रेरण, प्रशिक्षण, विकास और प्रदर्शन प्रबंधन।
- Overall safety and well-being of the children in their care; / उनकी देखभाल में बच्चों की समग्र सुरक्षा और भलाई।
- Setting policies and procedures for the service and ensuring their implementation. / सेवा के लिए नीतियां और प्रक्रियाएं निर्धारित करना और उनका कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
- Ensuring compliance with the Child Care (Pre-School Services) Regulations and all other relevant legislation. / बच्चे की देखभाल (पूर्व प्राथमिक विद्यालय सेवाएँ) विनियमों और अन्य सभी प्रासंगिक कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करना।

Both administration and management are concerned with the basic functions of planning, organising and controlling. In organizations, there are typically **three levels of management**: / प्रशासन और प्रबंधन दोनों ही योजना, आयोजन और नियंत्रण के बुनियादी कार्यों से संबंधित हैं। संगठनों में, आमतौर पर **प्रवंधन के तीन स्तर** होते हैं:

- **Top level** comprising of the owners of the centre / **शीर्ष स्तर** पर केंद्र के मालिक शामिल हैं
- **Middle level** comprising of Centre Head and assistants / **मध्य स्तर** में केंद्र प्रमुख और सहायक शामिल होंगे
- **First level** comprising the ECCE staff/teachers / **प्रथम स्तर** में ECCE कर्मचारी/शिक्षक शामिल हैं

Supervision, Mentoring and Monitoring in Context of an ECCE Entre / ECCE प्रवेश के संदर्भ में पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन और निगरानी

1. Supervision / पर्यवेक्षण

Supervision is essentially the practice of monitoring the performance of ECCE centre staff, noting the merits and demerits and using suitable techniques to improve the shortcomings. / पर्यवेक्षण अनिवार्य रूप से ECCE केंद्र के कर्मचारियों के प्रदर्शन की निगरानी करने, गुण और दोषों को नोट करने और कमियों को सुधारने के लिए उपयुक्त तकनीकों का उपयोग करने का अभ्यास है।

It is an interaction between two or more persons with a combination or integration of processes, procedures and conditions. / यह प्रक्रियाओं, प्रक्रियाओं और शर्तों के संयोजन या एकीकरण के साथ दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच की बातचीत है।

Benefits of Supervision / पर्यवेक्षण के लाभ

- Supervision provides opportunity for learning in case there are any gaps in the knowledge or skills of the service provider. / सेवा प्रदाता के ज्ञान या कौशल में कोई कमी होने पर पर्यवेक्षण सीखने का अवसर प्रदान करता है।
- Supervision helps in building the team. / पर्यवेक्षण समूह के निर्माण में मदद करता है।
- Supervision also helps in making the teacher aware of new guidelines and notices. / पर्यवेक्षण शिक्षक को नए दिशानिर्देशों और नोटिसों से अवगत कराने में भी मदद करता है।
- Supervision helps the teacher relate better to the community. / पर्यवेक्षण शिक्षक को समुदाय से बेहतर ढंग से जुड़ने में मदद करता है।

The purpose or reasons for supervision are: / पर्यवेक्षण के उद्देश्य या कारण हैं:

- Checking on the availability of teaching-learning materials; / शिक्षण-अधिगम सामग्री की उपलब्धता की जाँच करना;
- Advising on the appropriateness of the teaching-learning materials in use; / उपयोग में आने वाली शिक्षण-अधिगम सामग्री की उपयुक्तता पर सलाह देना;
- Advising on the school environment; / स्कूल के माहौल पर सलाह देना;
- Promoting curriculum change and innovation; / पाठ्यक्रम परिवर्तन और नवाचार को बढ़ावा देना;
- Providing feedback on teacher performance; / शिक्षक के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया प्रदान करना;

2. Monitoring / निरिक्षण

Monitoring is very important in planning and implementation. Monitoring is about supervising activities in progress to ensure that they are on course and on schedule in meeting the objectives. / योजना एवं कार्यान्वयन में निरिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है। निरिक्षण का अर्थ प्रगति में चल रही गतिविधियों का पर्यवेक्षण करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सही समय पर और निर्धारित समय पर चल रही हैं।

Monitoring is the continuous review of programme implementation to identify and solve problems so that activities can be implemented correctly and effectively. / समस्याओं की पहचान करने और उन्हें हल करने के लिए कार्यक्रम कार्यान्वयन की निरंतर समीक्षा करना निरिक्षण है ताकि गतिविधियों को सही और प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

Monitoring provides useful information for: / निगरानी इनके लिए उपयोगी जानकारी प्रदान करती है:

- Analysing the programme. / कार्यक्रम का विश्लेषण करना।
- Determining whether the inputs are well utilised. / यह निर्धारित करना कि इनपुट का अच्छी तरह से उपयोग किया गया है या नहीं।
- Identifying problems faced and finding solutions. / सामने आने वाली समस्याओं की पहचान करना और समाधान खोजना।
- Ensuring all activities are carried out properly and in time. / यह सुनिश्चित करना कि सभी गतिविधियाँ ठीक से और समय पर की जाएं।

3. Mentoring / परामर्श

Very often supervision and mentoring are used synonymously, but they are different. Mentoring is a partnership of mutual benefits between the mentor (teacher/caregiver) and children. / अक्सर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन को पर्यायवाची रूप से उपयोग किया जाता है, लेकिन वे अलग-अलग हैं। मेंटरिंग, मेंटर (शिक्षक/देखभालकर्ता) और बच्चों के बीच पारस्परिक लाभ की साझेदारी है।

This is based upon encouragement, constructive comments, openness, mutual trust, respect and a willingness to share. / यह प्रोत्साहन, रचनात्मक टिप्पणियों, खुलेपन, आपसी विश्वास, सम्मान और साझा करने की इच्छा पर आधारित है।

The following are the functions of the mentor: / गुरु के कार्य निम्नलिखित हैं:

- Helps the mentee about a specific issue. / किसी विशिष्ट मुद्दे के बारे में प्रशिक्षु की सहायता करता है।
- Coaches the mentee on a particular skill. / प्रशिक्षु को किसी विशेष कौशल पर प्रशिक्षित करता है।
- Facilitates the mentee's growth by sharing resources and networks. / संसाधनों और नेटवर्क को साझा करके प्रशिक्षु के विकास को सुगम बनाता है।
- Challenges the mentee to move beyond his or her comfort zone. / शिष्य को उसके आराम क्षेत्र से आगे बढ़ने की चुनौती देता है।

Qualities and Roles of an ECCE Teacher / ECCE शिक्षक के गुण और भूमिकाएँ

- **Energetic, Enthusiastic and Motivated / ऊर्जावान, उत्साही और प्रेरित**

  Play leads to healthy development of children and enables them to learn and explore a variety of things around them. / खेल से बच्चों का स्वस्थ विकास होता है और वे अपने आस-पास की विभिन्न चीजों को सीखने और जानने में सक्षम होते हैं।

- **An Active and Empathetic Listener / एक सक्रिय और सदृश्य श्रोता**

  It is a known fact that to understand and feel the problems or situation of another person, one has to put oneself in that person's shoes. This is called 'empathy'. / यह एक ज्ञात तथ्य है कि किसी अन्य व्यक्ति की समस्याओं या स्थिति को समझने और महसूस करने के लिए, व्यक्ति को स्वयं को उस व्यक्ति के स्थान पर रखना होगा। इसे 'सहानुभूति' कहा जाता है।

- **Patient and Persistent / धैर्यवान और लगनशील**

  Teachers must have patience and persistence to address the needs of children. Teachers may find that during play and other activities, children might misplace toys or play material, mess up the classroom and dirty themselves. / बच्चों की जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षकों में धैर्य और दृढ़ता होनी चाहिए। शिक्षकों को लग सकता है कि खेल और अन्य गतिविधियों के दौरान, बच्चे खिलौने या खेल सामग्री का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं, कक्षा में गंदगी फैला सकते हैं और खुद को गंदा कर सकते हैं।

- **Flexible and Adjusting / लचीला और समायोजन**

  Teachers have to manage a classroom full of children with diverse needs and potentials. Planning to cater to these needs is a vital component of an ECCE programme. / शिक्षकों को विविध आवश्यकताओं और संभावनाओं वाले बच्चों से भरी कक्षा का प्रबंधन करना होता है। इन जरूरतों को पूरा करने की योजना ECCE कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण घटक है।

- **Creative and Innovative / रचनात्मक और नवाचारी**

  Children are curious. They want to explore the environment around them and find reasons for various phenomena./ बच्चे जिज्ञासु होते हैं. वे अपने आस-पास के वातावरण का पता लगाना चाहते हैं और विभिन्न घटनाओं के कारणों का पता लगाना चाहते हैं।

- **Organized / संगठित**

  ECCE teachers have to accomplish many things such as organizing the classroom, creating teaching learning materials, designing bulletin boards, conducting parent teacher meetings etc. / ECCE शिक्षकों को कई चीजें पूरी करनी होती हैं जैसे कक्षा को व्यवस्थित करना, शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करना, बुलेटिन बोर्ड डिजाइन करना, अभिभावक शिक्षक बैठकें आयोजित करना आदि।

- **Effective Communicator / प्रभावी संप्रेषक**

  Communication skills of teachers are significant as they need to communicate effectively with children, parents, the principal and the community. / शिक्षकों के संचार कौशल महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उन्हें बच्चों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापक और समुदाय के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने की आवश्यकता होती है।

Roles and Responsibilities of ECCE Teachers / ECCE शिक्षकों की भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ

- **Ensuring Safety and Security of Children / बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना**

  Children need to be physically and emotionally safe. An ECCE teacher must ensure that the ECCE centre is a safe place for them to move freely. They need to be continuously observed and supervised. / बच्चों को शारीरिक और भावनात्मक रूप से सुरक्षित रहने की जरूरत है। एक ECCE शिक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ECCE केंद्र उनके लिए स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए एक सुरक्षित स्थान है। उन पर लगातार नजर रखने और निगरानी रखने की जरूरत है.

- **Planning Activities / गतिविधियों की योजना बनाना**

  They are required to plan a number of activities including curriculum, time table, age appropriate indoor and outdoor learning activities, assessment procedures, parent teachers meeting, workshops etc. / गुणवत्तापूर्ण ECCE कार्यक्रम प्रदान करने के हर चरण में इसकी आवश्यकता होती है। उन्हें पाठ्यक्रम, समय सारणी, उम्र के अनुरूप आंतरिक और बाह्य शिक्षण गतिविधियों, मूल्यांकन प्रक्रियाओं, अभिभावक शिक्षकों की बैठक, कार्यशालाओं आदि सहित कई गतिविधियों की योजना बनाने की आवश्यकता होती है।

- **Designing and implementing ECCE Curriculum / ECCE पाठ्यक्रम को डिजाइन और कार्यान्वित करना**

  This is one of the most important roles of ECCE teachers. Teachers understand the needs and developmental levels of children. Hence, they should actively contribute in designing the curriculum which encompasses all the experiences provided to children. / यह ECCE शिक्षकों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक है। शिक्षक बच्चों की जरूरतों और विकास के स्तर को समझते हैं। इसलिए, उन्हें पाठ्यक्रम को डिजाइन करने में सक्रिय रूप से योगदान देना चाहिए जिसमें बच्चों को प्रदान किए गए सभी अनुभव शामिल हों।

Effective in Building Rapport with Parents and Community
माता-पिता और समुदाय के साथ संबंध बनाने में प्रभावी

Home and ECCE centres are two important places where young children grow, develop and learn. Positive attitude of teachers towards the role of parents in their children's care and education is essential. / घर और ECCE केंद्र दो महत्वपूर्ण स्थान हैं जहां छोटे बच्चे बढ़ते हैं, विकसित होते हैं और सीखते हैं। बच्चों की देखभाल और शिक्षा में माता-पिता की भूमिका के प्रति शिक्षकों का सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक है।

- **Self-Confidence and High Self-Esteem / आत्मविश्वास और उच्च आत्म-सम्मान**
  Self-confidence and high self-esteem are significant qualities of ECCE teachers. They must display these qualities in order to create a healthy and positive environment in the classroom. / आत्मविश्वास और उच्च आत्म-सम्मान ECCE शिक्षकों के महत्वपूर्ण गुण हैं। कक्षा में एक स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए उन्हें इन गुणों को प्रदर्शित करना चाहिए।
- **Well Trained / पूर्ण रूप से प्रशिक्षित**
  ECCE teachers are required to possess essential knowledge and skills to effectively deal with young children. In order to make learning experiences meaningful for children, teachers must understand the significance of the early years of life and quality ECCE. / ECCE शिक्षकों के पास छोटे बच्चों के साथ प्रभावी ढंग से व्यवहार करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल होना आवश्यक है। बच्चों के लिए सीखने के अनुभवों को सार्थक बनाने के लिए, शिक्षकों को जीवन के प्रारंभिक वर्षों और गुणवत्तापूर्ण ECCE के महत्व को समझना चाहिए।
- **Research Skills and Lifelong Learner / अनुसंधान कौशल और जीवन पर्यन्त शिक्षार्थी**
  To make the ECCE programme effective, teachers also need to engage in research. This enables them to solve immediate problems faced in the classrooms, revisit their teaching methodology and improve upon the teaching learning process. / ECCE कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों को शोध में भी शामिल होने की जरूरत है। यह उन्हें कक्षाओं में आने वाली तत्काल समस्याओं को हल करने, अपनी शिक्षण पद्धति पर दोबारा गौर करने और शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में सुधार करने में सक्षम बनाता है।

Parent Involvement / माता - पिता का दखल

In order to understand the meaning of parental involvement, we need to understand the following: / माता-पिता की भागीदारी का अर्थ समझने के लिए, हमें निम्नलिखित को समझने की आवश्यकता है:

- Helping parents to establish a stress-free, harmonious home environment that help children flourish freely and learn without fear. / माता-पिता को एक तनाव-मुक्त, सामंजस्यपूर्ण घरेलू वातावरण स्थापित करने में मदद करना जो बच्चों को स्वतंत्र रूप से बढ़ने और बिना किसी डर के सीखने में मदद करता है।
- Encouraging parents to volunteer and help during cultural programmes in the preschool or accompany the children during a theme-based or project- related excursion where additional adult supervision is required. / द्वितीय. माता-पिता को पूर्व प्राथमिक विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान स्वेच्छा से मदद करने या थीम-आधारित या प्रोजेक्ट-संबंधी भ्रमण के दौरान बच्चों के साथ जाने के लिए प्रोत्साहित करना, जहां अतिरिक्त वयस्क पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है।
- Keeping the communication channels open between home and preschool and encouraging exchanges of children's activities. / iii. घर और पूर्व प्राथमिक विद्यालय के बीच संचार चैनल खुले रखना और बच्चों की गतिविधियों के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना।

CHAPTER 11

Understanding Diversity
विविधता को समझना

Understanding Diversity / विविधता को समझना

The term diversity originated from the Latin word "**diversus**" which indicates differences. / विविधता शब्द की उत्पत्ति लैटिन शब्द **"डायवर्सस"** से हुई है जो मतभेदों को इंगित करता है।

Diverse means 'differing from each other' and 'made up of distinct characteristics, qualities, or elements'. Being a large country with a large population, India presents endless varieties of physical features and cultural patterns. It is a land of diversity in race, religion, caste, language, and so on. / विविधता का अर्थ है 'एक दूसरे से भिन्न होना' और 'विशिष्ट विशेषताओं, गुणों या तत्वों से बना होना'। विशाल जनसंख्या वाला एक बड़ा देश होने के नाते, भारत अनगिनत प्रकार की भौतिक विशेषताओं और सांस्कृतिक पैटर्न प्रस्तुत करता है। यह नस्ल, धर्म, जाति, भाषा आदि में विविधता की भूमि है।

However, to accurately talk about diversity, especially in the classroom, we need to consider more factors like: / हालाँकि, विविधता के बारे में सूक्ष्मता से बात करने के लिए, विशेषकर कक्षा में, हमें और अधिक कारकों पर विचार करने की आवश्यकता है:

- Race / नस्ल
- Multilingualism / बहुभाषिकता
- Ethnicity / नृजातीयता
- Gender / लिंग
- Socio-economic status / सामाजिक आर्थिक स्थिति
- Age / आयु
- Level of physical activities / शारीरिक गतिविधियों का स्तर
- Religious beliefs / धार्मिक विश्वास
- Learning style / अधिगम की शैली

Role of Government / सरकार की भूमिका

The changing approaches to disability from the charity model to the human rights model have resulted in diversity of policy and practice. In the 1970s, the IEDC scheme was launched by the Government of India for providing educational opportunities to learners with SEN (Special Educational Needs) in regular schools. / चैरिटी मॉडल से लेकर मानवाधिकार मॉडल तक दिव्यांगता के प्रति बदलते दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप नीति और व्यवहार में विविधता आई है। 1970 के दशक में, भारत सरकार द्वारा नियमित स्कूलों में SEN (विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं) वाले शिक्षार्थियों को शैक्षिक अवसर प्रदान करने के लिए IEDC योजना शुरू की गई थी।

The Salamanca Statement and Framework for Action in 1990s, adopted by representatives of 92 Governments and 25 International Organisations has, in fact, set the policy agenda for inclusive education on a global basis. / 1990 के दशक में 92 सरकारों और 25 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा अपनाए गए सलामांका वक्तव्य और कार्रवाई की रूपरेखा ने, वास्तव में, वैश्विक आधार पर समावेशी शिक्षा के लिए नीति एजेंडा निर्धारित किया है।

Significant Milestones in Legislation / विधान में महत्वपूर्ण पड़ाव

(i) Inclusion of Integrated Education for Disabled Children (IEDC, 1974) / दिव्यांग बच्चों के लिए एकीकृत शिक्षा का समावेश (IEDC, 1974)

The government launched a Centrally Sponsored Scheme of Integrated Education for Disabled Children (IEDC). The scheme aimed at providing educational opportunities to learners with disabilities in regular schools, and to facilitate their achievement and retention. The IEDC scheme provides for a wide range of incentives and interventions for the education of children with disabilities. / सरकार ने दिव्यांग बच्चों के लिए एकीकृत शिक्षा (IEDC) की एक केंद्र प्रायोजित योजना शुरू की। इस योजना का उद्देश्य नियमित स्कूलों में दिव्यांग शिक्षार्थियों को शैक्षिक अवसर प्रदान करना और उनकी उपलब्धि और ठहराव को सुविधाजनक बनाना है। IEDC योजना दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के लिए व्यापक प्रोत्साहन और हस्तक्षेप प्रदान करती है।

(ii) The National Policy on Education, (NPE) 1986 and its Plan of Action (POA), 1992 / राष्ट्रीय शिक्षा नीति, (NPE) 1986 और इसकी कार्य योजना (POA), 1992

The National Policy on Education (NPE), 1986 states that children with mild disabilities should be included in mainstream classrooms, whereas children with moderate to severe disabilities should be placed in segregated schools. The NPE brought the fundamental issue of equality, center stage. / राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनपीई), 1986 में कहा गया है कि कम दिव्यांगता वाले बच्चों को मुख्यधारा की कक्षाओं में शामिल किया जाना चाहिए, जबकि मध्यम से गंभीर दिव्यांगता वाले बच्चों को अलग स्कूलों में रखा जाना चाहिए। एनपीई ने समानता के बुनियादी मुद्दे को केंद्र में ला दिया।

(iii) The RCI Act 1992 / भारतीय पुनर्वास परिषद् 1992

The RCI Act provides standards for rehabilitation professionals. It also sets standards for special education teachers trained to teach children with different disabilities. The RCI Act is solely concerned with manpower development for the rehabilitation of persons with disabilities. / आरसीआई अधिनियम पुनर्वास पेशेवरों के लिए मानक प्रदान करता है। यह विभिन्न दिव्यांगता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित विशेष शिक्षा शिक्षकों के लिए मानक भी निर्धारित करता है। आरसीआई अधिनियम पूरी तरह से दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए जनशक्ति विकास से संबंधित है।

(iv) The National Trust Act, 1999 / राष्ट्रीय न्यास अधिनियम, 1999

The National Trust Act (National Trust for the Welfare of Persons with Autism, Cerebral Palsy, Mental Retardation and Multiple Disability), 1999 is a landmark legislation which seeks to protect and promote the rights of persons who come within the disability sector, and have been even more marginalised than others. / राष्ट्रीय ट्रस्ट अधिनियम (ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता और एकाधिक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय ट्रस्ट), 1999 एक ऐतिहासिक कानून है जो दिव्यांगता क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा और प्रचार करना चाहता है, और किया गया है। दूसरों की तुलना में और भी अधिक हाशिए पर।

(v) National Policy for Persons with Disabilities, 2006 / दिव्यांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय नीति, 2006

It was released by the Ministry of Social Justice and Empowerment in February 2006. As per the policy, every child should have access to appropriate pre-school, primary and secondary level of education by 2020.The programme provides children with disabilities, "financial support for books, school uniforms, transportation, special equipment and aids," with the intention of using

these aids to include children in mainstream classrooms. / इसे फरवरी 2006 में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी किया गया था। नीति के अनुसार, प्रत्येक बच्चे को 2020 तक उचित पूर्व प्राथमिक विद्यालय, प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की शिक्षा तक पहुंच मिलनी चाहिए। यह कार्यक्रम दिव्यांग बच्चों को "वित्तीय सहायता" प्रदान करता है। किताबों, स्कूल की वर्दी, परिवहन, विशेष उपकरण और सहायता के लिए," इन सहायता का उपयोग बच्चों को मुख्यधारा की कक्षाओं में शामिल करने के इरादे से किया गया है।

(vi) Right to Education, (RTE) Act 2009 / शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE), 2009

The RTE Act safeguards the rights of the children belonging to the disadvantaged groups and the weaker sections, protecting them from any kind of discrimination and ensure their completion of elementary education / आरटीई अधिनियम वंचित समूहों और कमजोर वर्गों के बच्चों के अधिकारों की रक्षा करता है, उन्हें किसी भी प्रकार के भेदभाव से बचाता है और उनकी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करना सुनिश्चित करता है। It is not disability-specific but is inclusive of all children with disabilities, with specific sections that address the educational rights of children with disabilities. / यह दिव्यांगता-विशिष्ट नहीं है, बल्कि इसमें दिव्यांगता वाले सभी बच्चों को शामिल किया गया है, जिसमें विशिष्ट अनुभाग हैं जो दिव्यांग बच्चों के शैक्षिक अधिकारों को संबोधित करते हैं।

(vii)The Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 / दिव्यांग अधिकार अधिनियम, 2016

The Act replaces the Persons with Disabilities (Equal Opportunities, Protection of Rights and Full Participation) Act, 1995. It fulfills the obligations to the United National Convention on the Rights of Persons with Disabilities (UNCRPD), to which India is a signatory. The Act came into force during December 2016. / यह अधिनियम दिव्यांग व्यक्तियों (समान अवसर, अधिकारों की सुरक्षा और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 का स्थान लेता है। यह दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्रीय कन्वेंशन (यूएनसीआरपीडी) के दायित्वों को पूरा करता है, जिस पर भारत एक हस्ताक्षरकर्ता है। यह अधिनियम दिसंबर 2016 के दौरान लागू हुआ।

Children with Disabilities / दिव्यांग बच्चे

Disability can be defined as any limitation or restriction to perform developmentally appropriate activities which are desired by society. " It described disability at **three levels:** / दिव्यांगता को समाज द्वारा वांछित विकासात्मक रूप से उपयुक्त गतिविधियों को करने में किसी भी सीमा या प्रतिबंध के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। इसमें **तीन स्तरों** पर दिव्यांगता का वर्णन किया गया है:

- An impairment in body function or structure, such as a cataract which prevents the passage of light and sensing of form, shape, and size of visual stimuli; / शरीर के कार्य या संरचना में हानि, जैसे कि मोतियाबिंद जो प्रकाश के पारित होने और दृश्य उत्तेजनाओं के रूप, आकार और आकार को समझने में बाधा उत्पन्न करता है;
- A limitation in activity, such as the inability to read or move around; / गतिविधि में एक सीमा, जैसे पढ़ने या घूमने-फिरने में असमर्थता;
- A restriction in participation, such as exclusion from school. / भागीदारी पर प्रतिबंध, जैसे स्कूल से बहिष्कार।

The term, children with disabilities, is used to refer to the children with disabling health conditions or impairment or as a result of illness, poor nutrition or injury. / शब्द, दिव्यांग बच्चे, का उपयोग दिव्यांग स्वास्थ्य स्थितियों या हानि या बीमारी, खराब पोषण या चोट के परिणामस्वरूप होने वाले बच्चों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

Major Disabilities / प्रमुख अक्षमताए

- **Sensory impairment:** Any condition which implies a loss or impairment of the sensory organs such as hearing, vision, speech and olfactory senses. While a majority of such conditions can be treated and rehabilitated, some conditions persist lifelong and might require therapy and constant support. / **संवेदी दुर्बलता:** कोई भी स्थिति जिसमें श्रवण, दृष्टि, भाषण और घ्राण इंद्रियों जैसे संवेदी अंगों की हानि या हानि होती है। हालाँकि ऐसी अधिकांश स्थितियों का इलाज और पुनर्वास किया जा सकता है, कुछ स्थितियाँ आजीवन बनी रहती हैं और उन्हें चिकित्सा और निरंतर सहायता की आवश्यकता हो सकती है।
- **Developmental disabilities:** These are diverse group of chronic conditions which are due to mental or physical impairment. This may include delayed or abnormal development. The conditions such as Autism Spectrum Disorder, Cerebral Palsy, Down syndrome and Asperger Syndrome falls under this. / **विकासात्मक अक्षमताएँ:** ये दीर्घावधि स्थितियों के विविध समूह हैं जो मानसिक या शारीरिक हानि के कारण होते हैं। इसमें विलंबित या असामान्य विकास शामिल हो सकता है। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर, सेरेब्रल पाल्सी, डाउन सिंड्रोम और एस्पर्जर सिंड्रोम जैसी स्थितियां इसके अंतर्गत आती हैं।
- **Learning disability:** This refers to an impairment of cognitive abilities that manifests as a certain type of learning-related disability. These differ from child to child, based on the particular cognitive function that is affected like: / **अधिगम अक्षमता:** यह संज्ञानात्मक क्षमताओं की हानि को संदर्भित करता है जो एक निश्चित प्रकार की सीखने से संबंधित दिव्यांगता के रूप में प्रकट होती है। ये प्रत्येक बच्चे के प्रभावित होने वाले विशेष संज्ञानात्मक कार्य के आधार पर भिन्न-भिन्न होते हैं:
  - Input (difficulty processing visual information) / इनपुट (दृश्य जानकारी संसाधित करने में कठिनाई)
  - Difficulty in processing audio or lingual information / ऑडियो या भाषाई सूचनाओं के प्रसंस्करण में कठिनाई
  - Integration (putting together the information and making sense of it) / एकीकरण (जानकारी को एक साथ रखना और उसका अर्थ निकालना)
  - Storage (memory-related) / भंडारण (स्मृति-संबंधी)
  - Output (having trouble expressing the information) / आउटपुट (जानकारी व्यक्त करने में परेशानी हो रही है)
- **Behavioural issues:** Children with behavioural issues may experience difficulty in responding to the regular forms of care and discipline that works with other children. For example, conditions like Attention Deficit Hyperactivity Disorder (ADHD), Oppositional Defiant Disorder (ODD) and Conduct Disorder (CD) are difficult to identify and diagnose since many of these children are initially assumed to be 'difficult' or 'temperamental'. / **व्यवहारगत संबंधी समस्याएँ:** व्यवहार संबंधी समस्याएँ बच्चों को अन्य बच्चों के साथ काम करने वाली देखभाल और अनुशासन के नियमित रूपों का जवाब देने में कठिनाई का अनुभव हो सकता है। उदाहरण के लिए, अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (ADHD), विपक्षी डिफिएंट डिसऑर्डर (ODD) और कंडक्ट डिसऑर्डर (CD) जैसी स्थितियों को पहचानना और निदान करना मुश्किल है क्योंकि इनमें से कई बच्चों को शुरू में 'मुश्किल' या 'स्वभावपूर्ण' माना जाता है।
- **Mental and psychological conditions:** Delayed mental development and mental retardation can be listed as intellectual disorders in children while conditions such as anxiety, chronic depression and mood swings can be classified as psychological disorders. While children with intellectual disorders have early symptoms that can be diagnosed easily, psychological disorders take longer to be detected. / **मानसिक और मनोवैज्ञानिक स्थितियाँ:** विलंबित मानसिक विकास और मानसिक मंदता को बच्चों में बौद्धिक विकारों के रूप में सूचीबद्ध किया जा सकता है, जबकि चिंता, दीर्घावधि

अवसाद और मनोदशा में बदलाव जैसी स्थितियों को मनोवैज्ञानिक विकारों के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। जबकि बौद्धिक विकारों वाले बच्चों में शुरुआती लक्षण होते हैं जिनका आसानी से निदान किया जा सकता है, मनोवैज्ञानिक विकारों का पता चलने में अधिक समय लगता है।

- **Medical conditions:** This bracket includes children suffering from weakening chronic conditions such as heart disease, muscular dystrophy, cancer, cerebral palsy, etc. These children may suffer from long periods of extremely poor health, interspersed with numerous tests, hospital stays and prolonged medication. This negatively impacts a normal childhood. / **चिकित्सीय स्थितियाँ:** इस वर्ग में हृदय रोग, मस्कुलर डिस्ट्रॉफी, कैंसर, सेरेब्रल पाल्सी आदि जैसी कमजोर पुरानी स्थितियों से पीड़ित बच्चे शामिल हैं। ये बच्चे लंबे समय तक बेहद खराब स्वास्थ्य से पीड़ित हो सकते हैं, कई परीक्षणों, अस्पताल में रहने और लंबी दवा के कारण। यह सामान्य बाल्यावस्था पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

Early Identification / प्रारंभिक पहचान

Early identification is everyone's responsibility : parents, teachers and other caregivers. There is an increased expectation of all school staff to identify a child who is struggling and put the support in place. Thus, it is important that they have the skills and knowledge they need, to be able to do so. / शीघ्र पहचान करना हर किसी की जिम्मेदारी है: माता-पिता, शिक्षक और अन्य देखभालकर्ता। सभी स्कूल स्टाफ से यह अपेक्षा बढ़ गई है कि वे संघर्ष कर रहे एक बच्चे की पहचान करें और उसकी सहायता करें। इस प्रकार, यह महत्वपूर्ण है कि ऐसा करने में सक्षम होने के लिए उनके पास आवश्यक कौशल और ज्ञान हो।

Early Identification Strategies / प्रारंभिक पहचान रणनीतियाँ

The identification process includes: / पहचान प्रक्रिया में शामिल हैं:

- **Screening:** Screening refers to determining the areas where children need assistance. There should be a system to identify, locate, and evaluate all children with disabilities who need early intervention or special education services. / **स्क्रीनिंग:** स्क्रीनिंग से तात्पर्य उन क्षेत्रों का निर्धारण करना है जहां बच्चों को सहायता की आवश्यकता है। उन सभी दिव्यांग बच्चों की पहचान करने, पता लगाने और उनका मूल्यांकन करने के लिए एक प्रणाली होनी चाहिए जिन्हें शीघ्र हस्तक्षेप या विशेष शिक्षा सेवाओं की आवश्यकता है।
- **Risk indicators and protective factors:** A range of environmental, biological, genetic, and prenatal conditions are associated with adverse developmental outcomes and may be considered as risk indicators or warning signs of learning disability. / **जोखिम संकेतक और सुरक्षात्मक कारक:** पर्यावरणीय, जैविक, आनुवंशिक और जन्मपूर्व स्थितियों की एक श्रृंखला प्रतिकूल विकासात्मक परिणामों से जुड़ी हुई है और इसे जोखिम संकेतक या सीखने की दिव्यांगता के चेतावनी संकेत के रूप में माना जा सकता है।
- **Systematic observations :** Systematic observations of a child's behavior and abilities over time is important. Observations may be informal or may follow a standard observation methodology. In either case, they should be conducted multiple times and in varying contexts (e.g., home, preschool, classroom, playgroup). / **व्यवस्थित अवलोकन:** समय के साथ बच्चे के व्यवहार और क्षमताओं का व्यवस्थित अवलोकन महत्वपूर्ण है। अवलोकन अनौपचारिक हो सकते हैं या मानक अवलोकन पद्धति का पालन कर सकते हैं। किसी भी मामले में, उन्हें कई बार और अलग-अलग संदर्भों में आयोजित किया जाना चाहिए (उदाहरण के लिए, घर, पूर्व प्राथमिक विद्यालय, कक्षा, प्लेग्रुप)।
- **Comprehensive evaluation:** When a screening, a review of risk indicators and protective factors, and systematic observations suggest that a child is at risk then professionals should conduct periodic evaluations to ascertain whether development follows expected patterns / **व्यापक मूल्यांकन:** जब एक स्क्रीनिंग, जोखिम संकेतकों और सुरक्षात्मक कारकों की समीक्षा, और व्यवस्थित

टिप्पणियों से पता चलता है कि एक बच्चा जोखिम में है तो पेशेवरों को यह सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर मूल्यांकन करना चाहिए कि क्या विकास अपेक्षित पैटर्न का पालन करता है।

Early Interventions / प्रारंभिक हस्तक्षेप

Early intervention services are a range of special and specific services to help young children who have developmental delays. / प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवाएँ उन छोटे बच्चों की मदद करने के लिए विशेष और विशिष्ट सेवाओं की एक श्रृंखला है जिनके विकास में देरी होती है।

Early intervention helps to address the developmental delays and can make a crucial difference in the children's life. / शुरुआती हस्तक्षेप से विकास संबंधी देरी को दूर करने में मदद मिलती है और बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आ सकता है।

A child who qualifies for an early intervention programme may receive one or more of these services / एक बच्चा जो प्रारंभिक हस्तक्षेप कार्यक्रम के लिए अर्हता प्राप्त करता है, उसे इनमें से एक या अधिक सेवाएँ प्राप्त हो सकती हैं:

- Screening and assessment / स्क्रीनिंग और मूल्यांकन
- Speech and language therapy / वाक् एवं भाषा चिकित्सा
- Physical or occupational therapy / शारीरिक या व्यावसायिक चिकित्सा
- Psychological services / मनोवैज्ञानिक सेवाएँ
- Home visits / घर का दौरा
- Medical, nursing or nutrition services / चिकित्सा, नर्सिंग या पोषण सेवाएँ
- Hearing (audiology) or vision services / श्रवण (ऑडियोलॉजी) या दृष्टि सेवाएं
- Social work services / सामाजिक कार्य सेवाएँ
- Transportation or mobility / परिवहन या गतिशीलता

Advantages of early interventions / प्रारंभिक हस्तक्षेप के लाभ

- Improve children's developmental, social and educational gains / बच्चों के विकासात्मक, सामाजिक और शैक्षणिक लाभ में सुधार करें
- Reduce feelings of isolation, stress and frustration that families may experience / परिवारों द्वारा अनुभव की जाने वाली अलगाव, तनाव और हताशा की भावनाओं को कम करें
- Help alleviate and reduce behavioural issues by using positive behaviour strategies and interventions / सकारात्मक व्यवहार रणनीतियों और हस्तक्षेपों का उपयोग करके व्यवहार संबंधी मुद्दों को कम करने और कम करने में सहायता करें
- Help children with disabilities grow up to become productive, independent individuals / दिव्यांग बच्चों को बड़े होकर उत्पादक, स्वतंत्र व्यक्ति बनने में मदद करें
- Reduce the future costs of special education, rehabilitation and healthcare needs / विशेष शिक्षा, पुनर्वास और स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं की भविष्य की लागत को कम करें

Strategies for Early Intervention / प्रारंभिक हस्तक्षेप के लिए रणनीतियाँ

- Occupational therapy can help with fine motor skills, play and self-help skills like dressing and toilet training. / व्यावसायिक चिकित्सा ठीक गत्यात्मक कौशल, खेल और स्व-सहायता कौशल जैसे ड्रेसिंग और शौचालय प्रशिक्षण में मदद कर सकती है।
- Physiotherapy can help with motor skills like balance, sitting, crawling and walking. / फिजियोथेरेपी संतुलन, बैठने, रेंगने और चलने जैसे गत्यात्मक कौशल में मदद कर सकती है।

- Speech therapy can help with speech, language, eating and drinking skills. / स्पीच थेरेपी भाषण, भाषा, खाने और पीने के कौशल में मदद कर सकती है।

Characteristics of Quality Interventions / गुणवत्ता हस्तक्षेप के लक्षण

(i) Family-centred / परिवार-केन्द्रित

- Includes the family members to work alongside the professionals and learn how to help the child. / इसमें परिवार के सदस्यों को पेशेवरों के साथ मिलकर काम करना और बच्चे की मदद करना सीखना शामिल है।
- Is flexible, can be offered in the home as well as in other settings such as preschools and early intervention centres. / लचीला है, इसे घर के साथ-साथ अन्य सेटिंग्स जैसे पूर्व प्राथमिक विद्यालय और प्रारंभिक हस्तक्षेप केंद्रों में भी पेश किया जा सकता है।
- Provides the family with support and guidance. / परिवार को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करता है।

(ii) Developmentally appropriate / विकासात्मक रूप से उपयुक्त

- Is specially designed for children in relation to the disability. / विशेष रूप से दिव्यांगता के संबंध में बच्चों के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- Has staff who are specially trained in the intervention and services they provide. / इसमें ऐसे कर्मचारी हैं जो हस्तक्षेप और उनके द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं।
- Develops an individual plan for each child and reviews the plan regularly. / प्रत्येक बच्चे के लिए एक व्यक्तिगत योजना विकसित करता है और नियमित रूप से योजना की समीक्षा करता है।
- Tracks the children's progress with regular assessments. / नियमित मूल्यांकन के साथ बच्चों की प्रगति पर नज़र रखता है।

(iii) Child-focused / बाल-केंद्रित

- Includes strategies to help children practice difficult skills or learn new skills and use them in different settings. / इसमें बच्चों को कठिन कौशल का अभ्यास करने या नए कौशल सीखने और विभिन्न सेटिंग्स में उनका उपयोग करने में मदद करने के लिए रणनीतियाँ शामिल हैं।
- Prepares and supports children for optimum development. / बच्चों को सर्वोत्तम विकास के लिए तैयार करता है और उनका समर्थन करता है।
- Finds ways of getting children with disability together with other children, ideally of the same age. / दिव्यांग बच्चों को आदर्श रूप से समान उम्र के अन्य बच्चों के साथ मिलाने के तरीके ढूँढता है।

(iv) Supportive and structured / सहयोगात्मक और संरचित

- Provides a supportive learning environment where children feel comfortable and supported. / एक सहायक शिक्षण वातावरण प्रदान करता है जहां बच्चे सहज और समर्थित महसूस करते हैं।
- Is highly structured, well organised, regular and predictable. / अत्यधिक संरचित, सुव्यवस्थित, नियमित और पूर्वानुमानित है।
- These interventions consist of multidisciplinary services to enhance skills, minimise developmental delays and functional deterioration and promote health and well-being of children. / इन हस्तक्षेपों में कौशल बढ़ाने, विकास संबंधी देरी और कार्यात्मक गिरावट को कम करने और बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए बहु-विषयक सेवाएं शामिल हैं।

Assistive technology / सहायक तकनीक

Assistive technology refers to "any item, piece of equipment, or product system, whether acquired commercially, modified, or customized, that is used to increase, maintain, or improve functional capabilities of individuals with disabilities." / सहायक तकनीक का तात्पर्य "किसी भी वस्तु, उपकरण का टुकड़ा, या उत्पाद प्रणाली, चाहे वह व्यावसायिक रूप से प्राप्त किया गया हो, संशोधित किया गया हो, या अनुकूलित किया गया हो, जिसका उपयोग दिव्यांग व्यक्तियों की कार्यात्मक क्षमताओं को बढ़ाने, बनाए रखने या सुधारने के लिए किया जाता है।"

Assistive technology can enhance the quality of life of both children and their families through communication, mobility, self-care, household tasks, family relationships, education, and engagement in play and recreation. / सहायक तकनीक संचार, गतिशीलता, आत्म-देखभाल, घरेलू कार्यों, पारिवारिक संबंधों, शिक्षा और खेल और मनोरंजन में संलग्नता के माध्यम से बच्चों और उनके परिवारों दोनों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकती है।

Providing assistive technology to children as early as possible will facilitate their development and prevent secondary conditions such as deformities. / बच्चों को यथाशीघ्र सहायक प्रौद्योगिकी प्रदान करने से उनके विकास में आसानी होगी और विकृति जैसी माध्यमिक स्थितियों को रोका जा सकेगा।

Examples of Assistive Technologies / सहायक तकनीको के उदाहरण

- Mobility aids, such as wheelchairs, scooters, walkers, canes, crutches, prosthetic devices, and orthotic devices. / गति सम्बन्धी सहायक उपकरण, जैसे व्हीलचेयर, स्कूटर, वॉकर, छड़ी, बैसाखी, कृत्रिम उपकरण और ऑर्थोटिक उपकरण।
- Hearing aids to hear or hear more clearly. / अधिक स्पष्टता से सुनने या सुनने के लिए श्रवण यंत्र
- Braille, speech-audio recorders or screen-reader for visually impaired / दृष्टिबाधितों के लिए ब्रेल, भाषण, ऑडियो रिकॉर्डर या स्क्रीन-रीडर।
- Cognitive aids, including computer or electrical assistive devices, to help with memory, attention, or other challenges. / स्मृति, ध्यान या अन्य चुनौतियों में मदद के लिए कंप्यूटर या विद्त सहायक उपकरणों सहित संज्ञानात्मक सहायता।
- Computer software and hardware, such as voice recognition programs, screen readers, and screen enlargement applications. / कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर और हार्डवेयर, जैसे ध्वनि पहचान प्रोग्राम, स्क्रीन रीडर और स्क्रीन इज़ाफ़ा अनुप्रयोग।
- Tools such as automatic page turners, book holders, and adapted pencil grips to help children with disabilities participate in educational activities. / दिव्यांग बच्चों को शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेने में मदद करने के लिए स्वचालित पेज टर्नर, बुक होल्डर और अनुकूलित पेंसिल पकड़ जैसे उपकरण।
- Physical modifications in the built environment, including ramps, grab bars, and wider doorways to enable access to school. / निर्मित वातावरण में भौतिक संशोधन, जिसमें स्कूल तक पहुंच को सक्षम करने के लिए रैंप, ग्रैब बार और व्यापक दरवाजे शामिल हैं।
- Lightweight, high-performance mobility devices that enable to play sports and be physically active. / हल्के, उच्च प्रदर्शन वाले गतिशीलता उपकरण जो खेल खेलने और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने में सक्षम बनाते हैं।

Barriers to Assistive Technology / सहायक प्रौद्योगिकी में बाधाएँ

- **Lack of awareness:** Many people with disabilities and their families have limited awareness of assistive products and services. / **जागरूकता का अभाव:** कई विकलांग लोगों और उनके परिवारों में सहायक उत्पादों और सेवाओं के बारे में जागरूकता सीमित है।
- **Lack of governance including legislation, policies and national programmes:** For many states, provision of assistive technology is a relatively low area of priority. / **कानून, नीतियों और राष्ट्रीय कार्यक्रमों सहित शासन का अभाव:** कई राज्यों के लिए, सहायक प्रौद्योगिकी का प्रावधान प्राथमिकता का अपेक्षाकृत कम क्षेत्र है।
- **Lack of services:** Assistive technology services are often in short supply and located far away from where children with disabilities live. / **सेवाओं का अभाव:** सहायक प्रौद्योगिकी सेवाएँ अक्सर कम आपूर्ति में होती हैं और जहाँ विकलांग बच्चे रहते हैं, उससे बहुत दूर स्थित होती हैं।
- **Lack of products:** In many countries, there is no production of assistive products or are produced on a small scale. It is small not only in terms of quantity, but also in terms of the range of types, models and sizes of the products. / **उत्पादों का अभाव:** कई देशों में, सहायक उत्पादों का कोई उत्पादन नहीं होता है या छोटे पैमाने पर उत्पादित किया जाता है। यह न केवल मात्रा के मामले में छोटा है, बल्कि उत्पादों के प्रकार, मॉडल और आकार की सीमा के मामले में भी छोटा है।

CHAPTER 12

Pre-school Education
पूर्व प्राथमिक शिक्षा

Preschool education is the education imparted to children in 3–6 years age group. It is the first stage of organised education. Preschool education is also known as pre-primary education. It is provided in any of the settings, such as anganwadies, nursery schools, preschools, preparatory schools, kindergartens, Montessori schools and pre-primary sections in government and private schools. / पूर्व प्राथमिक शिक्षा 3-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा है। यह संगठित शिक्षा का प्रथम चरण है। पूर्व प्राथमिक शिक्षा को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के रूप में भी जाना जाता है। यह किसी भी सेटिंग में प्रदान किया जाता है, जैसे कि आंगनवाड़ी, नर्सरी स्कूल, प्रीस्कूल, प्रारंभिक स्कूल, किंडरगार्टन, मोंटेसरी स्कूल और सरकारी और निजी स्कूलों में पूर्व-प्राथमिक अनुभाग।

Aims of Preschool Education / पूर्व प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्य

The overarching aims of preschool education are: / पूर्व प्राथमिक शिक्षा के व्यापक उद्देश्य हैं:

- Providing strong foundations for all round development and life-long learning. / बच्चो को सर्वांगीण विकास और जीवन भर सीखने के लिए मजबूत नींव प्रदान करना।
- Preparing the child for school. / बच्चे को स्कूल के लिए तैयार करना।

Objectives of Preschool Education / पूर्व प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्य

- To ensure child-friendly environment where each child is valued, and respected, feels safe, and secure and develops a positive self-concept. / बाल-अनुरूप वातावरण सुनिश्चित करना जहां प्रत्येक बच्चे को महत्व दिया जाए और उसका सम्मान किया जाए, वह सुरक्षित महसूस करे और एक सकारात्मक आत्म-अवधारणा विकसित करे।
- To enable a sound foundation for good health, well-being, nutrition, healthy habits and hygiene. / बेहतर स्वास्थ्य, कल्याण, पोषण, स्वस्थ आदतों और स्वच्छता के लिए एक मजबूत आधार तैयार करना।
- To enable children to become effective communicators and foster both receptive and expressive language. / बच्चों को प्रभावी संचारक बनने में सक्षम बनाना और ग्रहणशील और अभिव्यंजक भाषा दोनों को बढ़ावा देना।
- To help children become involved learners, think critically, be creative, collaborate, communicate and connect with their immediate environment. / बच्चों को शामिल शिक्षार्थी बनने, गंभीर रूप से सोचने, रचनात्मक बनने, सहयोग करने, संवाद करने और उनके तत्काल परिवेश से जुड़ने में मदद करने के लिए।
- To enable a smooth transition of children from preschool to primary schools. / पूर्व प्राथमिक से प्राथमिक विद्यालयों तक बच्चों के सुचारु परिवर्तन को सक्षम बनाना।
- To work as partners with parents and community to enable each child to flourish. / प्रत्येक बच्चे को आगे बढ़ने में सक्षम बनाने के लिए माता-पिता और समुदाय के साथ भागीदार के रूप में काम करना।

Guiding Principles for Preschool Curriculum / पूर्व प्राथमिक पाठ्यक्रम के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत

- Learning is continuous and cumulative. / सीखना सतत एवं संचयी है।
- Evidence from neuroscience proves that early learning matters for later outcomes. / तंत्रिका विज्ञान के साक्ष्य साबित करते हैं कि प्रारंभिक शिक्षा बाद के परिणामों को प्रभावित करता है।
- Each child is different and grows, learns and develops on one's own pace. / प्रत्येक बच्चा अलग है और अपनी गति से बढ़ता है, सीखता है और विकसित होता है।
- Play and activity are the primary context of learning and development. / खेल और गतिविधि सीखने और विकास का प्राथमिक संदर्भ हैं।
- Responsive and supportive interactions with adults are essential to children's learning: / बच्चों के सीखने के लिए वयस्कों के साथ उत्तरदायी और सहायक बातचीत आवश्यक है:
- Children learn by being provided the environment for experiential learning. / बच्चे अनुभवात्मक शिक्षा के लिए वातावरण प्रदान करके सीखते हैं।
- Interactive teaching enhances learning experiences. / इंटरैक्टिव शिक्षण सीखने के अनुभवों को बढ़ाता है
- Mother tongue or home language should be the medium of instruction. / शिक्षा का माध्यम मातृभाषा या घरेलू भाषा होनी चाहिए।

Goals of Preschool Education Learning / पूर्व प्राथमिक शिक्षा सीखने के लक्ष्य

Three broad goals: / तीन व्यापक लक्ष्य:

- **Goal 1:** Children Maintain Good Health and Well-being / **लक्ष्य 1:** बच्चे अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली बनाए रखें
- **Goal 2:** Children become Effective Communicators / **लक्ष्य 2:** बच्चे प्रभावी संप्रेषक बनें
- **Goal 3:** Children become Involved Learners and Connect with their Immediate Environment / **लक्ष्य 3:** बच्चे सम्मिलित शिक्षार्थी बनें और अपने तात्कालिक वातावरण से जुड़ें

Designing a Child-friendly Learning Environment / बच्चों के अनुकूल सीखने का माहौल तैयार करना

Children are active and curious learners hence, their safety and learning at the centre becomes the most challenging task. Designing physical space for young children blended with pedagogy and safety may help in their process of learning. / बच्चे सक्रिय और जिज्ञासु शिक्षार्थी होते हैं, इसलिए केंद्र में उनकी सुरक्षा और सीखना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य बन जाता है। शिक्षाशास्त्र और सुरक्षा के साथ छोटे बच्चों के लिए भौतिक स्थान डिजाइन करने से उनकी सीखने की प्रक्रिया में मदद मिल सकती है।

1. Designing Indoor Environment with Activity Areas / गतिविधि क्षेत्रों के साथ भीतरी परिवेश का सृजन करना

(i) Activity Areas / गतिविधि क्षेत्र

Activity areas, also known as learning centres, are established places in the classroom with resources that actively engage children and they may change according to the themes or topics. / गतिविधि क्षेत्र, जिन्हें शिक्षण केंद्र के रूप में भी जाना जाता है, कक्षा में संसाधनों के साथ स्थापित स्थान हैं, जो बच्चों को सक्रिय रूप से संलग्न करते हैं और वे थीम या विषयों के अनुसार बदल सकते हैं।

Importance of Activity Areas / गतिविधि क्षेत्रों का महत्व

- Playing in activity areas helps children exercise their choices and explore what interests them. / गतिविधि क्षेत्रों में खेलने से बच्चों को अपनी पसंद चुनने और यह पता लगाने में मदद मिलती है कि उनकी रुचि किसमें है।
- It provides opportunities to create, draw, manipulate, discover, learn new skills, make mistakes, modify their strategies and gives a sense of achievement after they have mastered the activity in which they were engaged, such as building a tower, fixing the jigsaw puzzle or solving a maze. / यह नए कौशल बनाने, आकर्षित करने, हेरफेर करने, खोजने, सीखने, गलतियाँ करने, अपनी रणनीतियों को संशोधित करने के अवसर प्रदान करता है और जिस गतिविधि में वे लगे हुए थे, उसमें महारत हासिल करने के बाद उन्हें उपलब्धि की भावना देता है, जैसे कि एक टॉवर बनाना, आरा ठीक करना। पहेली बनाना या भूलभुलैया सुलझाना।
- It helps in their socio-emotional development, as children learn to play with other children, share, take turns in using the material, wait till the other child finishes her/his activity. They learn time management as well as self regulation. / यह उनके सामाजिक-भावनात्मक विकास में मदद करता है, क्योंकि बच्चे अन्य बच्चों के साथ खेलना, साझा करना, बारी-बारी से सामग्री का उपयोग करना सीखते हैं, तब तक इंतजार करते हैं जब तक कि दूसरा बच्चा अपनी गतिविधि पूरी नहीं कर लेता। वे समय प्रबंधन के साथ-साथ स्व-नियमन भी सीखते हैं।
- It helps in fine and gross motor development as children play with water, sand, manipulate things. / यह सूक्ष्म और स्थूल मोटर विकास में मदद करता है क्योंकि बच्चे पानी, रेत से खेलते हैं, चीजों में हेरफेर करते हैं।
- Children learn to solve problems, provide reasons, explore new material and make choices, thus, helping in their cognitive development. / बच्चे समस्याओं को हल करना, कारण बताना, नई सामग्री तलाशना और विकल्प चुनना सीखते हैं, इस प्रकार, उनके संज्ञानात्मक विकास में मदद मिलती है।

Setting up Activity Areas / गतिविधि क्षेत्रों की स्थापना

- Activity areas should invite and promote active, independent exploration and discovery, creating an atmosphere in which children can learn. / गतिविधि क्षेत्रों को सक्रिय, स्वतंत्र अन्वेषण और खोज को आमंत्रित और बढ़ावा देना चाहिए, जिससे ऐसा माहौल तैयार हो सके जिसमें बच्चे सीख सकें।
- It should contain a variety of manipulative and materials that children can use in creative ways. / इसमें विभिन्न प्रकार की जोड़-तोड़ और सामग्रियां होनी चाहिए जिनका उपयोग बच्चे रचनात्मक तरीकों से कर सकें।
- The materials should be displayed and kept attractively on the open shelves for easy accessibility to encourage exploration. / अन्वेषण को प्रोत्साहित करने के लिए आसान पहुंच के लिए सामग्रियों को खुली अलमारियों पर आकर्षक ढंग से प्रदर्शित और रखा जाना चाहिए।
- The material should be stored in such a way that children can start playing without adult help and be able to arrange the material and clean up after they have finished playing. / सामग्री को इस तरह संग्रहित किया जाना चाहिए कि बच्चे वयस्कों की मदद के बिना खेलना शुरू कर सकें और खेल खत्म होने के बाद सामग्री को व्यवस्थित करने और साफ-सफाई करने में सक्षम हों।

(ii) Classroom Displays / कक्षा प्रदर्शन

- Displays should be at the eye level of children so that they can see them easily. / डिस्प्ले बच्चों की आंखों के स्तर पर होना चाहिए ताकि वे उन्हें आसानी से देख सकें।
- Samples of both in-process and finished work of children should be displayed so that the process of learning is also valued as the final product. / बच्चों के प्रक्रियाधीन और पूर्ण कार्य

दोनों के नमूने प्रदर्शित किए जाने चाहिए ताकि सीखने की प्रक्रिया को भी अंतिम उत्पाद के रूप में महत्व दिया जाए।

- Displays should be changed regularly. / डिस्प्ले को नियमित रूप से बदला जाना चाहिए।
- Work of each child should be displayed, not only the best ones (may be on rotational basis). / प्रत्येक बच्चे का कार्य प्रदर्शित किया जाना चाहिए, न कि केवल सर्वश्रेष्ठ का (घूर्णन आधार पर हो सकता है)।
- Displays should be purposeful. / प्रदर्शन उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए.

(iii) Classroom Adaptations / कक्षा अनुकूलन

- Simplify and repeat instructions and directions. / निर्देशों और दिशानिर्देशों को सरल बनाएं और दोहराएं।
- Provide opportunities for practicing skills repeatedly. / कौशल का बार-बार अभ्यास करने के अवसर प्रदान करें।
- Provide immediate feedback in a positive and descriptive manner. / सकारात्मक और वर्णनात्मक तरीके से तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करें।
- Provide choices to children so that they can follow their interests and strengths. / बच्चों को विकल्प प्रदान करें ताकि वे अपनी रुचियों और शक्तियों का अनुसरण कर सकें।
- Provide concrete examples and materials, such as textured letters, numbers, etc. / ठोस उदाहरण और सामग्री प्रदान करें, जैसे बनावट वाले अक्षर, संख्याएं आदि।

2. Designing Outdoor Play Environment / बाहरी खेल परिवेश का सृजन

The need for setting the outdoor play, maximising the space, and ensuring safety of children is important while designing outdoor play environment, remember: / सृजन का माहौल तैयार करते समय आउटडोर खेल की व्यवस्था करना, जगह का अधिकतम उपयोग करना और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है, याद रखें:

- It is important to ensure that the outdoor area is free from animals, poisonous plants, dangerous insects or any kind of harm to young children. / यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि बाहरी क्षेत्र जानवरों, जहरीले पौधों, खतरनाक कीड़ों या छोटे बच्चों को होने वाले किसी भी प्रकार के नुकसान से मुक्त हो।
- Play or activity area should be safe and cordoned-off with a gate or wall from road traffic, trespassers and any threat to life or security. / खेल या गतिविधि क्षेत्र सुरक्षित होना चाहिए और सड़क यातायात, अतिक्रमणकारियों और जीवन या सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे से गेट या दीवार से घिरा होना चाहिए।
- All drains, ditches, and pot-holes must be well covered and inaccessible to children. / सभी नालियां, गड्ढे और गड्ढे अच्छी तरह से ढके होने चाहिए और बच्चों की पहुंच से दूर होने चाहिए।
- During conduct of the activities, the outdoor area must be well supervised by teachers and adults at all times. / गतिविधियों के संचालन के दौरान, बाहरी क्षेत्र की हर समय शिक्षकों और वयस्कों द्वारा अच्छी तरह से निगरानी की जानी चाहिए।
- . Outdoor play area must have a variety of play materials depending upon space and resource availability. / आउटडोर खेल क्षेत्र में स्थान और संसाधन की उपलब्धता के आधार पर विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री होनी चाहिए।
- Outdoor space must provide opportunities for gross motor play like running, jumping, cycling, etc. / बाहरी स्थान को दौड़ने, कूदने, साइकिल चलाने आदि जैसे सकल मोटर खेल के अवसर प्रदान करने चाहिए।

Transacting the Preschool Curriculum / पूर्व प्राथमिक पाठ्यचर्या नियोजन एवं क्रियान्वयन

The following points must be kept in mind while transacting the Preschool Curriculum: / पूर्व प्राथमिक पाठ्यक्रम का संचालन करते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिए:

- Build on prior knowledge / पूर्व ज्ञान पर आधारित हो
- Encourage positive interactions (child-child, child-teacher, and child-material) / सकारात्मक अंत: क्रिया (बाल-बच्चा, बाल-शिक्षक और बाल-सामग्री) को प्रोत्साहित करें
- Organise variety of activities / विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करें
- Listen to children / बच्चों की बात सुनो
- Spend time in observation / अवलोकन में समय व्यतीत करें
- Scaffold a child's experiences / बच्चे के अनुभवों को आधार करें
- Celebrate diversity / विविधता को सहर्ष स्वीकार करे
- Listen to and co-coordinate with parents and family members / माता-पिता और परिवार के सदस्यों की बात सुनें और उनके साथ समन्वय करें।

Play and Early Learning / खेल और प्रारंभिक शिक्षा

Children's play can be defined in many ways but we can say that it is a creative process in which a child uses the mind and body free from externally imposed goals. / बच्चों के खेल को कई तरह से परिभाषित किया जा सकता है लेकिन हम कह सकते हैं कि यह एक रचनात्मक प्रक्रिया है जिसमें बच्चा बाहरी रूप से थोपे गए लक्ष्यों से मुक्त होकर मन और शरीर का उपयोग करता है।

It is often said that play is a child's chosen act or engagement with objects, peers or just with themselves. / यह अक्सर कहा जाता है कि खेल बच्चे का चुना हुआ कार्य या वस्तुओं, साथियों या सिर्फ खुद के साथ जुड़ाव है।

The most important values of play are: / खेल के सबसे महत्वपूर्ण उपयोगिताएँ हैं:

(i) Physical value / भौतिक उपयोगिता

- Play has a vital role in the physical development of children. During play different parts of the body are activated. It also serves as an outlet for surplus energy. If the energy is not spent properly, children can become irritable and nervous. / बच्चों के शारीरिक विकास में खेल की अहम भूमिका होती है। खेल के दौरान शरीर के विभिन्न अंग सक्रिय होते हैं। यह अधिशेष ऊर्जा के लिए एक आउटलेट के रूप में भी कार्य करता है। यदि ऊर्जा ठीक से खर्च न की जाए तो बच्चे चिड़चिड़े और घबराए हुए हो सकते हैं।

(ii) Social value / सामाजिक उपयोगिता

- Play helps children develop friendly relationships and learn cooperation. / खेल बच्चों को मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करने और सहयोग सीखने में मदद करता है।
- Children get maximum social contact during play and thus learn social manners, behaviour and ways to solve problems with friends. / खेल के दौरान बच्चों को अधिकतम सामाजिक संपर्क मिलता है और इस प्रकार वे सामाजिक शिष्टाचार, व्यवहार और दोस्तों के साथ समस्याओं को हल करने के तरीके सीखते हैं।

(iii) Cognitive value / संज्ञानात्मक उपयोगिता

- Play provides children the opportunity to observe, concentrate and experiment, develop problem solving skills, vocabulary, expression, imagination and creativity. / खेल बच्चों को निरीक्षण करने, ध्यान केंद्रित करने और प्रयोग करने, समस्या सुलझाने के कौशल, शब्दावली, अभिव्यक्ति, कल्पना और रचनात्मकता विकसित करने का अवसर प्रदान करता है।

(iv) Moral value / नैतिक उपयोगिता

- Children learn what is right and what is wrong, how to respect elders and how to behave with peers from the same age group, friends and playmates. / बच्चे सीखते हैं कि क्या सही है और क्या गलत है, बड़ों का सम्मान कैसे करना है और अपने ही उम्र के साथियों, दोस्तों और साथियों के साथ कैसा व्यवहार करना है।

(v) Therapeutic value / चिकित्सीय उपचारात्मक

- Play helps children give way to pent up emotions. Shy children learn to enjoy themselves with others, while aggressive ones can learn to wait patiently for their turn. Over-competitive children can learn to accept losses, while those with a sense of insecurity can gain self-respect and respect for others through play. / खेल बच्चों को दबी हुई भावनाओं को बाहर निकालने में मदद करता है। शर्मीले बच्चे दूसरों के साथ आनंद लेना सीखते हैं, जबकि आक्रामक बच्चे धैर्यपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करना सीख सकते हैं। अति-प्रतिस्पर्धी बच्चे नुकसान स्वीकार करना सीख सकते हैं, जबकि असुरक्षा की भावना वाले बच्चे खेल के माध्यम से आत्म-सम्मान और दूसरों के लिए सम्मान हासिल कर सकते हैं।

(vi) Recreational value / मनोरंजक उपयोगिता

- Play activities bring enjoyment and relaxation. It keeps children emotionally satisfied and prevents boredom. / खेल गतिविधियाँ आनंद और विश्राम लाती हैं। यह बच्चों को भावनात्मक रूप से संतुष्ट रखता है और बोरियत से बचाता है।

(vii)Educational value / शैक्षिक उपयोगिता

- Children learn a lot during play. Through the use of toys they learn about colours, sizes, shapes and textures. / बच्चे खेल-खेल में बहुत कुछ सीखते हैं। खिलौनों के उपयोग से वे रंग, आकार, आकार और बनावट के बारे में सीखते हैं।
- You must have noted that the significance of play is manifold as children gather vast information and knowledge by their own efforts. / आपने देखा होगा कि खेल का महत्व कई गुना है क्योंकि बच्चे अपने प्रयासों से विशाल जानकारी और ज्ञान इकट्ठा करते हैं।

Types of Play / खेल के प्रकार

Piaget (1945-1962) explains the levels of play as: / पियाजे (1945-1962) खेल के स्तरों की व्याख्या इस प्रकार करते हैं:

- **Practice Play:** It matches with the sensorimotor stage (0-2 years). Physical senses play a major role during play. Play at the stage may consist of repeated body movements, putting object in the mouth, blowing spit bubbles. / **अभ्यास खेल:** यह संवेदी गतिक अवस्था (0-2 वर्ष) से मेल खाता है। खेल के दौरान शारीरिक इंद्रियाँ प्रमुख भूमिका निभाती हैं। मंच पर खेल में शरीर को बार-बार हिलाना, मुंह में वस्तु डालना, थूक के बुलबुले उड़ाना शामिल हो सकता है।
- **Symbolic Play:** It starts when the child is able to use the objects as a symbol of something (2-7 years). A representational system develops during the period. Children will engage in make

believe games and fantasy role play. / **प्रतीकात्मक खेल:** यह तब शुरू होता है जब बच्चा वस्तुओं को किसी चीज़ के प्रतीक के रूप में उपयोग करने में सक्षम होता है (2-7 वर्ष)। इस अवधि के दौरान एक प्रतिनिधित्वात्मक प्रणाली विकसित होती है। बच्चे काल्पनिक खेल और फंतासी रोल प्ले में संलग्न होंगे।

- **Games with Rules:** This level starts when a child is ready to accept the complexity and rules imposed during the game (7-11 years). Play becomes more structured. Rules are developed and play now takes on a social aspect. / **नियमों वाला खेल:** यह स्तर तब शुरू होता है जब कोई बच्चा खेल के दौरान लगाई गई जटिलता और नियमों को स्वीकार करने के लिए तैयार होता है (7-11 वर्ष)। खेल अधिक संरचित हो जाता है। नियम विकसित हो गए हैं और खेल अब एक सामाजिक पहलू ले चुका है।

Smilansky (1968) divided play skills into four stages: / स्माइलेस्की (1968) ने खेल कौशल को चार चरणों में विभाजित किया:

- **Functional Play:** It is the first stage in which children play with objects.Physical movements and motor skills are also included in this stage. / **व्यावहारिक खेल:** यह पहला चरण है जिसमें बच्चे वस्तुओं के साथ खेलते हैं। इस चरण में शारीरिक गतिविधियां और मोटर कौशल भी शामिल हैं।
- **Constructive Play:** At this stage, children use objects to construct something.It involves sensorimotor activities where children use their creativity. Children begin to understand their surroundings and begin to initiate what they see. / **रचनात्मक खेल:** इस स्तर पर, बच्चे कुछ बनाने के लिए वस्तुओं का उपयोग करते हैं। इसमें सेंसरिमोटर गतिविधियाँ शामिल होती हैं जहाँ बच्चे अपनी रचनात्मकता का उपयोग करते हैं। बच्चे अपने परिवेश को समझने लगते हैं और जो देखते हैं उसी पर पहल करना शुरू कर देते हैं।
- **Dramatic Play:** Children start using imagination to make something from some objects. / **नाटकीय खेल:** बच्चे कुछ वस्तुओं से कुछ बनाने के लिए कल्पना का उपयोग करना शुरू करते हैं।
- **Games with Rules:** Children participate in competition type games. It allows children to understand the idea of rules, accept rules and play by the rules. / **नियमों वाला खेल:** बच्चे प्रतियोगिता प्रकार के खेलों में भाग लेते हैं। यह बच्चों को नियमों के विचार को समझने, नियमों को स्वीकार करने और नियमों के अनुसार खेलने की अनुमति देता है।

Parten stated that children's play changed as they developed, going through six distinct stages / पार्टन ने कहा कि छह अलग-अलग चरणों से गुजरते हुए बच्चों का खेल विकसित होते-होते बदल गया

- **Unoccupied play:** Children do not seem to be engaged or actively playing with others at all. This is play among newborns and infants and may be seen in children in new spaces, between the ages of 0 and 2 years and is important for later exploration and development. / **अव्यस्त खेल:** बच्चे दूसरों के साथ बिल्कुल भी व्यस्त या सक्रिय रूप से खेलते नहीं दिखते। यह नवजात शिशुओं और शिशुओं के बीच खेल है और 0 से 2 वर्ष की आयु के बीच नए स्थानों के बच्चों में देखा जा सकता है और बाद में अन्वेषण और विकास के लिए महत्वपूर्ण है।
- **Solitary play:** Children often play alone, with toys different from those of others, and are uninterested or unaware of others. This stage of play is most commonly seen in young toddlers. However, it benefits children of all ages. / **एकल खेल:** बच्चे अक्सर अकेले खेलते हैं, दूसरों से अलग खिलौनों के साथ, और दूसरों के प्रति उदासीन या अनजान होते हैं। खेल का यह चरण आमतौर पर छोटे बच्चों में देखा जाता है। हालाँकि, इसका लाभ सभी उम्र के बच्चों को होता है।
- **Onlooker play:** Onlooker play is when a child observes others playing but does not join the play. They may engage in social interactions to learn more about the game or play that is going on. This is common in children between the ages of two-and-a-half and three-and-a-half years, but can take place at any age. / **दर्शक खेल:** दर्शक खेल तब होता है जब कोई बच्चा दूसरों को खेलते हुए देखता

है लेकिन खेल में शामिल नहीं होता है। वे चल रहे खेल या खेल के बारे में अधिक जानने के लिए सामाजिक संपर्क में शामिल हो सकते हैं। यह ढाई से साढ़े तीन साल की उम्र के बच्चों में आम है, लेकिन किसी भी उम्र में हो सकता है।

- **Parallel play:** This also occurs between ages of two-and-a-half and threeand-a-half years when children play side-by-side, not engaging with each other. They may play with similar toys and mimic one another. / **समानांतर खेल:** यह ढाई से साढ़े तीन साल की उम्र के बीच भी होता है जब बच्चे एक-दूसरे से उलझे बिना, साथ-साथ खेलते हैं। वे एक जैसे खिलौनों से खेल सकते हैं और एक-दूसरे की नकल कर सकते हैं।
- **Associative play:** By the age of three or four years, children begin to play together, but do not focus on a common goal. Children will be more interested in playing with other children around rather than with individual toys. / **सहचारी खेल:** तीन या चार साल की उम्र तक, बच्चे एक साथ खेलना शुरू कर देते हैं, लेकिन एक सामान्य लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं। बच्चे अलग-अलग खिलौनों के बजाय आसपास के अन्य बच्चों के साथ खेलने में अधिक रुचि लेंगे।
- **Cooperative play:** Cooperative play is where play finally becomes organized into groups and teamwork is seen. Children are now interested in who they play with and what the activity is. They now can accept a leader, as well as other assigned roles, and play to accomplish group goals or specific tasks. / **सहकारी खेल:** सहकारी खेल वह है जहां खेल अंततः समूहों में संगठित हो जाता है और टीम वर्क देखा जाता है। बच्चे अब इस बात में रुचि रखते हैं कि वे किसके साथ खेलते हैं और गतिविधि क्या है। अब वे एक नेता के साथ-साथ अन्य सौंपी गई भूमिकाओं को भी स्वीकार कर सकते हैं और समूह के लक्ष्यों या विशिष्ट कार्यों को पूरा करने के लिए खेल सकते हैं।

Play in First Two Years / पहले दो वर्षों में खेल

- Sensorimotor play, play with objects, symbolic and social play with adults are the main types of infant play. Play at this age is rooted in the movement of the body and discovering the possibilities with movement of hands and feet. / संवेदीगामक खेल, वस्तुओं के साथ खेलना, वयस्कों के साथ प्रतीकात्मक और सामाजिक खेल शिशु खेल के मुख्य प्रकार हैं। इस उम्र में खेलना शरीर की गति और हाथों और पैरों की गति के साथ संभावनाओं की खोज में निहित है।
- Play with an object starts at four to five months because, by this time, children has acquired eye-hand coordination and can grasp things around. / किसी वस्तु के साथ खेलना चार से पांच महीने में शुरू हो जाता है, क्योंकि इस समय तक, बच्चे आंख-हाथ का समन्वय हासिल कर लेते हैं और आसपास की चीजों को समझ सकते हैं।
- Symbolic play starts after the first year. The process of substituting one object for the other is very common. For example, using a wooden piece as a telephone receiver. / प्रथम वर्ष के बाद प्रतीकात्मक खेल शुरू होता है। एक वस्तु के स्थान पर दूसरी वस्तु रखने की प्रक्रिया बहुत सामान्य है। उदाहरण के लिए, एक लकड़ी के टुकड़े को टेलीफोन रिसीवर के रूप में उपयोग करना।
- In the second year, object play reaches maturity. Differentiating objects according to their size and shape is a noticeable change during these year. Social play with adults starts after the age of one and a half year. Playing with peer groups and other family members continues for the next few years. / दूसरे वर्ष में, ऑब्जेक्ट प्ले परिपक्वता तक पहुँच जाता है। इन वर्षों के दौरान वस्तुओं को उनके आकार और आकार के अनुसार अलग करना एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। वयस्कों के साथ सामाजिक खेल डेढ़ साल की उम्र के बाद शुरू होता है। सहकर्मी समूहों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ खेलना अगले कुछ वर्षों तक जारी रहेगा।

Ages 2 to 5 / उम्र 2 से 5

- During this period, all play becomes more purposeful. The size of the group for social play increases and the play becomes challenging with cooperation and compromise. Play and play mates become more selective, and selection is done according to their interest on the basis of age and gender. / इस अवधि के दौरान, सभी खेल अधिक उद्देश्यपूर्ण हो जाते हैं। सामाजिक खेल के लिए समूह का आकार बढ़ता है और सहयोग तथा समझौते से खेल चुनौतीपूर्ण हो जाता है। खेलने और खेलने वाले साथी अधिक चयनात्मक हो जाते हैं और चयन उम्र और लिंग के आधार पर उनकी रुचि के अनुसार किया जाता है।
- Parallel play and solitary play are two special varieties of play observed in children after two years of age. Solitary play means playing alone and parallel play means independent play in the same play and in the same group. Amount of time spent for make-believe play (symbolic) increases at this period. Dramatic play is the feature of this age group. In dramatic play, children play the role of a shopkeeper or a family member. / समानांतर खेल और एकान्त खेल दो विशेष प्रकार के खेल हैं जो दो साल की उम्र के बाद बच्चों में देखे जाते हैं। एकान्त खेल का अर्थ है अकेले खेलना और समानांतर खेल का अर्थ है एक ही खेल और एक ही समूह में स्वतंत्र खेल। इस अवधि में दिखावटी खेल (प्रतीकात्मक) में व्यतीत होने वाले समय की मात्रा बढ़ जाती है। नाटकीय खेल इस आयु वर्ग की विशेषता है। नाटकीय नाटक में बच्चे एक दुकानदार या परिवार के सदस्य की भूमिका निभाते हैं।

Ages 5 to 12 / उम्र 5 से 12

- At this age, children enter elementary school. The play pattern becomes more systematic and regulated. The strength of make believe play reduces gradually and play becomes logical and rule dominated. They start to play competitive and serious games with rules like basketball and football. The number of participants (at least two) and their behaviour are controlled by some strict rules and group norms / इस उम्र में, बच्चे प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश करते हैं। खेल का पैटर्न अधिक व्यवस्थित और विनियमित हो जाता है। विश्वास बनाने वाले खेल की ताकत धीरे-धीरे कम हो जाती है और खेल तार्किक और नियम प्रधान हो जाता है। वे बास्केटबॉल और फुटबॉल जैसे नियमों के साथ प्रतिस्पर्धी और गंभीर खेल खेलना शुरू करते हैं। प्रतिभागियों की संख्या (कम से कम दो) और उनका व्यवहार कुछ सख्त नियमों और समूह मानदंडों द्वारा नियंत्रित किया जाता है
- Thus, play and the purpose of play are different from age to age. As per the development of different skills, the nature of play may change. / इस प्रकार, खेल और खेल का उद्देश्य हर उम्र में अलग-अलग होता है। विभिन्न कौशलों के विकास के अनुसार खेल की प्रकृति बदल सकती है।

Role of Teachers as Facilitators In Children's Play / बच्चों के खेल में सहायक के रूप में शिक्षकों की भूमिका

- **Teacher as an observer:** The teacher observes the activities of the children in the classroom as well as outside the classroom. S/he observes how children interact with each other, how they handle objects, whether they have any problem with their group, etc. / **अवलोकनकर्ता के रूप में शिक्षक:** शिक्षक कक्षा के साथ-साथ कक्षा के बाहर भी बच्चों की गतिविधियों का अवलोकन करता है। वह देखता है कि बच्चे एक-दूसरे के साथ कैसे बातचीत करते हैं, वे वस्तुओं को कैसे संभालते हैं, क्या उन्हें अपने समूह के साथ कोई समस्या है, आदि।
- **Teacher as a facilitator:** Mere play is not enough for children to develop. It is the role of the teacher to direct the play activities for learning. S/he has to create a climate and arrange the equipment according to their need and purpose. Here, the teacher acts as a facilitator and

arranges toys to refine visual discrimination. / **सहायक के रूप में शिक्षक:** बच्चों के विकास के लिए केवल खेलना ही पर्याप्त नहीं है। सीखने के लिए खेल गतिविधियों को निर्देशित करना शिक्षक की भूमिका है। उसे एक माहौल बनाना होगा और उनकी आवश्यकता और उद्देश्य के अनुसार उपकरणों की व्यवस्था करनी होगी। यहां, शिक्षक एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करता है और दृश्य भेदभाव को परिष्कृत करने के लिए खिलौनों की व्यवस्था करता है।

- **Teacher as a reviewer:** After every activity the teacher has to determine how the particular type of play met the needs of each individual child. The teacher has to make sure that the purpose of play i.e., for cognitive, social, physical growth etc. has taken place during the play. / **समीक्षक के रूप में शिक्षक:** प्रत्येक गतिविधि के बाद शिक्षक को यह निर्धारित करना होगा कि विशेष प्रकार का खेल प्रत्येक व्यक्तिगत बच्चे की आवश्यकताओं को कैसे पूरा करता है। शिक्षक को यह सुनिश्चित करना होगा कि खेल के दौरान खेल का उद्देश्य अर्थात् संज्ञानात्मक, सामाजिक, शारीरिक विकास आदि हुआ है।
- **Teacher as an organiser:** As a teacher, the first and the most important duty is to organise and prepare a playful environment for children. The teacher should provide the materials and equipment for meaningful play activities. / **आयोजक के रूप में शिक्षक:** एक शिक्षक के रूप में, पहला और सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य बच्चों के लिए एक खेल का माहौल तैयार करना और व्यवस्थित करना है। शिक्षक को सार्थक खेल गतिविधियों के लिए सामग्री और उपकरण उपलब्ध कराने चाहिए।

OOOOO

CHAPTER 13

ECCE in NEP 2020

- The concept of ECCE curriculum in NEP 2020 is rooted in offering a holistic and appropriate learning experience to young learners of ages 3 to 8. / एनईपी 2020 में ECCE पाठ्यक्रम की अवधारणा 3 से 8 वर्ष की आयु के युवा शिक्षार्थियों को समग्र और उचित शिक्षण अनुभव प्रदान करने में निहित है।
- The ECCE in the NEP 2020 curriculum focuses on a play-based and activity-based approach, recognizing the significance of experiential learning and enabling children to discover, explore, and learn at their own pace. / एनईपी 2020 पाठ्यक्रम में ECCE खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित दृष्टिकोण पर केंद्रित है, जो अनुभवात्मक शिक्षा के महत्व को पहचानता है और बच्चों को अपनी गति से खोजने, तलाशने और सीखने में सक्षम बनाता है।
- The ECCE in National Education Policy 2020 focuses on encouraging creativity, critical thinking, communication, collaboration, and problem-solving skills. / राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ECCE रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, संचार, सहयोग और समस्या-समाधान कौशल को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है।

Objective of the ECCE Curriculum / ECCE पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. **Holistic Development:** The ECCE in NEP 2020 aims to nurture the holistic development of young learners, stressing their cognitive, social, emotional, physical, and creative aspects. It seeks to foster well-rounded learners by providing a balanced and all-inclusive learning experience. / **समग्र विकास:** एनईपी 2020 में ECCE का उद्देश्य युवा शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, सामाजिक, भावनात्मक, शारीरिक और रचनात्मक पहलुओं पर जोर देकर उनके समग्र विकास का पोषण करना है। यह एक संतुलित और सर्व-समावेशी शिक्षण अनुभव प्रदान करके सर्वांगीण शिक्षार्थियों को बढ़ावा देना चाहता है।
2. **Play-Based and Activity-Based Learning:** The ECCE curriculum encourages a play-based and activity-based approach to provide learners with hands-on experiences, exploration, and active engagement in their learning process. It promotes young learners to learn through experimentation, play, and meaningful activities. / **खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित शिक्षा:** ECCE पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को उनकी सीखने की प्रक्रिया में व्यावहारिक अनुभव, अन्वेषण और सक्रिय जुड़ाव प्रदान करने के लिए खेल-आधारित और गतिविधि-आधारित दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करता है। यह युवा शिक्षार्थियों को प्रयोग, खेल और सार्थक गतिविधियों के माध्यम से सीखने के लिए प्रोत्साहित करता है।
3. **Inclusivity and Equity:** The ECCE in NEP 2020 focuses on inclusivity by ensuring equal access and participation for each and every child – irrespective of their gender, socio-economic background, ability, or cultural diversity. The curriculum aims to forge an inclusive learning environment that celebrates and respects diversity./ **समावेशिता और समानता:** एनईपी 2020 में ECCE प्रत्येक बच्चे के लिए समान पहुंच और भागीदारी सुनिश्चित करके समावेशिता पर ध्यान केंद्रित करता है - चाहे उनका लिंग, सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, क्षमता या सांस्कृतिक विविधता कुछ भी हो। पाठ्यक्रम का लक्ष्य एक समावेशी शिक्षण वातावरण तैयार करना है जो विविधता का जश्न मनाए और उसका सम्मान करे।
4. **Skill Development:** The curriculum emphasizes developing vital skills, including creativity, critical thinking, communication, problem-solving, collaboration, and self-expression. The main

objective of the ECCE curriculum is to equip young learners with the essential competencies to thrive in an ever-changing world. / **कौशल विकास:** पाठ्यक्रम रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, संचार, समस्या-समाधान, सहयोग और आत्म-अभिव्यक्ति सहित महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने पर जोर देता है। ECCE पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा शिक्षार्थियों को लगातार बदलती दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक दक्षताओं से लैस करना है।

5. **Well-Being and Health:** The ECCE curriculum encourages the well-being and health of young learners. It focuses on nutrition, personal hygiene, physical fitness, and emotional well-being. ECCE aims to build a safe and nurturing environment that braces the overall well-being of students. / **कल्याण और स्वास्थ्य:** ECCE पाठ्यक्रम युवा शिक्षार्थियों के कल्याण और स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करता है। यह पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता, शारीरिक फिटनेस और भावनात्मक कल्याण पर केंद्रित है। ECCE का लक्ष्य एक सुरक्षित और पोषणपूर्ण वातावरण का निर्माण करना है जो छात्रों के समग्र कल्याण को बढ़ावा देता है।
6. **Local and Cultural Relevance:** The ECCE in NEP 2020 recognizes the significance of integrating cultural and local knowledge, languages, and traditions. It aims to equip young learners with a sense of rootedness, identity, and appreciation for their own culture and heritage. / **स्थानीय और सांस्कृतिक प्रासंगिकता:** एनईपी 2020 में ECCE सांस्कृतिक और स्थानीय ज्ञान, भाषाओं और परंपराओं को एकीकृत करने के महत्व को पहचानता है। इसका उद्देश्य युवा शिक्षार्थियों को अपनी संस्कृति और विरासत के प्रति जड़ता, पहचान और प्रशंसा की भावना से लैस करना है।

ECCE Curriculum in NEP 2020 / NEP 2020 में ECCE पाठ्यक्रम

The New Education Policy envisions a flexible and child-centric curriculum for ECCE that focuses on the following areas: / नई शिक्षा नीति ECCE के लिए एक लचीले और बाल-केंद्रित पाठ्यक्रम की कल्पना करती है जो निम्नलिखित क्षेत्रों पर केंद्रित है:

(a) Early Literacy and Numeracy: / प्रारंभिक साक्षरता और संख्यात्मकता:

- The curriculum emphasizes the development of foundational literacy and numeracy skills through age-appropriate activities, games, and storytelling. / पाठ्यक्रम आयु-उपयुक्त गतिविधियों, खेलों और कहानी कहने के माध्यम से मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक कौशल के विकास पर जोर देता है।

(b) Social and Emotional Development: / सामाजिक और भावनात्मक विकास:

- ECCE curriculum nurtures social and emotional skills, promoting empathy, self-regulation, and positive relationships with peers and caregivers. / ECCE पाठ्यक्रम सामाजिक और भावनात्मक कौशल का पोषण करता है, सहानुभूति, आत्म-नियमन और साथियों और देखभाल करने वालों के साथ सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देता है।

(c) Physical Development and Well-being: / शारीरिक विकास और कल्याण:

- Physical activities, outdoor play, and health education form an integral part of the curriculum to ensure the overall well-being and motor skill development of children. / बच्चों के समग्र कल्याण और मोटर कौशल विकास को सुनिश्चित करने के लिए शारीरिक गतिविधियाँ, आउटडोर खेल और स्वास्थ्य शिक्षा पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग हैं।

(d) Creative Expression and Artistic Skills: / रचनात्मक अभिव्यक्ति और कलात्मक कौशल:

- ECCE encourages children's creativity and imagination through various art forms, such as drawing, painting, music, and dance. / ECCE ड्राइंग, पेंटिंग, संगीत और नृत्य जैसे विभिन्न कला रूपों के माध्यम से बच्चों की रचनात्मकता और कल्पना को प्रोत्साहित करता है।

- **Environmental Awareness:** The curriculum instills a sense of environmental responsibility in children, fostering an understanding of nature, sustainability, and conservation. / **पर्यावरण जागरूकता:** पाठ्यक्रम बच्चों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी की भावना पैदा करता है, प्रकृति, स्थिरता और संरक्षण की समझ को बढ़ावा देता है।

(f) Home Language and Multilingualism: / घरेलू भाषा और बहुभाषावाद:

- Recognizing the importance of the mother tongue, the ECCE curriculum encourages the use of home languages while gradually introducing other languages for multilingual proficiency. / मातृभाषा के महत्व को पहचानते हुए, ECCE पाठ्यक्रम बहुभाषी दक्षता के लिए धीरे-धीरे अन्य भाषाओं को शामिल करते हुए घरेलू भाषाओं के उपयोग को प्रोत्साहित करता है।

Role of Teachers and Caregivers in ECCE / ECCE में शिक्षकों और देखभालकर्ताओं की भूमिका

- The NEP 2020 emphasizes the role of well-trained and motivated teachers and caregivers in ECCE. They play a crucial role in facilitating children's learning, providing a safe and nurturing environment, and fostering positive relationships. Teachers are encouraged to adopt a child-centric approach, catering to individual needs and interests, and creating engaging learning experiences. / NEP 2020 ECCE में अच्छी तरह से प्रशिक्षित और प्रेरित शिक्षकों और देखभाल करने वालों की भूमिका पर जोर देता है। वे बच्चों की पढ़ाई को सुविधाजनक बनाने, एक सुरक्षित और पोषणपूर्ण वातावरण प्रदान करने और सकारात्मक रिश्तों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों को बाल-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने, व्यक्तिगत आवश्यकताओं और रुचियों को पूरा करने और आकर्षक सीखने के अनुभव बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- NCERT has been tasked with the creation of a "National Curricular and Pedagogical Framework for Early Childhood Care and Education" (NCPF ECCE) for children up to the age of 8. / NCERT को 8 वर्ष की आयु तक के बच्चों के लिए "प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या-और शैक्षणिक ढांचा" (NCPF ECCE) बनाने का काम सौंपा गया है।
- Preparatory Classes have been discussed as bridge programs between anganwadis and primary schools. The policy plans training & certificate programmes from ECCE of all anganwadi and primary school workers mainly through digital means. All these are directed at universal access to early childhood education. / आंगनबाड़ियों और प्राथमिक विद्यालयों के बीच सेतु कार्यक्रम के रूप में प्रारंभिक कक्षाओं पर चर्चा की गई है। नीति मुख्य रूप से डिजिटल माध्यम से सभी आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालय कार्यकर्ताओं के लिए ECCE से प्रशिक्षण और प्रमाणपत्र कार्यक्रम की योजना बनाती है। ये सभी प्रारंभिक बाल्यावस्था की शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच के लिए निर्देशित हैं।
- The National Education Policy 2020 has acknowledged the need for strong investments in ECCE but so far there is no mention of the role private players can fulfil in meeting its goal for 2030. The policy also does not discuss regulation of private pre-schools. A roadmap for its implementation is lacking with no discussions on budget allotments and its inclusion in the Right to Education. / राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने ECCE में मजबूत निवेश की आवश्यकता को स्वीकार किया है, लेकिन अभी तक 2030 के लक्ष्य को पूरा करने में निजी खिलाड़ी क्या भूमिका निभा सकते हैं, इसका कोई उल्लेख नहीं है। नीति में निजी प्री-स्कूलों के विनियमन पर भी चर्चा नहीं की गई है। बजट आवंटन और इसे अधिकार में शामिल करने पर कोई चर्चा नहीं होने से इसके कार्यान्वयन के लिए रोडमैप का अभाव है।

CHAPTER 14

Important Abbreviations
महत्वपूर्ण संक्षिप्ताक्षर

SDGs	Sustainable Development Goals
NHP	National Health Policy
INAP	India Newborn Action Plan
ICDS	Integrated Child Development Services
ICPS	Integrated Child Protection Scheme
MDMS	Mid Day Meal Scheme
EGS	Education Guarantee Scheme
AIE	Alternative & Innovative Education
MWCD	Ministry of Women and Child Development
RTE	Right to Free and Compulsory Education Act
NCPCR	National Commission for Protection of Child Rights
POCSO	Protection of Children from Sexual Offences
RPWD	Rights of Persons with Disabilities Act
SSA	Samagra Shiksha Abhiyan
HDI	Human Development Index
LWB	Learning Without Burden
NPE	National Policy On Education
NCERT	National Council Of Educational Research And Training
NEP	National Education Policy
NCF	National Curriculum Framework
POA	Programme Of Action
UEE	Universal Elementary Education
PRI	Panchayat Raj Institutions
MIL	Modern Indian Language
ICT	Information And Communication Technology
NSS	Natioanl Service Scheme
NCC	National Cadet Corps
SUPW	Socially Useful And Productive Work
ECCE	Early Childhood Care And Education
MLL	Minimum Level Of Learning

NOS	National Open School
DPEP	District Primary Education Programme
NGO	Non-Government Organisations
ET	Educational Technology
CRC	Convention On The Rights Of The Child
VET	Vocational Education And Training
SCERT	State Council Of Educational Research And Training
BRC	Block Resource Centre
CRC	Cluster Resource Centre
DIET	District Institute Of Education And Training
CTE	Colleges Of Teacher Education
IASE	Institutes Of Advanced Studies In Education
SSA	Sarva Shiksha Abhiyan
NCFSE	National Curriculum Framework For School Education
NFG	National Focus Groups
NCT	National Commission On Teachers
IT	Information Technology
VEC	Village Education Committee
SDMC	School Development And Monitoring Committee
BALA	Building as a Learning Aid
ADHD	Attention Deficit Hyperactivily Disorder
CALP	Cognitive Academic Language Proficiency
BICS	Basic Interpersonal Communication Skill
LAD	Language Acquisition Device
IEP	Individualized Education Policy
MLL	Minimum Level of Learning
NEP	National Education Policy
PARAKH	Performance, Assessments, Review and Analysis of Knowledge for Holistic Development
CLT	Communicative Language Teaching
LSRW	Listening, Speaking, Reading Writing
TPR	Total Physical Response
RTE	Right to Children to free and Compulsory Education

OOOOO